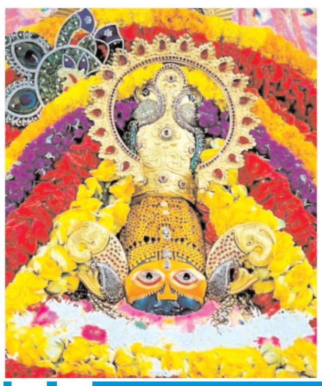

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:261। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, (बुधवार) 13 मई 2026 || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महाघोटाला: 22 लाख छात्रों के सपनों का सरेआम कत्ल, चंद रुपयों की खातिर नीलाम हुआ देश का भविष्य!

NEET UG 2026 रद्द

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नई दिल्ली/जयपुर। यह सिर्फ एक परीक्षा का रद्द होना नहीं है; यह एक खोखले और भ्रष्ट सिस्टम द्वारा 22 लाख मासूम बच्चों की उम्मीदों, उनकी रातों की नींद और उनके माता-पिता के खून-पसीने की कमाई का सरेआम किया गया कत्ल है। 3 मई को आयोजित हुई NEET UG 2026 परीक्षा को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की घोर नाकामी के बाद आखिरकार रद्द कर दिया गया है। सरकार ने अपनी नाकामी छिपाने के लिए जांच CBI को सौंप दी है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस सड़ी-गली व्यवस्था के कारण बच्चों के सीने में जो घाव लगा है, उसका हिसाब कौन देगा?

खून के आंसू रोता देश का भविष्य: 'साहब! हमारी मेहनत की कोई कीमत नहीं?'

'हम दो साल तक एक कालकोठरी जैसे कमरे में बंद रहे। न दिवाली देखी, न होली। पापा ने अपनी जमीन गिरवी रखकर कोचिंग की भारी-भरकम फीस भरी थी। आज जब पेपर

लीक की खबर आई, तो लगा जैसे किसी ने हमारी जिंदगी ही लूट ली हो।' जयपुर के एक कोचिंग हब के बाहर फूट-फूटकर रोती हुई एक छात्रा की यह चीख देश के हर उस कोने की कहानी है, जहां एक गरीब और मध्यमवर्गीय बच्चा डॉक्टर बनने का पवित्र सपना देख रहा था।

गहरे डिप्रेशन में छात्र: रात-रात भर जागकर, अपनी जवानी के सबसे खूबसूरत साल किताबों में खपाने वाले छात्र आज गहरे सदमे और अवसाद की गिरफ्त में हैं।

बेबस और लाचार माता-पिता: अपनी पाई-पाई जोड़कर और पेट काटकर बच्चों को पढ़ाने वाले माता-पिता आज अपने बच्चों के आंसू पोंछते हुए खुद बेबसी के आंसू रो रहे हैं।

सिस्टम से उठा भरोसा: देश की सबसे बड़ी और 'पारदर्शी' माने जाने वाली परीक्षा प्रणाली से देश के नौनिहालों का भरोसा पूरी तरह उठ चुका है।

28 लाख में बिका जमीर: रक्षक ही निकले भक्षक!

जांच में जो घिनौना सच सामने आया है, वह पूरे देश का सिर शर्म से झुकाने के लिए काफी है। राजस्थान पुलिस की स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के खुलासे ने NTA के दावों की धज्जियां उड़ा दी हैं। बाजार में जो 'गेस पेपर' परीक्षा से पहले घूम रहा था, वह असली पेपर की हूबहू कॉपी था। पूरे 140 प्रश्न (लगभग 600 मार्क्स) मैच हो गए!

MBBS छात्र ही निकला गद्दार: इस महापाप का मास्टरमाइंड नासिक से पकड़ा गया एक थर्ड-ईयर MBBS छात्र है। जो खुद इंसान की जान बचाने के पवित्र पेशे में आने की तैयारी कर रहा था, उसी ने लाखों बच्चों के भविष्य का गला घोंट दिया।

सपनों की सरेआम बोली: देश के सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम का पेपर 30,000 से लेकर 28 लाख तक में खुलेआम रद्दी के भाव बेचा गया।

उबलती सड़कें और खोखले वादे:

'Re-NEET से नहीं भरेगा जख्म!'

इस शर्मनाक धोखे के खिलाफ आज पूरे देश का खून खौल रहा है। दिल्ली के शास्त्री भवन के बाहर छात्रों और युवा संगठनों ने उग्र प्रदर्शन किया है। छात्रों का एक स्वर में सिर्फ एक ही नारा है– 'चंद पैसों के लिए हमारे भविष्य का सौदा करना बंद करो। '

CBI ने FIR दर्ज कर ली है और NTA के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने घोषणा की है कि 7 से 10 दिनों में नई परीक्षा का शेड्यूल जारी किया जाएगा। लेकिन वातानुकूलित कमरों में बैठकर लिया गया री-एग्जाम का यह फैसला उन लाखों बच्चों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जिन्हें अब इस तपती गर्मी में, इसी भयंकर मानसिक तनाव और अनिश्चितता के साथ दोबारा परीक्षा की भट्टी में झोंक दिया जाएगा। यह वक्त सिर्फ एक और दिखावटी जांच का नहीं है, बल्कि उस पूरे माफिया तंत्र और नाकारा सिस्टम को जड़ से उखाड़ फेंकने का है, जिसने देश के भविष्य को चंद रुपयों के लिए सरेआम बाजार में नीलाम कर दिया!

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 मई को

पारस्परिक संबंध होंगे मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

'आईए स्पिरिट: नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बीते 23 अप्रैल को इस शिखर सम्मेलन के आधिकारिक प्रतीक चिह्न (लोगो), वेबसाइट और थीम का अनावरण किया था, जो इस दीर्घकालिक साझेदारी के बहुआयामी स्वरूप को प्रदर्शित करता है। मुख्य शिखर सम्मेलन से पूर्व कूटनीतिक स्तर पर बैठकों का दौर शुरू होगा, जिसके तहत 28 मई को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक और 29 मई को भारत-अफ्रीका विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की जाएगी ताकि सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की जा सके। यह शिखर सम्मेलन वर्ष 2008 में नई दिल्ली से शुरू हुई उस ऐतिहासिक यात्रा का अगला चरण है, जिसने दिल्ली घोषणापत्र और

रणनीतिक सहयोग के माध्यम से विकासशील देशों के बीच दक्षिण-दक्षिण सहयोग की एक नई मिसाल पेश की है। सरकारी वार्ताओं के साथ-साथ इस बार सांस्कृतिक और व्यापारिक संबंधों को नई ऊर्जा देने के लिए भारत-अफ्रीका संगीत एवं नृत्य महोत्सव, बिजनेस डायलॉग, प्रदर्शनी और ट्रैक-2 संवाद जैसे विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच जन-भागीदारी और साझा समृद्धि के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाएंगे।

तमिलनाडु में एम.वी. करुप्पैया बने प्रोटेम स्पीकर

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत के बीच शोलावंदन से तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) विधायक एम.वी. करुप्पैया को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। रविवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। 2026 विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटों पर जीत दर्ज की और राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने में सफलता हासिल की। तमिलनाडु विधानसभा सचिवालय के अनुसार, 17वीं विधानसभा का पहला विशेष सत्र सोमवार सुबह 9:30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में एम.वी. करुप्पैया विधायकों को

शपथ दिलाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके बाद 12 मई को विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा। एम.वी. करुप्पैया का राजनीतिक सफर भी काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने वर्ष 2011 में अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के टिकट पर शोलावंदन सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि, 2016 और 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्हें पार्टी से टिकट नहीं मिला। बाद में मार्च 2026 में उन्होंने टीवीके का दामन थामा और इसी वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में शोलावंदन (आरक्षित) सीट से जीत हासिल कर दोबारा विधानसभा पहुंचे। वहीं मुख्यमंत्री विजय ने रविवार सुबह चेन्नई सचिवालय पहुंचकर आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाला। इससे पहले जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल अर्लेकर ने विजय और उनके नौ मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया, जबकि पेरम्बूर सीट को अपने पास बरकरार रखा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उनका इस्तीफा मंत्रियों के.ए. सेंगोट्टैयन और पी. वेंकटरमन के माध्यम से विधानसभा के प्रमुख सचिव के. श्रीनिवासन को सौंपा गया।

संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी पर गरमाई सियासत

पंजाब के कई शहरों में प्रदर्शन

लुधियाना और बठिंडा में आमने-सामने आए भाजपा और आम आदमी पार्टी के समर्थक

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। रविवार को आम आदमी पार्टी ने पूरे पंजाब में भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किए। कई जिलों में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा दफ्तरों के बाहर पहुंच गए, जहां दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए। इस दौरान लुधियाना और बठिंडा में स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

लुधियाना में सबसे ज्यादा तनाव उस समय देखने को मिला जब आप की लुधियाना इकाई कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रही थी। आप कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और ईडी कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे थे। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के

बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति तब और बिगड़ गई जब दोनों पक्षों के कार्यकर्ता एक-दूसरे के करीब पहुंच गए। इस दौरान भाजपा के एक कार्यकर्ता के हाथ में चोट लग गई और खून बहने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भाजपा कार्यकर्ताओं ने आप कार्यकर्ताओं की ओर झाड़ू भी फेंकी। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं। भाजपा की ओर से प्रदेश महासचिव अनिल सरीन, जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान और वरिष्ठ नेता परवीन बंसल मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का नेतृत्व किया। वहीं, आप नेताओं ने भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। लुधियाना के गिल रोड स्थित दाना मंडी इलाके में आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा का पुतला भी फूंका। आप नेताओं का कहना था कि विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में ईडी की कार्रवाई कर विपक्षी नेताओं को डराने की कोशिश की जा रही है। आप लुधियाना शहरी इकाई के अध्यक्ष जतिंदर खंगूरा ने कहा कि संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी गैरकानूनी है और यह लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ईडी का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने के लिए कर रही है। वहीं बठिंडा में भी भाजपा कार्यालय के बाहर तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला।

बेंगलुरु में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से तीन किमी दूर मिला विस्फोटक

एजेंसी

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेंगलुरु दौरे के दौरान शहर में जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों ने जिलेटिन की छड़ों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बताया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से डेढ़ घंटे पहले आसपास सुरक्षा चेकिंग के दौरान कग्गलीपुर के ततगुनी के पास स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर आश्रम के बाहरी हिस्से में यानी कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट मिला। उसने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर ली गई। जांच करने पर उसमें दो जिलेटिन की छड़ें पाई गईं।

'पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल'

देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा।

एजेंसी

हैदराबाद। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

पीएम मोदी ने पेट्रोलियम उत्पादों को लेकर क्या कहा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा।

तेलंगाना के विकास को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग दलों की सरकार होना गलत नहीं है, लेकिन राज्य और देश के विकास के लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर राज्य आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का किया उद्घाटन

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल शहर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा अत्याधुनिक तकनीक और नवाचार को स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अस्पताल की टीम ने आधुनिक तकनीक के समावेश पर विशेष ध्यान दिया है, जो सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु अस्पताल के शुरू होने से हैदराबाद और आसपास के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इसे स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

महा-विस्फोट: जैन मुनि को निगलने निकला 'ब्लैकमेलिंग का अजगर'

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद: सावधान गुजरात! सावधान जैन जगत! जिस धर्म और आस्था की बुनियाद पर हम गर्व करते हैं, उसी की पीठ में खंजर घोंपने वाले 'सफेदपोश कसाइयों' की एक ऐसी फौज सक्रिय हुई है, जिसका काम संतों को पूजना नहीं बल्कि उन्हें 'हनीट्रैप' के दलदल में धकेल कर अपनी तिजोरियां भरना है। मुनि राजतिलक सागरजी महाराज के खिलाफ रचा गया यह चक्रव्यूह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित 'ब्लैकमेलिंग इंडस्ट्री' का प्रोडक्ट है।

हलफनामा नहीं, पाप का दस्तावेज है!

किरण दोषी और उनकी पत्नी के जो हलफनामे 'महानगर मेट्रो' के हाथ लगे हैं, वे जांच के ताबूत में आखिरी कील साबित होने वाले हैं। इन दस्तावेजों ने यह नग्न सत्य उजागर कर दिया है कि FIR सिर्फ एक 'रेट कार्ड' था।

* क्या धर्म के ठेकेदारों ने मुनि की मर्यादा की कीमत लगा दी थी?

* क्या संतों के संयम को 'कैश' कराने के लिए इस स्क्रिप्ट को लिखा गया?

इन हलफनामों की स्याही चीख-चीख कर कह रही है कि असली अपराधी वे नहीं जो कटघरे में खड़े हैं, बल्कि वे हैं जो 'विक्टिम कार्ड' खेल कर करोड़ों का खेल खेल रहे थे।

गिरोह के 'खलनायक': हार्दिक हुडिया एंड कंपनी के दिन गिनती के!

सूत्रों की मानें तो इस महा-षड्यंत्र के सूत्रधारों– हार्दिक हुडिया, जगत पारेख, विक्रम सिंघवी और विक्रम बाफना– की

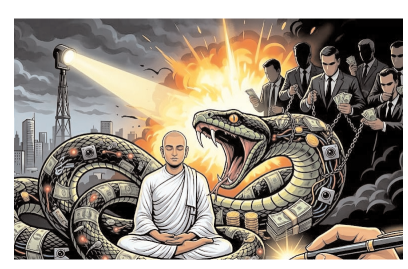

रातों की नींद और दिन का चैन छिन चुका है। ये वे नाम हैं जिन पर उंगलियां नहीं, बल्कि अब जांच की तलवार लटक रही है। 'यह गिरोह समझता था कि वे संतों को डराकर करोड़ों वसूल लेंगे और समाज तमाशबीन बना रहेगा। लेकिन वे भूल गए कि जब पाप का घड़ा भरता है, तो उसकी गूंज दिल्ली तक जाती है। '

ये 'सफेदपोश गुंडे' अब कानूनी शिकंजे से बचने के लिए बिलों में छिपने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन 'महानगर मेट्रो' की पैनी नजर इनके हर 'सेटलमेंट' के खेल को नाकाम कर देगी।

धमकियों से नहीं थमेगी कलम: षड्यंत्रकारी जान लें!

जैसे ही इस सिंडिकेट के नकाब उतरने शुरू हुए, धमकियों और दबाव का 'डर्टी गेम' शुरू हो चुका है। अफवाहों का बाजार गर्म है और जांच को भटकाने के लिए पैसे का नग्न नाच किया जा रहा है। पर सुन लो षड्यंत्रकारियों...

'तुम्हारे पास करोड़ों की ताकत होगी, पर हमारे पास 'सत्य' का बारूद है। तुम्हारी धमकियां हमें डराएंगी नहीं, बल्कि तुम्हारे अंत को और करीब लाएंगी। जैन शासन की अस्मिता से खेलने वालों को पाताल से भी खोज निकालेंगे। '

— पवन माकन
(ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो)

समाज का महा-संग्राम: 'अब चुप रहना भी पाप है'

इस कांड के बाद पूरे देश के जैन समाज में 'आक्रोश की ज्वाला' भड़क उठी है। समाज के हर कोने से एक ही आवाज उठ रही है– 'धर्म को धंधा बनाने वालों का सामाजिक बहिष्कार हो।' यह लड़ाई सिर्फ एक मुनि की छवि की नहीं है, यह लड़ाई उस हर पाखंडी के खिलाफ है जो भगवा और श्वेत वस्त्रों की गरिमा को अपनी तिजोरी की चाबी समझता है।

महानगर मेट्रो के 'जहरीले' सवाल:

1. मास्टरमाइंड का ठिकाना: इस सिंडिकेट के पीछे कौन सा 'अदृश्य हाथ' है जो पुलिस और सिस्टम को भी ठेंगा दिखा रहा है?
2. वसूली की लिस्ट: मुनि राजतिलक सागरजी से पहले इस गिरोह ने और कितने संतों को अपना शिकार बनाया और उनसे कितने करोड़ डकारे?
3. सिस्टम का साथ: क्या खाकी की आड़ में भी कुछ 'भेड़िए' इस ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट को ऑक्सीजन दे रहे हैं?

धमाका अभी बाकी है...

षड्यंत्र की परतें अभी और खुलेंगी। कौन-कौन से बड़े नाम इस गटर में हाथ धो रहे हैं, इसका खुलासा हम अगली कड़की में करेंगे।

देखते रहिए 'पाक्को गुजरात' और 'महानगर मेट्रो' की महा-पड़ताल!

इम्पैक्टफुल न्यूज़

जुहापुरा में ओवरब्रिज के काम की वजह से पानी भरने से हुए हादसे की चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जुहापुरा। अहमदाबाद के जुहापुरा चौराहे के पास एक भयानक हादसा सामने आया है। एक कपल बाइक पर जा रहा था, तभी एक ट्रक ड्राइवर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में महिला नीचे गिर जाती है और बाइक 60-70 मीटर तक घसीटती चली जाती है। वहां मौजूद लोग चीखने लगे और आखिर में ड्राइवर ने ट्रक रोक दिया। इस हादसे में कपल घायल हो गया है। हादसे का CCTV भी सामने आया है। जब जुहापुरा के पास एक कपल बाइक पर जा रहा था, तभी वहां से गुजर रहे एक ट्रक ड्राइवर ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। पता चला है कि हादसे में ट्रक ड्राइवर बाइक को करीब 60 से 70 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि महिला की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, ट्रक ड्राइवर नशे की हालत में देखा गया। लोगों ने शोर मचाकर ट्रक ड्राइवर को रोक लिया। घटना की जानकारी मिलने पर एम डिविजन ट्रैफिक टीम मौके पर पहुंची। हादसे के बाद लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी और घायल बाइक सवार के परिवार को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। चूंकि हाईवे पर ओवरब्रिज का काम चल रहा था, इसलिए हादसे वाली जगह पर पानी भर गया था, जिसकी वजह से भी हादसा होने की चर्चा है।

गीता राजपुरोहित की मौत पर करणी सेना का जमकर विरोध!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। के वासना इलाके में एक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी गीता राजपुरोहित के सुसाइड केस में आरोपियों की गिरफ्तारी के 20 दिन बाद विवाद और बढ़ गया है। आज (12 मई) राजस्थान के लोगों और करणी सेना के कार्यकर्ताओं समेत 500 से ज़्यादा लोगों ने पुलिस कमिश्नर के ऑफिस पर रैली निकालकर इंसाफ की मांग की।

क्या है पूरा मामला?

मिली जानकारी के मुताबिक, 15 अप्रैल को वासना इलाके में गीता राजपुरोहित नाम की एक महिला ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया था। इस मामले में वासना पुलिस ने मृतका के पति और पुलिस कांस्टेबल अर्जुन पुरोहित के खिलाफ सुसाइड के लिए उकसाने का केस दर्ज किया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि यह सुसाइड नहीं बल्कि मर्डर है, और वे पिछले 20 दिनों से मर्डर की शिकायत दर्ज करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

कमिश्नर ऑफिस में 'रामधुन' और नारे

आज इंसाफ की मांग को लेकर माहौल तनावपूर्ण था। राजस्थान से आए कई संगठन और करणी सेना के सदस्य 'जस्टिस फॉर गीता' के पोस्टर लेकर रैली की शक्ल में कमिश्नर ऑफिस पहुंचे। भीड़ ज्यादा होने की वजह से पुलिस कमिश्नर ऑफिस के गेट बंद करने पड़े, जिससे लोग गेट के बाहर बैठ गए। करणी सेना के प्रेसिडेंट राज शेखावत की मौजूदगी में परिवार के 10 सदस्यों को प्रेजेंटेशन के लिए अंदर ले जाया गया। जब कोई अधिकारी तुरंत उनसे मिलने नहीं आया, तो परिवार ने ऑफिस के अंदर रामधुन गाना शुरू कर दिया और ऑफिस के बाहर नारे लगाए। पुलिस कमिश्नर के मौजूद न होने पर परिवार को इंचार्ज कमिश्नर के पास प्रेजेंटेशन देने के लिए ले जाया गया। गौरतलब है कि 20 दिन बीत जाने के बावजूद आरोपी पति, जो पुलिस डिपार्टमेंट का कर्मचारी है,

कॉलेज के बाहर तोड़फोड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अपराधियों पर पुलिस का डर बिठाने के लिए, गुजरात पुलिस पिछले कुछ समय से आरोपियों को क्राइम सीन पर ले जा रही है। रिकंस्ट्रक्शन के दौरान आरोपी लंगड़ाते हुए दिखते हैं। लेकिन, अहमदाबाद के कुख्यात बूटलेगर किशोर लंगड़ा के पोते के मामले में यह डर नहीं दिखा।

दो महीने पहले, अहमदाबाद के GLS कॉलेज के बाहर तोड़फोड़ और हत्या की कोशिश के मामले में आरोपी आदित्य राठौड़ को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आदित्य को घटना स्थल पर ले गई। रिकंस्ट्रक्शन के दौरान दूसरे आरोपियों की हालत के उलट, आदित्य राठौड़ सीधा और बिना चोट के चलता हुआ दिखा।

9 मार्च को अहमदाबाद के GLS कॉलेज के बाहर तोड़फोड़ और मारपीट का मामला

9 मार्च को, कुख्यात बूटलेगर किशोर लंगड़ा का पोता आदित्य राठौड़ अपनी कार से निकला और तरूः कॉलेज के बाहर खड़े स्टूडेंट्स को हथियार से मारने की कोशिश की। आदित्य ने स्टूडेंट की पार्क की हुई थार कार में भी हथियार से तोड़-फोड़ की। पूरी घटना CCTV कैमरे में कैद हो गई। इसके आधार पर नवरंगपुरा पुलिस ने आदित्य के खिलाफ हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी घटना के दो महीने बाद से फरार था।

आदित्य गांधीनगर PDP से गिरफ्तार

अहमदाबाद जोन-1 LCB टीम ने सूचना के आधार पर देर रात गांधीनगर PDPU से आरोपी को गिरफ्तार कर नवरंगपुरा पुलिस को सौंप दिया। जिसके बाद नवरंगपुरा थाने के PI समेत स्टाफ के साथ तरूः कॉलेज के पास आरोपी की तलाश की गई।

नवरंगपुरा थाने के इंचार्ज PI जेपी चौधरी ने बताया कि शिकायत दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हो गया था, जिसे दो महीने बाद गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके साथ और कौन-कौन शामिल है, इसकी जांच की जा रही है।

9 महीने पहले शाहीबाग में एक एक्टिवा ड्राइवर की एक्सीडेंट में मौत हो गई थी अहमदाबाद के शाहीबाग में बदनाम बूटलेगर किशोर लंगड़ा के पोते आदित्य सिंह राठौड़ ने एक बेकसूर एक्टिवा ड्राइवर को महंगी कार से टक्कर मारकर खुदकुशी कर ली। कार ड्राइवर ने पूरी स्पीड में एक्टिवा ड्राइवर को अपनी कार से टक्कर मारी, जिससे एक्टिवा ड्राइवर पास में खड़े एक रिक्शा से टकरा गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

आरोपी के पिता और दादा बूटलेगर हैं

आरोपी आदित्य राठौड़ के दादा किशोर सिंह राठौड़ अहमदाबाद के बदनाम और लिस्टेड बूटलेगर हैं। आरोपी के पिता दिलीप सिंह भी बूटलेगर हैं। आरोपी सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरने के लिए कार में हथियारों के साथ वीडियो भी बनाता है।

600 से ज़्यादा पोस्टग्रेज़ुएट डॉक्टरों को घर बैठना पड़ रहा है

एक साल से रुके CPS एग्जाम की वजह से प्रैक्टिस से दूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। आज गांधीनगर में कॉलेज ऑफ़ फिजिशियन एंड सर्जन्स के 600 से ज़्यादा पोस्टग्रेजुएट डॉक्टरों ने अपने करियर पर लगे ब्रेक को हटाने के लिए सरकार का दरवाज़ा खटखटाया। एक तरफ़ राज्य में स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी है, तो दूसरी तरफ़, ऐसी गंभीर स्थिति पैदा हो गई है कि डिग्री पूरी कर चुके ये डॉक्टर एग्जाम न होने की वजह से प्रैक्टिस से दूर हैं। इस बारे में डॉक्टरों ने आज सरकार के सामने एक प्रेजेंटेशन दिया।

CPS डॉक्टर एसोसिएशन की पिटीशन

आज गांधीनगर में CPS डॉक्टर एसोसिएशन के तहत बड़ी संख्या में डॉक्टर इकट्ठा हुए। इन डॉक्टरों ने डिप्टी चीफ़ मिनिस्टर, हेल्थ मिनिस्टर और हेल्थ सेक्रेटरी को एक पिटीशन भेजी। उन्होंने अपनी पिटीशन में कहा कि गुजरात सरकार से मान्यता प्राप्त इस कोर्स के स्टूडेंट्स के फ़ाइनल एग्जाम पिछले एक साल से कानूनी उलझनों की वजह से

टाले गए हैं। क्योंकि अप्रैल 2025 में होने वाले एग्जाम अभी तक नहीं हुए हैं, जिसकी वजह से गुजरात के 600 से ज़्यादा स्पेशलिस्ट डॉक्टर हॉस्पिटल में सर्विस नहीं दे पा रहे हैं और न ही अपनी प्रैक्टिस शुरू कर पा रहे हैं।

लीगल कॉम्प्लिकेशन और सुप्रीम कोर्ट केस

आज डॉक्टरों ने आरोपों के साथ एक सबमिशन दिया और कहा कि यह मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, लेकिन नेशनल मेडिकल कमीशन और केंद्र सरकार की तरफ से जवाब न मिलने की वजह से केस लंबा खिंच रहा है।

इंटरिम उपाय के तौर पर सर्विस देने की तैयारी

गुजरात। सरकार को इस मामले में एक्टिवली मीडिएट करना चाहिए और सुप्रीम कोर्ट में एक मज़बूत एफिडेविट देकर जल्दी सुनवाई करवाने की कोशिश करनी चाहिए। यह लीगल कॉम्प्लिकेशन तभी सुलझ सकती है जब राज्य सरकार अपने अधिकार के तहत इन स्टूडेंट्स के हित में ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स पेश करे। डॉक्टरों ने मांग की है कि एग्जाम की तारीख तय होने तक उन्हें क्लास-1 ऑफिसर्स के पे स्केल के हिसाब से सरकारी हॉस्पिटल में जूनियर डॉक्टर के तौर पर सर्विस करने का मौका दिया जाए।

डॉक्टरों का दर्द

इस बारे में डॉ. निशा प्रजापति ने कहा, 'हमने अपनी सारी पढ़ाई पूरी कर ली है, फिर भी सिर्फ़ एक एग्जाम की वजह से घर बैठने का समय आ गया है। अगर सरकार हमें बॉन्ड सर्विस शुरू करने की इजाज़त दे, तो हम लोगों की सेवा में काम आ सकते हैं।' वहीं डॉ. अब्दुलभाई ने कहा, 'कानूनी लड़ाई में स्टूडेंट्स का समय बर्बाद हो रहा है। हम मांग करते हैं कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में स्टूडेंट्स के पक्ष में मज़बूती से पैरवी करे, ताकि एग्जाम जल्द से जल्द हो सकें।' यह भी अपील की गई है कि इस समय को उनकी बॉन्ड सर्विस में शामिल किया जाए। अगर सरकार इस सेंसिटिव मुद्दे पर जल्द से जल्द कोई पॉज़िटिव फ़ैसला नहीं लेती है, तो डॉक्टरों ने आने वाले दिनों में आंदोलन तेज़ करने की धमकी दी है।

गुजरात के जहाज पर हमला

होरमुज़ जलडमरूमध्य में मौत से 10 घंटे तक की जंग, एक नाविक शहीद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। होरमुज़ की जलडमरूमध्य में गुजरात के एक मालवाहक जहाज पर हुए भीषण हमले ने समुद्री सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस हमले में गुजरात के एक साहसी नाविक की मौत हो गई है, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हमले के बाद बाकी खलासी ने समुद्र के बीच जो 10 घंटे बिताए, वह किसी खौफनाक मंजर से कम नहीं थे।

हमला कैसे हुआ?

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, यह हमला तब हुआ जब जहाज रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होरमुज़ जलडमरूमध्य से गुजर रहा था।

- **अचानक घेराबंदी:** प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों के मुताबिक, संदिग्ध हमलावरों ने तेज रफ्तार नौकाओं के जरिए जहाज को चारों तरफ से घेर लिया।
- **अंधाधुंध फायरिंग:** बिना किसी चेतावनी के हमलावरों ने जहाज के ब्रिज और डेक की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली भारतीय नाविक को जा लगी, जिससे **उनकी मौके पर ही मौत हो गई।**
- **विस्फोटकों का इस्तेमाल:** जहाज को रोकने के लिए छोटे विस्फोटकों का भी इस्तेमाल किया गया, जिससे जहाज के कुछ हिस्सों में आग लग गई और चार अन्य खलासी मलबे और छर्रों की चपेट में आकर घायल हो गए।

10 घंटे का वो खौफनाक संघर्ष

जब हमलावर जहाज को नुकसान पहुँचाकर वहां से भाग निकले, तब असली संघर्ष शुरू हुआ। घायल खलासी और बचे हुए चालक दल के लिए वे 10 घंटे किसी नर्क से कम नहीं थे:

1.जीवन और मृत्यु के बीच: हमलावरों के जाने के बाद जहाज का संचार तंत्र पूरी तरह ठप हो गया था। घायल नाविक खून से लथपथ थे, लेकिन उनके पास तत्काल कोई चिकित्सा सहायता नहीं थी।

2.जहाज को डूबने से बचाना: हमले के कारण इंजन रूम और डेक के निचले हिस्सों में पानी भरने लगा था। बचे हुए खलासी अपने साथी के शव और घायल मित्रों के साथ, एक तरफ पंप से पानी बाहर निकाल रहे थे और दूसरी तरफ समुद्री लहरों से लड़ रहे थे।

3.मदद की गुहार: लगभग 8 घंटों के संघर्ष के बाद, एक इमरजेंसी रेडियो सिग्नल पास से गुजर रहे एक अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक जहाज तक पहुँचा।

4.रेस्क्यू ऑपरेशन: अगले 2 घंटों में राहत और बचाव दल मौके पर पहुँचा और घायलों को हेलीकॉप्टर के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। परिजनों में शोक की लहर गुजरात के तटीय जिलों में रहने वाले इन नाविकों के घरों में मातम छाया हुआ है। मृतक नाविक के परिवार ने सरकार से मांग की है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और समुद्री रास्तों पर भारतीय जहाजों की सुरक्षा बढ़ाई जाए।

साबरमती सेंट्रल जेल की सुरक्षा के उड़े परखच्चे: हाई-सिक्योरिटी 'बड़ा चक्कर' से हत्या और पॉक्सो का कैदी फरार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राज्य की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली साबरमती सेंट्रल जेल एक बार फिर गंभीर विवादों में आ गई है। उम्रकैद की सज़ा काट रहे एक खूंखार कैदी मालदे रामाभाई परमार के जेल से फरार होने के बाद जेल के सिस्टम, सिक्योरिटी इंतज़ाम और स्टाफ की परफॉर्मेंस पर कई सवाल उठ रहे हैं। यह घटना सिर्फ़ एक कैदी के भागने की नहीं है, बल्कि जेल में पिछले कुछ समय से चल रहे अंदरूनी झगड़े, कैदियों के बीच तनाव और स्टाफ की लापरवाही अब सामने आ रही है।

कैदी मेन गेट से फरार

साबरमती सेंट्रल जेल में जेलर के तौर पर काम कर रहे देवदत्तसिंह गोहिल ने शिकायत दर्ज कराई है कि जेल के बड़ा चक्कर यार्ड नंबर 4 में कुल 33 कैदी रखे गए थे। गिनती में जब सिर्फ़ 32 कैदी मिले, तो मालदे परमार गायब मिली। उसके बाद जेल में गहन तलाशी ली गई। लेकिन कैदी का कोई पता नहीं चलने पर CCTV कैमरे चेक किए गए। फुटेज में मालदे परमार को यार्ड से बाहर आते, जेल स्टाफ को चकमा देते और मेन गेट से निकलते देखा गया।

वह 2025 से साबरमती जेल के बड़ा चक्कर सेक्शन में था।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि उम्रकैद की सज़ा काट रहा कैदी राज्य की हाई सिक्योरिटी जेल से आसानी से कैसे भाग गया। जांच के दौरान सामने आई डिटेल्स के मुताबिक, मालदे परमार कोई आम कैदी नहीं था। उसके खिलाफ 2023 में पोरबंदर के कमलबाग पुलिस स्टेशन में मर्डर और POCSO समेत गंभीर क्राइम दर्ज किए गए थे। 2025 में कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सज़ा सुनाई। पहले उसे पोरबंदर जेल में रखा गया और फिर राजकोट जेल में शिफ्ट कर दिया गया। उसकी तबीयत बिगड़ने पर उसे साबरमती सेंट्रल जेल लाया गया। वह 2025 से साबरमती जेल के बड़ा चक्कर सेक्शन में था। सिक्योरिटी की चिंताओं के बीच कैदी मेन गेट से भागा क्योंकि स्पेशल कैटेगरी के कैदी जेल के अंदर कई तरह की ज़िम्मेदारियां निभाते हैं, इसलिए उनका मूवमेंट आम कैदियों से ज़्यादा होता है। हालांकि, सिक्योरिटी प्रोटोकॉल के हिसाब से स्टाफ की यह ड्यूटी है कि वह ऐसे कैदियों पर लगातार नज़र रखे। हालांकि, माना जा रहा है कि मालदे परमार मेन गेट तक पहुंच गया, जो न सिर्फ लापरवाही है बल्कि सिक्योरिटी सिस्टम में एक बड़ी कमी भी है। इस घटना से जेल में चल रहे अंदरूनी सिस्टम को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हम जेल के बाहर अलग-अलग CCTV फुटेज चेक कर रहे हैं: PI इस बारे में रानिप पुलिस स्टेशन के PI बी.आर. रबारी ने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि कैदी जेल से निकलकर किस दिशा में भागा। जेल के बाहर अलग-अलग CCTV फुटेज चेक किए जा रहे हैं।

डॉक्टरों को नए फॉर्म में प्रैक्टिस का रोज़ाना का हिसाब देना होगा

'नए इनकम टैक्स नियम के तहत डॉक्टरों और डेंटिस्ट्स को फॉर्म 25 में देना होगा रोजाना की कमाई का सटीक हिसाब;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबा। इनकम टैक्स ऑफिस ने नए इनकम टैक्स एक्ट 2025 के तहत एक नया फॉर्म 25 पेश किया है, जिसके तहत डॉक्टरों और डेंटिस्ट के साथ-साथ मेडिकल प्रोफेशनल्स को भी अपनी रोज़ाना की प्रैक्टिस का हिसाब देना होगा। नया फॉर्म इस आधार पर पेश किया गया है कि डॉक्टर, डेंटिस्ट और मेडिकल प्रैक्टिशनर इनकम टैक्स एक्ट के तहत बताई जा सकने वाली इनकम को सिस्टमैटिक तरीके से नहीं बता रहे हैं। अगर टैक्सपेयर को मेडिकल प्रैक्टिस से इनकम हो रही है, तो उसे फॉर्म भरकर अपनी रोज़ाना की इनकम से जुड़ा हिसाब इनकम टैक्स ऑफिस में जमा करना होगा। इनकम टैक्स एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह कोई फॉर्म नहीं है, बल्कि डॉक्टरों, डेंटिस्ट और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स की रोज़ाना की इनकम का हिसाब लेकर उनसे सही इनकम टैक्स वसूलने के लिए यह पूरी कवायद शुरू की गई है। फॉर्म नंबर 25 रोज़ाना की कैश इनकम का एक रजिस्टर बन जाएगा। इसका मतलब है कि डॉक्टरों, डेंटिस्ट और मेडिकल प्रोफेशनल्स को अब हर दिन अपने क्लिनिक में किए जाने वाले प्रोफेशनल काम का हिसाब देना होगा। अगर उनकी सालाना इनकम 10 लाख रुपये से ज़्यादा है, तो उन्हें अपने क्लिनिक में किए जाने वाले काम का हिसाब देना होगा। 150 लाख रुपये से ज़्यादा के मरीज़ों को इस फ़ॉर्म में अपनी सारी डिटेल्स देनी होंगी। इसमें तारीख, केस नंबर, मरीज़ का नाम, अगर मरीज़ ने फ़ीस की रकम दी है, तो उसकी डिटेल्स फ़ॉर्म नंबर 25 में देनी होंगी। आपने मरीज़ को किस तरह की सर्विस दी है और उसके लिए आपने कितनी फ़ीस ली है और असल में आपको कितनी फ़ीस मिली है, इसकी डिटेल्स देनी होंगी। जिस तारीख को इनकम हुई, उसकी डिटेल्स देनी होंगी। मरीज़ से कितनी फ़ीस मांगी गई और मरीज़ ने कितनी फ़ीस दी, इसकी भी डिटेल्स देनी होंगी। पिछले तीन साल की डिटेल्स जिन लोगों की सालाना इनकम लिमिट 1.5 लाख रुपये है, उन्हें अपने टैक्स रिटर्न में अपनी डिटेल्स देनी होंगी। इसके लिए मरीज़ का नाम, पता, केस की तारीख, केस सीरियल नंबर, मरीज़ का नाम और मरीज़ की पहचान का सबूत और उस साल होने वाली इनकम का लेवल पहले से देना होगा। मरीज़ का नाम, पता, बीमारी, इलाज और उससे होने वाली इनकम की जानकारी मांगी गई है।

सात साल तक रिकॉर्ड रखना होगा

डॉक्टरों, डेंटिस्ट और मेडिकल प्रैक्टिशनर्स को अपने रोज़ाना आने वाले मरीज़ों और उन्हें दिए जाने वाले इलाज से जुड़ा रिकॉर्ड सात साल तक रखना होगा। डॉक्टर अपनी असली कमाई से बहुत कम कमाते हैं। साथ ही, हर मरीज़ की डिटेल्स इस तरह से देनी होंगी कि उन्हें ट्रैक किया जा सके। अपने रिकॉर्ड को रोज़ाना अपडेट करना भी ज़रूरी कर दिया गया है।

सार-समाचार

मुख्तार शाह के ऑफिस में चोरी: एलिसब्रिज के पास ऑफिस से ज्वेलरी, फॉरेन करेंसी और कैश चोरी,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जुहापुरा। 'वॉयस ऑफ मुकेश' के नाम से मशहूर सिंगर मुख्तार शाह के खिलाफ अहमदाबाद के एलिसब्रिज इलाके में मौजूद ऑफिस में चोरी की शिकायत दर्ज की गई है। बंद ऑफिस का ताला तोड़कर तस्करों को ऑफिस में पड़ी ज्वेलरी, कैश और फॉरेन करेंसी मिली और 1.90 लाख रुपये चुरा लिए। तस्कर सामान के साथ ऑफिस में लगे CCTV DVR की हार्ड डिस्क भी ले गए। एलिसब्रिज के पास महाराणा प्रताप सेंटर में तस्करों का हमला जुहापुरा में रहने वाले सिंगर मुख्तार आलम शाह का अहमदाबाद के एलिसब्रिज इलाके में मौजूद महाराणा प्रताप सेंटर में ऑफिस है। इस बिल्डिंग में कई ऑफिस चलते हैं और दिन में यहां आना-जाना लगा रहता है। बिल्डिंग में काम करने वाले लोगों ने देखा कि कुछ ऑफिस के ताले टूटे हुए थे। शुरू में लगा कि यह मामूली नुकसान या लापरवाही का मामला है, लेकिन जब मुख्तार आलम शाह अपने ऑफिस पहुंचे, तो चोरी का पता चला। तस्कर कीमती सामान के साथ DVR हार्ड डिस्क भी ले गए। ऑफिस की तलाशी लेने पर पता चला कि ऑफिस से सोने के गहने, विदेशी करेंसी नोट और करीब 35,000 रुपये कैश गायब थे। इतना ही नहीं, चोरों ने कोई सबूत न मिले, इसके लिए CCTV सिस्टम से छेड़छाड़ की थी और DVR में लगी हार्ड डिस्क भी अपने साथ ले गए थे। मुख्तार आलम ने एलिसब्रिज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

डभोदा बलियादेव मंदिर के पास ट्रक ने मोपेड को टक्कर मारी, 9 साल की बच्ची की मौत, तीन घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। पिछले शनिवार को गांधीनगर में डभोदा-लावरपुर रोड पर हुए एक भयानक हादसे में, मिक्सर मशीन ट्रक ने मोपेड को टक्कर मार दी, जिससे 9 साल की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्य घायल हो गए। डभोदा पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है।

जन्मदिन पर डभोदा हनुमानजी के दर्शन करने गए थे

पिछले शनिवार को भावेशभाई मनुभाई सोनी का जन्मदिन था, इसलिए वे अपने परिवार के साथ डभोदा हनुमानजी के दर्शन करने गए थे। उस समय भावेशभाई अपनी बेटी रिया, भतीजी हितांशी और साधुभाई की बेटी दीया के साथ लावरपुर चौराहे से डभोदा की ओर मोपेड पर सवार होकर जा रहे थे। इसी बीच, शाम करीब 6:15 बजे, जब वे बलियादेव मंदिर के पास पहुँच रहे थे, तो पीछे से आ रहे एक मिक्सर ट्रक के ड्राइवर ने मोपेड को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी बीच, सामने से एक गाड़ी आ रही थी, इसलिए ट्रक ड्राइवर ने ट्रक को बाईं ओर मोड़ दिया और ट्रक का अगला टायर भावेशभाई की मोपेड से टकरा गया।

9 साल की हितांशी के हाथ से मिक्सर मशीन का टायर निकल गया।

यह टक्कर लगते ही मोपेड पर सवार चारों लोग नीचे गिर गए। उसी समय, 9 साल की हितांशी के हाथ से मिक्सर मशीन का टायर निकल गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और चीखने लगी। हादसे की जगह पर जमा हुए लोगों ने 108 को सूचना दी और सभी घायलों को गांधीनगर सिविल हॉस्पिटल पहुँचाया।इलाज के दौरान हितांशी ने दम तोड़ दिया। जहाँ इलाज के दौरान हितांशी ने दम तोड़ दिया। जबकि बाकी तीन घायलों का अभी इलाज चल रहा है। इस हादसे के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि डभोदा लावरपुर रोड पर रिहायशी इलाके, स्कूल और मंदिर होने के बावजूद गाड़ियां बेकाबू स्पीड से चल रही हैं। यहां लंबे समय से स्पीड ब्रेकर की मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इस संबंध में डभोदा पुलिस ने मिक्सर मशीन ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

असिस्टेंट एजुकेशन इंस्पेक्टर के 169 पदों के लिए कॉम्पिटिटिव एग्जाम की घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। स्टेट एग्जामिनेशन बोर्ड ने असिस्टेंट एजुकेशन इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए स्पेशल कॉम्पिटिटिव एग्जाम-2026 की घोषणा की है। प्राइमरी एजुकेशन डिपार्टमेंट के तहत HTAT के तौर पर कम से कम 5 साल का अनुभव रखने वाले टीचरों के लिए यह भर्ती एक बड़ा मौका माना जा रहा है। कुल 169 पदों के लिए होने वाली यह परीक्षा MCQ बेस्ड होगी। स्टेट एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा घोषित प्रोग्राम के अनुसार, कैंडिडेट 18 मई 2026 से 30 मई 2026 तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकेंगे। कैंडिडेट को गुजराती भाषा में 200 सवालों का एग्जाम देना होगा। जिसके लिए 120 मिनट का समय दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि एग्जाम की संभावित तारीख जून-जुलाई महीने में रखी गई है। फीस स्ट्रक्चर के अनुसार, कैटेगरी के कैंडिडेट्स को GST के साथ 400 देने होंगे, जबकि दूसरे कैंडिडेट्स के लिए यह तरूः के साथ 500 तय किया गया है। कैंडिडेट्स के लिए एप्लीकेशन प्रोसेस और डिटेल्ड इंस्ट्रक्शन्स स्टेट एग्जामिनेशन बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट www.sebe&am.org पर उपलब्ध करा दिए गए हैं।

निजी परिसर में जातिसूचक टिप्पणी अपराध नहीं, जब तक घटना 'पब्लिक व्यू' में न हो: सुप्रीम कोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट के दुरुपयोग को रोकने और कानून की व्याख्या को स्पष्ट करने के उद्देश्य से एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया है कि यदि जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किसी निजी घर के अंदर किया गया है, जहाँ आम जनता की मौजूदगी न हो, तो उसे इस विशेष अधिनियम के तहत अपराध नहीं माना जाएगा।

क्या था मामला? यह मामला एक आरोपी द्वारा दायर याचिका से जुड़ा था, जिस पर शिकायतकर्ता ने घर के भीतर जातिसूचक गालियाँ देने का आरोप लगाया था। आरोपी ने दलील दी कि कथित घटना किसी सार्वजनिक स्थान पर नहीं हुई थी, इसलिए इस पर एससी/एसटी एक्ट लागू नहीं होना चाहिए। निचली अदालतों की प्रक्रिया के बाद मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुँचा। सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी न्यायमूर्ति की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1) के तहत मामला दर्ज करने के लिए केवल अपमानजनक शब्द कहना ही काफी नहीं है, बल्कि यह साबित होना अनिवार्य है कि अपमान 'सार्वजनिक दृष्टि' में हुआ हो।

अदालत के फैसले के मुख्य बिंदु:

1.पब्लिक व्यू की शर्त अनिवार्य: कानून के मुताबिक, अपमानजनक टिप्पणी ऐसी जगह होनी चाहिए जहाँ बाहरी लोग या समाज के अन्य सदस्य उसे देख या सुन सकें।

2.निजी विवाद बनाम सामाजिक अपराध: कोर्ट ने कहा कि कानून का मकसद समुदाय के लोगों को सार्वजनिक अपमान से बचाना है। निजी घर के अंदर हुई बात, जहाँ कोई गवाह न हो, इस कानून के दायरे में नहीं आती। 3.कार्यवाही रद्द: कोर्ट ने पाया कि इस मामले में घटना घर के भीतर हुई थी और वहां कोई बाहरी व्यक्ति मौजूद नहीं था। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।

10वीं-12वीं के फेल स्टूडेंट्स के लिए बड़ा मौका: GSEB ने बेस्ट ऑफ़ 2 सप्लीमेंट्री एग्जाम ऑर्गनाइज़ किया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड ने 10वीं और 12वीं में फेल हुए स्टूडेंट्स के लिए 'बेस्ट ऑफ़ 2' एग्जाम की तैयारी शुरू कर दी है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह एग्जाम नए एकेडमिक सेशन के दूसरे हफ्ते में ऑर्गनाइज़ किया जाएगा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एग्जाम 11 जून से 22 जून के बीच हो सकता है।

फॉर्म भरने की आखिरी तारीख

एजुकेशन बोर्ड ने सप्लीमेंट्री एग्जाम के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने का प्रोसेस भी शुरू कर दिया है। 10वीं के स्टूडेंट्स 15 मई तक फॉर्म भर सकेंगे, जबकि 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए 14 मई तक डेडलाइन तय की गई है।

स्टूडेंट्स को ऑनलाइन फीस देनी होगी

बोर्ड के नियमों के मुताबिक, स्टूडेंट्स को एग्जाम की तय फीस ऑनलाइन ही देनी होगी। फीस देने के बाद ही फॉर्म वैलिड माना जाएगा। एग्जाम शेड्यूल और सेंटर्स की डिटेल्स आने वाले दिनों में ऑफिशियली अनाउंस की जाएंगी। एकेडमिक सर्कल में माना जा रहा है कि 'बेस्ट ऑफ़ 2' मेथड से कई स्टूडेंट्स को अपना रिजल्ट सुधारने का एक और मौका मिलेगा और वे नए एकेडमिक ईयर में अपनी पढ़ाई जारी रख पाएंगे।

ग्रामीण महिलाओं से बदतमीजी गंवार लोगों को मॉल में आने कौन देता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। क्या किसी ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्ति को शहर के माल में आना मना है क्या माल सिर्फ शहरी लोगों के लिए है फिर ऐसा नस्लभेदी क्यों यह वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है दरअसल पिछले दिनों रायपुर मैग्नेटो मॉल में ग्रामीण क्षेत्र की एक महिला अपने परिवार के साथ घूमने आई थी तभी वहां पर छत्तीसगढ़ की सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर सोमा देवांगन और उसके साथी रॉकी के द्वारा महिलाओं से न सिर्फ बदतमीजी किया गया बल्कि हॉकी के स्टिक निकालकर मारने की कोशिश भी किया गया और जमकर गली गलोज किया गया और कहा गया कि ऐसे गंवार देहाती लोगों को माल में आने कौन देता है और बेहद ही आपत्तिजनक कमेंट किया गया इस मामले में एफआईआर दर्ज किया जा चुका है वही हिंदूवादी संगठन पीड़ित ग्रामीण के पक्ष में आ गए हैं एवं सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं सवाल बेहद गंभीर है क्या ग्रामीण क्षेत्र के व्यक्ति को मॉल में आने की इजाजत नहीं है क्या शहर सिर्फ शहरी लोगों के कारण बनता है भारत गांव का देश है पहले गांव था तब क्रांटि करण का चलन बढ़ा तब शहरों का निर्माण हुआ ऐसी नस्लभेदी विचार समाज में माहौल खराब कर सकते हैं

जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के दिए निर्देश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से आए जनसामान्य की शिकायत एवं समस्याओं को सुना। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं का नियमानुसार निराकरण करते हुए उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने कहा। आवेदनों का अवलोकन कर नियमानुसार पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनमानस उम्मीद लेकर जनदर्शन में आते है। उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए समाधान शीघ्र करें। जनदर्शन में सीमांकन, नामांतरण, प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित करने, भू-अर्जन, अवैध अतिक्रमण हटाने, नजूल से संबंधित, पेंशन, राजस्व रिकार्ड दुरूस्त कराने सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभ दिलाने जैसे आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

'सार्वजनिक सड़कों पर नमाज़ की अनुमति नहीं होगी' - शुभेंदु अधिकारी का बड़ा संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत देते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कानून-व्यवस्था को लेकर कड़ा रुख अख्तियार किया है। पुलिस के आला अधिकारियों के साथ हुई एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि राज्य में सार्वजनिक सड़कों को बाधित कर नमाज़ या किसी भी अन्य धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रमुख बिंदु: बैठक के कड़े निर्देश मुख्यमंत्री ने बैठक में पुलिस अधिकारियों को सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए निम्नलिखित दिशा-निर्देश दिए: सड़कों पर नो-कॉम्प्रोमाइज: किसी भी परिस्थिति में यातायात बाधित कर सड़कों पर धार्मिक आयोजन नहीं होंगे। सार्वजनिक सड़कों का उपयोग केवल आवागमन के लिए सुरक्षित किया जाए। अतिक्रमण पर प्रहार: फुटपाथों और मुख्य मार्गों पर बढ़ते अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। समान कानून व्यवस्था: मुख्यमंत्री ने संदेश दिया कि कानून सबके लिए समान है और सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा डालने वाले तत्वों से सख्ती से निपटा जाएगा। 'सड़कें आवाजाही के लिए हैं, इबादत के लिए नहीं' बैठक के बाद सूत्रों के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी ने पुलिस विभाग को कड़े शब्दों में कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों का धार्मिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने से आम नागरिकों को भारी परेशानी होती है। सरकार का मुख्य लक्ष्य आम जनता को निर्बाध यातायात और सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विपक्ष और जनता की प्रतिक्रिया सरकार के इस फैसले से प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जहाँ एक वर्ग इसे 'अनुशासन और नागरिक अधिकार' की दिशा में बड़ा कदम बता रहा है, वहीं राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय आने वाले समय में राज्य की राजनीति को नई दिशा देगा।

एफआईआर होने के बावजूद भी कार्रवाई नहीं हुई अंतत समझौता हो गया कोई आम व्यक्ति अगर ऐसा ही धोखाधड़ी करता तब क्या पुलिस उसे ऐसे ही छोड़ देती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। सीहोर वाले पंडित प्रदीप मिश्रा की कथा करने के नाम पर 21 लाख रुपया ठग लेने की शिकायत अंबागढ़ चौकी के शिव भक्तों ने किया था इसकी विधिवत शिकायत करने के बाद एसपी ऑफिस भी समिति के सदस्य गए हुए थे मामले की गंभीरता को देखते हुए यह कहा जा रहा था कि इस मामले में हालेकोसा निवासी दिनेश साहू पंडित प्रदीप मिश्रा के मेडिएटर के रूप में काम करने वाले दिनेश साहू की गिरफ्तारी होगी लेकिन यह क्या एफआईआर होने के बावजूद पुलिस उनके बयान जहां तक उन्हें नोटिस और उनसे पूछताछ तक नहीं किया गया वह मजे से आराम से घर में ही रह रहा था सोचने वाली बात यह है कि कोई व्यक्ति अगर आम व्यक्ति थोड़ा सा गड़बड़ी या कुछ हजार का धोखाधड़ी भी कर दे तो पुलिस वाले तत्काल उसकी गिरफ्तारी कर कानूनी कार्रवाई कर देते हैं सवाल बेहद गंभीर है कोई अगर चोर चोरी कर ले किसी के घर में और चोरी किए हूए सामान वह वापस कर दे तब क्या उसकी एफआईआर रद्द हो सकती है जो एफआईआर हुई है उस मामले में गिरफ्तारी की कार्रवाई होनी चाहिए थी क्योंकि यह भारतीय न्याय संहिता धोखाधड़ी का गंभीरतम अपराध है जो कि नॉन-बेलेबल अपराध है ऐसे मामले में भी पुलिस हीलहवाला बेहद आश्चर्य की बात है लगातार अखबारों की सुर्खियां बनने के बाद 21 लाख रुपए कथित तौर पर ठगने वाले दिनेश साहू ने बाकायदा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की वह पैसा वापस कर देंगे और दूसरी ओर उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समिति वाले लोगों ने कथा के नाम पर गांव-गांव से लाखों करोड़ों रुपए की चंदा उगाही किया है विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव-गांव में अवैध तरीके से चंदा वसूली करने के कुछ रसीद दिनेश साहू को मिल गए थे.

सावधान! लिफ्ट देना पड़ सकता है भारी: जयपुर-दिल्ली हाईवे पर महिला ने कार सवार युवक को फंसाने की कोशिश की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर/दिल्ली। हाईवे पर अनजान लोगों की मदद करना कभी-कभी जी का जंजाल बन सकता है। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ एक युवक को महिला को लिफ्ट देना महंगा पड़ गया। कार में बैठते ही महिला ने युवक पर झूठे आरोप लगाकर हंगामा शुरू कर दिया, जिसे देख युवक के होश उड़ गए।

वीडियो रिकॉर्डिंग कर युवक को डराया

मिली जानकारी के अनुसार, युवक ने इंसानियत के नाते महिला को अपनी कार में लिफ्ट दी थी। लेकिन कुछ दूर चलते ही महिला का व्यवहार बदल गया। उसने अचानक अपने मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू कर दी और युवक पर अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाने लगी। महिला का इरादा युवक को डरा-धमकाकर फंसाने का लग रहा था।

युवक की सूझबूझ और पुलिस की कार्रवाई

स्थिति को हाथ से निकलता देख युवक ने घबराने के बजाय समझ दिखाई और तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर मामले की जानकारी दी। हाईवे पेट्रोलिंग टीम और स्थानीय पुलिस जैसे ही मौके पर पहुँची, पुलिस की वर्दी देखते ही महिला ने वहां से भागने की कोशिश की। हालांकि, सतर्क पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे कुछ ही दूरी पर पकड़ लिया।

सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

इस घटना का विवरण जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, लोगों की ती प्रतिक्रियाएं सामने आने लगीं। नेटिज इस घटना को 'हनी ट्रैप' या ब्लैकमेलिंग की नई साजिश के रूप में देख रहे हैं। हाईवे पर सफर करने वाले यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे अनजान लोगों, खासकर सुनसान रास्तों पर किसी को भी लिफ्ट देने से बचें।

सावधानी ही बचाव है

पुलिस ने भी नागरिकों से अपील की है कि सफर के दौरान सतर्क रहें। यदि कोई संदिग्ध परिस्थिति दिखे, तो तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें। फिलहाल पुलिस पकड़ी गई महिला से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह किसी संगठित गिरोह का हिस्सा है।

संत शेरसिंह के 37वें महापरिनिर्वाण दिवस पर ट्रस्ट ने दी श्रद्धांजलि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के गाँव लिबासपुर में जन्में महान समाज सुधारक संत शेरसिंह के 37वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय में 'संत शेरसिंह रिसर्च एण्ड एजुकेशनल ट्रस्ट' द्वारा एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान ट्रस्ट के चेयरमैन प्रो. हंसराज सुमन ने शिक्षा, साहित्य, समाज सेवा और पत्रकारिता जगत की 20 प्रमुख हस्तियों को सम्मानित करने की घोषणा की।

कबीर के विचारों के वाहक थे संत शेरसिंह श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए प्रो. हंसराज सुमन ने कहा कि संत शेरसिंह मध्यकालीन क्रांतिकारी कवि कबीर साहेब के सच्चे अनुयायी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन दिल्ली और हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में कबीर की वाणी, साखियाँ और बीजक के माध्यम से मानवता, भाईचारे और सामाजिक समानता के प्रचार-प्रसार में समर्पित कर दिया। उन्होंने जातिप्रथा, छुआछूत और धार्मिक आडंबरों के विरुद्ध जन-जागृति फैलाई और प्रशासन तक भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज पहुंचाई।

अक्टूबर में सजेगा सम्मान समारोह

ट्रस्ट द्वारा आगामी 11 अक्टूबर 2026 को दिल्ली विश्वविद्यालय के पीजीडीएवी कॉलेज में एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष का प्रतिष्ठित 'अंतर्राष्ट्रीय कबीर रत्न अवार्ड' डीयू के हिंदी विभाग के प्रोफेसर मनोज कुमार कैन को प्रदान किया जाएगा। उन्हें सम्मान स्वरूप 11 हजार रुपये, शॉल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाएगा। प्रो. कैन के अलावा विभिन्न क्षेत्रों की अन्य प्रमुख हस्तियों को भी सम्मानित किया जाएगा, जिनमें शामिल हैं:

- **शिक्षा एवं विज्ञान:** प्रो. हरिओम दहिया, प्रो. संगीता मित्तल, प्रो. संदीप कुमार, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. विंध्यावासिनी पांडेय, डॉ. के. योगेश, डॉ. सुभाष आनंद और प्रो. गीता सहारे।
- **पत्रकारिता एवं मीडिया:** वरिष्ठ पत्रकार डॉ. मनोज वर्मा (संसद टीवी), मानसी मिश्रा (आज तक डिजिटल), डॉ. बलवान सिंह बिबयान (संपादक, स्टार सवेरा) और श्री सत्यपाल बौद्ध (संपादक, दैनिक सीमांत रक्षक)।
- **समाज सेवा एवं अन्य:** जज श्री जगमोहन सिंह, डॉ. विकास यादव और डॉ. पदम गंगोत्रा।
- **वंचित वर्ग के लिए ट्रस्ट का संकल्प**

ट्रस्ट की उपाध्यक्ष सुश्री पल्लवी प्रियदर्शिनी और सदस्य डॉ. योगेंद्र पाटिल ने ट्रस्ट की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः शिक्षा से जोड़ना, बालिकाओं को प्रोत्साहित करना और जनजातीय क्षेत्रों के बच्चों को मुख्यधारा में लाना है। साथ ही, दलित एवं पिछड़े वर्ग के शोधार्थियों को शोध सामग्री और छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने के लिए ट्रस्ट प्रतिबद्ध है।

काम नहीं कर पाने वाले कर्मचारी 'होमबाउंड' होंगे: गुजरात सरकार ने अलग-अलग डिपार्टमेंट से लिस्ट मांगी है शिविर का हुआ आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

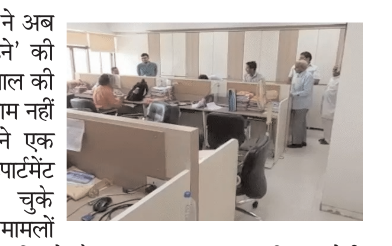

गांधीनगर। राज्य सरकार ने अब उन कर्मचारियों को 'पकड़ने' की तैयारी कर ली है जो 55 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं और काम नहीं कर पा रहे हैं। सरकार ने एक सर्कुलर जारी कर सभी डिपार्टमेंट से 55 साल पूरे कर चुके कर्मचारियों से जुड़े 11 मामलों की डिटेल मांगी है। डिटेल मिलने के बाद सरकार उनका रिव्यू करेगी। जिसमें अगर किसी कर्मचारी का परफॉर्मेंस ठीक नहीं है, डिसिप्लिनरी एक्शन का मामला है या ड्यूटी के प्रति लापरवाही पाई जाती है, तो सरकार ऐसे कर्मचारियों को समय से पहले रिटायर करके 'होमबाउंड' कर सकती है।

55 साल पूरे कर चुके कर्मचारियों की डिटेल मांगी गई है

डायरेक्टोरेट ऑफ अकाउंट्स एंड ट्रेजरी की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक, ग्रुप-1 से लेकर ग्रुप-4 तक के ऐसे कर्मचारियों की डिटेल मांगी गई है। जो 1 अक्टूबर 2026 से 31 दिसंबर 2026 के बीच 55 साल की उम्र पूरी कर रहे हैं। सरकार अब ऐसे कर्मचारियों के पिछले कई सालों के सर्विस रिकॉर्ड, कॉन्फिडेंशियल रिपोर्ट, डिसिप्लिनरी कार्रवाई और एफिशिएंसी का मूल्यांकन करेगी।

30 मई तक जानकारी मिलने के बाद सरकार सख्त कार्रवाई कर सकती

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, सरकार का मुख्य मकसद एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम में एफिशिएंसी बढ़ाना है। लंबे समय से खराब या अनप्रोडक्टिव काम कर रहे कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के लिए इस प्रोसेस को अहम माना जा रहा है। सभी डिपार्टमेंट को 30 मई 2026 तक जानकारी भेजने का निर्देश दिया गया है। जानकारी के आधार पर राज्य सरकार आने वाले समय में सही कार्रवाई कर सकती है।

करोड़ों के बंगले, लग्जरी गाड़ियों का काफिला: देश के दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री बने 'विजय'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चेन्नई/नई दिल्ली। साउथ फिल्मों के 'थलापति' और अब तमिलनाडु के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत के साथ ही चर्चा के केंद्र में हैं। चुनाव आयोग को सौंपे गए ताजा हलफनामे के अनुसार, विजय देश के दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री बन गए हैं। उनकी कुल संपत्ति और विलासितापूर्ण जीवनशैली के आंकड़ों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।

संपति का पूरा ब्यौरा: 117 करोड़ के बंगले और करोड़ों की कारें

महानगर मेट्रो को मिली जानकारी के अनुसार, सीएम विजय की कुल घोषित संपत्ति 625 करोड़ के करीब है, जो उन्हें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के बाद देश का दूसरा सबसे रईस सीएम बनाती है।

- **आलीशान आशियाने:** विजय के पास कुल 11 बंगले और अचल संपत्तियां हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 117 करोड़ रुपये से अधिक है। इनमें चेन्नई के नीलांगराई स्थित उनका मुख्य निवास भी शामिल है।
- **लग्जरी गाड़ियों का बेड़ा:** मुख्यमंत्री विजय के पास 7 बेहद महंगी लग्जरी गाड़ियां हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 13.5 करोड़ रुपये है। उनके काफिले में रोल्स रॉयस घोस्ट, बीएमडब्ल्यू, लेक्सस और टोयोटा वेलफायर जैसी गाड़ियां शामिल हैं।
- **बैंक बैलेंस और निवेश:** उनके बैंक खातों में ?313 करोड़ से अधिक जमा हैं, जबकि 220 करोड़ से ज्यादा का निवेश रियल एस्टेट में है।

राजनीति में 'रईस' एंट्री

अभिनेता से नेता बने विजय ने अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम के जरिए 2026 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की है। हलफनामे के अनुसार: उनके पास ?404.58 करोड़ की चल संपत्ति है। पत्नी संगीता के नाम पर भी ?18 करोड़ से अधिक की संपत्ति दर्ज है। सोने और हीरे के आभूषणों के मामले में भी सीएम विजय का परिवार काफी आगे है। देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की सूची में स्थान एडीआर की रिपोर्ट और चुनावी हलफनामों के विश्लेषण के बाद यह स्पष्ट है कि विजय अब देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्रियों की कतार में शीर्ष पर हैं। जहां वह दूसरे स्थान पर हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री अभी भी पहले पायदान पर बने हुए हैं।

वैश्विक संकट के दौर में दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

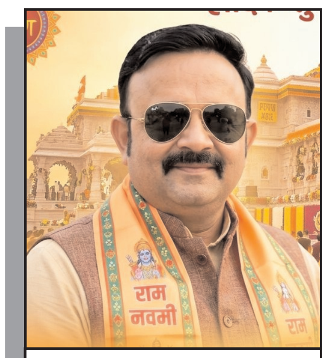

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है।

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा के मामलें में संकट में हो बल्कि वास्तविकता तो यह है कि 10 अप्रेल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक मोटे अनमुन के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पर इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। हालातों में सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह देशवासियों से किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आग्रह को लेकर आलोचक भले ही मृद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने हैं। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि आदि शामिल है आदि के लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें से करीब 38 प्रतिशत आयात केवल और केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ ही फर्टिलाइजरों के मामलें में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुबिधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध सीजफायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी और दोनों ही देशों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने हैं। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच युद्ध तक सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश दूर दूर तक अछूता नहीं दिखाई दे रहा है। यह दो देशों की अहम् की लड़ाई ना होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात है। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज विश्व विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गया है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका-इजरायल और ईरान संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके अहम् के चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही है और हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं।

आज सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित हो रहा है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में ही माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा। इसी तरह से हमारे देश में सोने के खरीद के प्रति खास मोह रहता आया है पर हालातों को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदे तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसी तरह से केवल शानों शोकत के लिए विदेशी यात्राएं करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ ही विदेशी पूंजी भी बचेगी। इसी तरह से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है कोविड़ के बाद से सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर अधिकांष मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्कफ्राम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है।

लब्बो-लबाब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो देशवासियों से आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारे दैनिक जीवन चर्या प्रभावित हो रही हो। एक भी ऐसा बिन्दु नहीं है जिससे आमजन प्रभावित हो रहा हो। सीधे सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ही ना कर सकें। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला हैं। इसलिए इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात की स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए आलोचना प्रत्यालोचना से ऊपर उठना होगा। यह देश नेता की एक आवाज पर आगे आना वाला देश है कोविड का समय और स्व. लालबहादुर शास्त्री के एक दिन के उपवास का आग्रह इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है।

संपादकीय

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति शृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है।

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने।

जज गलत हो सकता है, लेकिन गेटकीपर नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कहते हैं कि इस दुनिया में इंसान सब कुछ जीत सकता है, लेकिन इंसाफ पाने के लिए उसे अक्सर लड़ना पड़ता है। अक्सर बेगुनाह को सज़ा मिल जाती है और गुनहगार छूट जाता है। ऐसे समय में, एक ही सज़ा हिम्मत देती है

कानून अंधा हो सकता है लेकिन कानून नहीं

धरती पर जज कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, आखिर में वह इंसान ही है। इंसानी इंसाफ हमेशा कागज़, सबूत और दलीलों पर आधारित होता है। अगर गवाह मुकर जाए या सबूतों से छेड़छाड़ हो, तो इंसाफ का पलड़ा झुक सकता है। कानून अंधा इसलिए हो सकता है क्योंकि वह सिर्फ वही देखता है जो उसे दिखाया जाता है।

गेटकीपर का इंसाफ आखिरी अदालत भगवान कृष्ण यानी गेटकीपर दुनिया के सबसे बड़े जज हैं। उनकी अदालत में किसी वकील या सबूत की ज़रूरत नहीं होती। वह इरादा देखते हैं। द्वारकाधीश यह देखते हैं कि इंसान क्या करता है, न कि वह क्या करता है, यह देखते हैं कि वह किस भावना से करता है। कर्म का नियम इंसान दुनिया की नज़रों से बच सकता है, लेकिन वह कर्म के नियम से कभी नहीं बच सकता। भगवान का इंसाफ़ भले ही

तुरंत न दिखे, लेकिन जब समय का पहिया घूमता है, तो सच अपने आप सामने आ जाता है।

द्रौपदी के चीरहरण का मौका

जब कौरवों की सभा में भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य और धृतराष्ट्र जैसे बड़े योद्धा (जो उस समय के जज जैसे थे) चुप रहे और इंसाफ़ करने में नाकाम रहे, तो द्रौपदी को आखिर में द्वारकाधीश की याद आई। द्वारकाधीश ने दुनिया की अदालत से अकेली रह गई औरत को इंसाफ़ दिलाया और नाइंसाफ़ी करने वाले कौरवों के विनाश की नींव रखी। इससे यह साबित होता है कि जब इंसान हारता है, तो भगवान इंसाफ़ करते हैं। इंसान की अदालत में सच को साबित करना पड़ता है, जबकि भगवान की अदालत में सच को माना जाता है। कर्म का हिसाब रखने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि दुनिया का मालिक गलती नहीं करता। भगवान के घर में देर हो जाती है, लेकिन अधर्म नहीं होता। अगर आपका

चरित्र पवित्र है, तो आपका इंसाफ़ पका हुआ है। यह लाइन हमें ज़िंदगी में दो बातें सिखाती है। अगर आपके साथ अन्याय हुआ है, तो घबराएं नहीं, क्योंकि ऊपर वाला सब कुछ देखता है। और अगर आप किसी के साथ अन्याय कर रहे हैं, तो सावधान हो जाइए, क्योंकि उसकी लाठी से आवाज़ नहीं आती, लेकिन वार बहुत ज़ोरदार होता है।

– दर्शना पटेल
नेशनल मेडलिस्ट एथलीट और स्पोर्ट्स टीचर (नेशनल अवॉर्ड विनर)

ऑक्सीजन जोन भंवरमरा में अवैध रेत भण्डारण पर की गई कड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में आज राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने राजनांदगांव विकासखंड अंतर्गत ऑक्सीजन जोन भंवरमरा में अवैध रेत भण्डारण के मामले में बड़ी कार्रवाई की।

संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जांच के दौरान पाया गया कि अविनाश सोनी द्वारा शिवनाथ नदी से अवैध रूप से रेत निकालकर भण्डारित किया गया था। जांच में बड़ी मात्रा में रेत का अवैध भण्डारण पाए जाने पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रेत को जप्त कर लिया। मौके पर लगभग 40 से 50 ट्रिप ट्रैक्टर-ट्रॉली के बराबर रेत भण्डारित पाई गई।

कार्रवाई के दौरान संयुक्त टीम ने मौके से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं एक लोडर मशीन को भी जप्त किया। जप्त वाहनों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई हेतु पुलिस थाना सुरगी में सुरक्षित रखा गया है। जिला प्रशासन ने कहा है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
13 मई 2026

'पेट्रोल-डीजल और सोने पर पीएम मोदी के बयान सरकार की नाकामी की स्वीकृति', भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर ने साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। भीम आर्मी के अध्यक्ष और नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी के बयान साफ तौर पर संकेत देते हैं कि उनके उनके नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने महंगाई के मुद्दे पर अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। यह केवल एक बयान नहीं, बल्कि सरकार की नाकामी की स्वीकृति है। चंद्रशेखर आजाद ने मंगलवार को ङ्क अकाउंट पर लिखा है- 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले दो दिनों के भाषणों ने देश की जनता, व्यापारियों खासकर छोटे व्यापारियों और मेहनतकश वर्ग को गहरी निराशा और चिंता में डाल दिया है।'

पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल कम करने की अपील की थी

आपको बता दें कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक कार्यक्रम में कहा था कि देशवासी पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल जितना हो सके उतना कम करें। सोने की गैरजरूरी खरीद न करें और वर्क फ्रॉम होम को प्राथमिकता दें। पीएम मोदी ने कार पूलिंग करने और इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल करने की भी अपील की। पीएम ने एक साल तक सोना भी नहीं खरीदने की अपील की थी।

वर्क फ्रॉम होम और वर्चुअल मीटिंग पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था,'डिजिटल टेक्नोलॉजी ने अब इतनी सारी चीजें आसान बना दी हैं कि टेक्नोलॉजी की मदद हमारे लिए बहुत फायदेमंद साबित होगी। यह जरूरी है कि सरकारी और प्राइवेट, दोनों तरह के दफ्तरों में वर्चुअल मीटिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' को प्राथमिकता दी जाए। देश का बहुत सारा पैसा सोने के आयात पर विदेश चला जाता है। इसलिए, मैं आप सभी देशवासियों से आग्रह करूंगा कि जब तक हालात सामान्य न हो जाएं, तब तक सोने की खरीदारी टाल दें। आज समय की मांग है कि हम 'वोकल फॉर लोकल' को एक जन-आंदोलन बना दें। विदेशी सामान के बजाय, स्थानीय उत्पादों को अपनाएं। अपने गांव, अपने शहर और अपने देश के उद्यमियों को सशक्त बनाएं।'युद्ध का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले के दशकों में भी, जब भी देश किसी युद्ध या किसी अन्य बड़े संकट से गुजरा है, तो सरकार की अपील पर हर नागरिक ने उसी तरह अपनी जिम्मेदारी निभाई है।

अस्पताल में इलाज ही नहीं, मरीज की थाली भी हुई महंगी, दवा और बेड के साथ अब खाने के बिल ने छुड़ाए पसीने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। कमर तोड़ महंगाई के इस दौर में अब बीमार पड़ना भी किसी बड़ी आर्थिक मुसीबत से कम नहीं रह गया है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अस्पतालों का खर्च तेजी से बढ़ा है। इलाज और दवाओं के बढ़ते दामों के बीच अब मरीजों के दैनिक भोजन यानी 'पेशेंट डाइट' पर भी महंगाई की गाज गिरी है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुए इजाफे के कारण अस्पतालों की रसोई का बजट गड़बड़ा गया है।

थाली की कीमत में 16.7' का उछाल

एमपी नर्सिंग होम एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि ने बताया कि नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स से मान्यता प्राप्त अस्पतालों में पेशेंट थाली की कीमत, जो पहले 120 रुपये थी, अब बढ़कर 140 रुपये हो गई है। यह सीधी तौर पर 16.7' की बढ़ोत्तरी है। यह उन मरीजों के लिए बड़ा झटका है जो आयुष्मान भारत योजना के दायरे में नहीं आते और प्राइवेट अस्पतालों में अपना इलाज खुद के खर्च पर करा रहे हैं।

सिर्फ गैस ही नहीं, बिजली और बैकअप भी महंगे

अस्पताल संचालकों का तर्क है कि केवल रसोई गैस ही नहीं, बल्कि बिजली की दरें, बैकअप पावर सिस्टम के लिए इस्तेमाल होने वाला ईंधन और परिवहन लागत बढ़ने से भी स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हुई हैं। गोविंदपुरा स्थित एक निजी अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि फिलहाल उन्होंने कॉन्ट्रैक्ट के कारण कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, लेकिन लंबे समय तक बढ़ी हुई लागत को खुद वहन करना मुश्किल होगा। मध्यम और निम्न आय वर्ग पर दोहरी मार महंगाई का सबसे बुरा असर उन परिवारों पर पड़ रहा है जो पुरानी बीमारियों से जूझ रहे हैं। बार-बार अस्पताल के चक्कर लगाने और दवाओं के बढ़ते खर्च ने कई परिवारों को कर्ज लेने या अपनी बचत खत्म करने पर मजबूर कर दिया है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में भी टेस्ट, दवाइयों और परिवहन पर होने वाला खर्च आम आदमी की कमर तोड़ रहा है।

निर्माणाधीन नाली में गिरी महिला, पेट के आर-पार हुआ लोहे का सरिया, अस्पताल में लड़ रही जिंदगी और मौत की जंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन के थाना माधव नगर क्षेत्र के देसाई नगर में सोमवार को एक हृदयविदारक हादसा हुआ। यहां सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण कार्य के दौरान बरती गई लापरवाही एक महिला की जान पर बन आई। गोपालपुरा निवासी प्रेमलता, जो देसाई नगर में घरों में साफ-सफाई का काम करती हैं, सुबह काम पर जा रही थीं। इसी दौरान निर्माणाधीन नाली को पार करते समय उनका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे नीचे बिछे लोहे के सरियों के जाल पर जा गिरीं।

वैकल्पिक रास्ते ने दिया धोखा

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नाली निर्माण के कारण लोगों ने घरों में जाने के लिए अस्थायी तौर पर लकड़ी के पटिए रख दिए थे। जब प्रेमलता एक घर से दूसरे घर जाने के लिए पटिए पर चढ़ीं, तो वह असंतुलित हो गईं। नाली में नुकीले सरियों का जाल बिछा था, जिनमें से एक सरिया महिला के पेट में बुरी तरह धंस गया। यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई है।

रहवासियों ने सरिया काटकर निकाली जान महिला को तड़पता देख स्थानीय रहवासी मनीष शुक्ला और अन्य पड़ोसी तुरंत मदद के लिए दौड़े। स्थिति इतनी गंभीर थी कि महिला को सीधे खींचना मुमकिन नहीं था, इसलिए रहवासियों ने मशीन की मदद से लोहे के सरिए को काटा और उसी अवस्था में महिला को फ्रीगंज स्थित निजी अस्पताल पहुँचाया। सूचना मिलते ही महापौर मुकेश टटवाल भी मौके पर पहुंचे और सहायता प्रदान की।

डॉक्टर बोले- सर्जरी है चुनौतीपूर्ण

निजी चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सक डॉ. सुशील गुप्ता ने बताया कि महिला की हालत फिलहाल बहुत नाजुक है। सरिया पेट के भीतर महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचा चुका है। डॉ. गुप्ता के अनुसार, 'सरिया बाहर निकालते समय शरीर के अंगों के और अधिक डैमेज होने का खतरा है। फिलहाल मरीज आईसीयू में है और जल्द ही जटिल सर्जरी की जाएगी।'

बीजेपी नेता सौभाग्य सिंह ठाकुर सैकड़ों गाड़ियों का काफिला लेकर शपथ लेने आए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सीएम मोहन यादव लगातार लोगों से वैश्विक संकट को लेकर अपील कर रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल कम खर्च करें। वहीं, उनकी नसीहत की धज्जियां मध्य प्रदेश में बीजेपी के नेता उड़ा रहे हैं। बीजेपी नेता सौभाग्य सिंह को हाल ही में पाठ्य पुस्तक निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके बाद वह सैकड़ों गाड़ियों के साथ पदभार ग्रहण करने भोपाल पहुंचे हैं।

सैकड़ों गाड़ियों का काफिला लेकर आए भोपाल

दरअसल, सौभाग्य सिंह ठाकुर उज्जैन से हैं। वह एमपी में पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष बने हैं।

भोपाल आकर उन्हें कार्यभार संभालना था। वह उज्जैन से सैकड़ों गाड़ियों का काफिला लेकर निकले। हाईवे पर कई किलोमीटर तक उनके साथ गाड़ियां चल रही थी। एक साथ इतनी गाड़ियों की वजह से लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा है। ट्रैफिक की रफ्तार पड़ गई धीमी वहीं, उज्जैन से भोपालकी ओर जैसे-जैसे उनका काफिला बढ़ते जा रहा था, वैसे-वैसे हाईवे पर ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ती जा रही थी। समर्थकों की संख्या गाड़ियों के साथ बढ़ती जा रही थी। हाईवे पर चल रहे वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ा है। सोशल मीडिया पर स भाग्य सिंह ठाकुर के काफिले के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। बीजेपी नेता पर पीएम की अपील बेअसर पीएम मोदी कर रहे हैं पेट्रोल-डीजल बचाने की बात एमपी में बीजेपी नेता सौभाग्य सिंह ठाकुर सैकड़ों गाड़ियां लेकर चल रहे वह हाल ही में पाठ्य पुस्तक निगम के बने हैं अध्यक्ष पदभाग ग्रहण करने आए सैंकड़ों गाड़ियों के साथ

मेरे साथ थीं 25 गाड़ियां

वीडियो को लेकर विवाद बढ़ा तो मीडिया से बात करते हुए सौभाग्य सिंह ठाकुर ने कहा कि मैं उज्जैन के मंगरौला गांव का रहने वाला हूं। मैं घर से परिवार के लोगों के साथ निकला था तो 25 गाड़ियां मेरे साथ थी। रास्ते में यह काफिला बढ़ते चला गया। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता चला कि मेरे साथ इतनी गाड़ियां चल रही हैं। हालांकि उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

ऑनलाइन गेम में 10 लाख हारा तो कर दी हत्या इंदौर में खौफनाक वारदात

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में बेटमा थाना पुलिस ने समीर पटेल हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपी रमजान पटेल को गिरफ्तार किया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में बेटमा थाना पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए मृतक के ही गांव के रहने वाले आरोपी रमजान पटेल को गिरफ्तार किया है. आरोपी ने अपने साथी समीर पटेल की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी थी. पुलिस जांच में सामने आया है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत और लाखों रुपए के नुकसान ने आरोपी को इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के लिए उकसाया.

पुलिस को भी गुमराह कर रहा था आरोपी

जानकारी के मुताबिक बेटमा थाना क्षेत्र स्थित फोरलेन सड़क पर कुछ दिन पहले एक अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली

थी. सूचना मिलते ही बेटमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की. शव की हालत देखकर साफ था कि युवक की बेरहमी से हत्या की गई है. पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और शव की पहचान घाटा बिल्लौद गांव निवासी समीर पटेल के रूप में हुई. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच तेज की और मृतक के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल निकलवाई. जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतक की आखिरी बातचीत गांव के ही रहने वाले रमजान पटेल से हुई थी. इसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर रमजान को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. शुरुआत में आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने हत्या करना कबूल कर लिया. पुलिस पूछताछ में आरोपी रमजान पटेल ने बताया कि वह लंबे समय से ऑनलाइन गेमिंग का आदी हो चुका था. उसने बताया कि समीर पटेल ने ही उसे ऑनलाइन गेम खेलने की लत लगाई थी. धीरे-धीरे वह गेमिंग में इतना फंस गया कि करीब 10 लाख रुपए तक हार बैठा. लगातार हो रहे आर्थिक नुकसान और कर्ज के दबाव के कारण वह मानसिक तनाव में रहने लगा था. इसी तनाव में उसने समीर को रास्ते से हटाने की साजिश रची.आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने समीर को मिलने के बहाने बुलाया और फिर अपने साथ फोरलेन हाईवे पर ले गया. वहां सुनसान जगह देखकर उसने बड़े पत्थर से समीर के सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था. फिलहाल बेटमा थाना पुलिस ने आरोपी रमजान पटेल को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल पत्थर और अन्य साक्ष्य भी बरामद कर लिए हैं. मामले में आगे की जांच जारी है.

मऊः दोहरीघाट स्टेशन पर भिड़े सपा-भाजपा कार्यकर्ता, पुलिस ने भांजी लाठियां; नई मेमो ट्रेन के उद्घाटन समारोह में बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मऊ. यूपी के मऊ जिले के दोहरीघाट रेलवे स्टेशन पर दोहरीघाट-औड़िहार मेमो ट्रेन के उद्घाटन के दौरान भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच जमकर संघर्ष हुआ. यह बवाल प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और मऊ के सपा सांसद राजीव राय की मौजूदगी में हुआ. उद्घाटन का राजनीतिक श्रेय लेने के चक्कर में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की, जिससे अफरा-तफरी मच गई. सपा कार्यकर्ताओं के मंच पर चढ़ने के बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें नीचे उतारा. इस भारी हंगामे के बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ट्रेन को हरी झंडी दिखाई.

मंच पर संग्रामः श्रेय की होड़ में भिड़े समर्थक दोहरीघाट स्टेशन पर आयोजित इस कार्यक्रम में राजनीतिक माहौल तब गरमा गया जब सपा सांसद राजीव राय के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंच गए.

भाजपा समर्थकों ने भी अपने नेताओं के पक्ष में नारेबाजी शुरू कर दी. देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई. स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल और कई थानों की पुलिस को तैनात किया गया. पुलिस को सपा कार्यकर्ताओं को मंच से हटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे कार्यक्रम में घंटों तक तनाव बना रहा.

सांसद राजीव राय का आरोपः 'मंत्री के गुंडों ने किया हमला' कार्यक्रम के बाद सपा सांसद राजीव राय ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के 'व्यक्ति विशेष' द्वारा पालित चंद गुंडों ने घोसी के राजनीतिक इतिहास पर काला धब्बा लगाया है. उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पोस्टर फाड़ने के लिए गरीब दुकानदारों की दुकानें तोड़ी गईं और उनकी गाड़ी को रोका गया. राजीव राय ने कहा कि अगर वे अनुशासन छोड़ देते तो अधिकारी सस्पेंड हो जाते। उन्होंने मंत्री एके शर्मा की भाषा पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी कि किसी भी निर्दोष सपा कार्यकर्ता का उत्पीड़न हुआ तो वे चुप नहीं बैठेंगे.

मंत्री एके शर्मा का पलटवारः 'सपा का काम सिर्फ हंगामा' ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सपा का काम ही उत्पात मचाना है. उन्होंने कहा कि भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं ने सपा की गुंडई का मुंहतोड़ जवाब दिया है. शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार विकास कर रही है और सपा नेता केवल फोटो खिंचवाने और अनर्गल यश लेने के लिए उपद्रव करते हैं. उन्होंने आगे कहा कि जनता यह सब देख रही है और सपा के इस रवैये से यूपी में फिर से 2017 जैसा परिणाम दोहराया चुका था.

आगरा : देवा ने बीच बाजार पटक-पटककर 27 साल के हर्ष को मार डाला, दहशत में दुकानदारों ने बंद कर लिए शटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने उसके चेहरे पर बेतहाशा मुक्के मारे, जब वह बेसुध हो गया तो उसे सड़क पर पटक-पटक कर मार डाला। इस वीभत्स हत्याकांड से इलाके में इतनी दहशत फैल गई कि कोई उसे बचाने के लिए आगे नहीं आया। आरोपी बीच बाजार युवक को पीट रहा था और दुकानदारों ने अपनी दुकान के शटर बंद कर लिए थे। 27 साल के हर्ष जैन ने सबके सामने तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। ये घटना छत्ता थाना क्षेत्र में रविवार रात करीब 10 बजे की है। कचहरी घाट पत्तल वाली गली का रहने वाला हर्ष जैन चांदी कारीगर था। उसके पिता दिनेश जैन क्षेत्र में चाय की दुकान चलाते हैं। पिता ने बताया कि रविवार को वह काम पर से लौटा था तो चाय की दुकान पर आ गया। दुकान पर आने के बाद उसके पास किसी का फोन आया तो वह निकल गया था। रात में उन्हें पता चला कि धूलियागंज के रहने वाले देवा माहौर ने उसे बेरहमी से पीट पीटकर मार डाला। उसकी जान बचाने के लिए वह उसे कई अस्पतालों में लेकर पहुंचे थे,लेकिन सब ने मना कर दिया। इसके बाद उसे एसएन मेडिकल कॉलेज लेकर गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी देवा माहौर को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। आरोपी ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। घटना में शामिल अन्य लोगों के नाम भी जोड़े जाएंगे। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास गुटबाजी में हुई हत्या हर्ष के पिता दिनेश ने बताया कि हर्ष के दोस्त का झगड़ा हत्यारोपी देवा के भाई विशाल से हो गया था। हर्ष के पास उसके दोस्त का फोन आया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर्ष और विशाल में विवाद हो गया था।

हापुड़ : जोमैटो कर्मचारी ने मंदिर के प्याऊ चुराई टोटी, CCTV में हुआ कैद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हापुड़। जनसेवा के उद्देश्य से लगाए गए निशुल्क ठंडे पानी के प्याऊ से टोटी चोरी होने का मामला सामने आया है. यह घटना हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दिव्य बालाजी धाम के गंगा-जमुना सिद्धपीठ की है, जहां भीषण गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं और राहगीरों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था की गई थी. घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बन गया है. वहीं मंदिर प्रशासन ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. जानकारी के अनुसार दिव्य बालाजी धाम मंदिर प्रशासन की ओर से गर्मी के मौसम में आम लोगों की सुविधा के लिए मंदिर परिसर के बाहर निशुल्क प्याऊ संचालित किया जा रहा है. यहां आने-जाने वाले राहगीरों, श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को लगातार ठंडा पानी उपलब्ध कराया जा रहा था. मंदिर प्रशासन का कहना है कि यह सेवा पूरी तरह जनहित और मानव सेवा की भावना से चलाई जा रही है. इसी बीच देर रात करीब 1:30 बजे एक युवक वहां पहुंचा और प्याऊ में लगी पानी की टोटी खोलकर अपने साथ ले गया. यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई. फुटेज में युवक साफ तौर पर दिखाई दे रहा है. मंदिर प्रशासन का आरोप है कि टोटी चोरी करने वाला युवक जोमैटो कंपनी का डिलीवरी कर्मचारी है, जो वारदात के बाद मौके से फरार हो गया. घटना की जानकारी मिलते ही मंदिर के महंत आचार्य यशवर्धन ने नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि मंदिर द्वारा समाजहित और जनसेवा के उद्देश्य से लोगों के लिए पानी की व्यवस्था की गई थी, लेकिन इस तरह की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक सेवा कार्यों में बाधा डालने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति जनसेवा के कार्यों को नुकसान पहुंचाने का साहस न कर सके. डिलीवरी कर्मचारी की तलाश में जुटी पुलिस मंदिर प्रशासन ने मामले की शिकायत पुलिस से की है.

अखिलेश यादव के सामने एबटाबाट का मौलाना भी फेल, ब्रेन वाश में माहिर हैं', ओमप्रकाश राजभर फिर बरसे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के समाजवादी पार्टी के सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी की और उन्हें 'देश विरोधी' तक कह दिया। इस पर उत्तर प्रदेश के मंत्री और एनडीए के सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने तीखी प्रतिक्रिया जताई है। उन्होंने कहा है कि लोधी का बयान वास्तव में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के शब्द हैं।

ब्रेन वाश करने में इतने माहिर हैं अखिलेश

ओपी राजभर ने एक्स पर एक पोस्ट में सपा सांसद के बयान पर अखिलेश यादव से माफी मांगने के लिए कहा है। राजभर ने अपनी पोस्ट में लिखा है, 'अखिलेश यादव ब्रेन वाश करने में इतने माहिर हैं कि पाकिस्तान के एबटाबाट का मौलाना भी उनके सामने फेल है। मैं उनके साथ गठबंधन में रहा हूं, इसलिए

ठीक से जानता हूं। उनसे मिलने के बाद कोई आम इंसान भी किसी को गाली दे दे, पीट दे या गोली मार दे तो ये बहुत सामान्य बात है।' न्होंने लिखा है, 'ऐसा अक्सर होता है, जो उनके कार्यकर्ता करते रहते हैं, उनका रूटीन वर्क है, माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में वे जेल भी जाते हैं, जिसे पूरा प्रदेश आए दिन देखता है। लेकिन एक बात और है अखिलेश यादव अगर ढंग से किसी को समझा दें तो वह ह्यूमन बम बनकर भी फट सकता है।' लोधी ने अखिलेश यादव के शब्द कहे राजभर ने लिखा है, 'सपा के हमीरपुर सांसद ने कल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लिए जिस शब्द का इस्तेमाल किया है, वो अखिलेश यादव के ही शब्द हैं। वरना इस तरह की भाषा का प्रयोग कोई जनप्रतिनिधि तो छोड़िए, सामान्य व्यक्ति भी नहीं करता। यह अत्यंत निंदनीय, शर्मनाक और ना-क़ाबिल-ए-बरदाश्त है।' राजभर ने लिखा है, 'उत्तर प्रदेश सरकार और यूपी पुलिस से निवेदन है कि ऐसी गंदी सोच रखने वाले व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजे। ऐसा व्यक्ति समाज के लिए घातक है। अखिलेश यादव माफी मांगिए, सार्वजनिक तौर पर माफी मांगिए। हमीरपुर से सपा सांसद अजेंद्र सिंह लोधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया था।'

खुद काफिले में निकाल रहे जुलूस, लोगों से कहते हैं पेट्रोल-डीज़ल बचाओ, मनसे चीफ राज ठाकरे ने पीएम मोदी पर कसा तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की अपील पर सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में राज ठाकरे ने कहा कि पीएम लोगों से सोना नहीं खरीदने और पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल नहीं करने की अपील कर रहे हैं, मगर खुद कारों के काफिले के साथ जुलूस निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत पहले भी 90-100 बैरल के करीब पहुंच चुकी है, मगर कभी भी ऐसी अपील नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है, इसलिए बचत की बात कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने की थी अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंटे के भीतर दो बार लोगों से एक साल तक सोना कम खरीदने, विदेश यात्रा नहीं करने और पेट्रोल-डीज़ल का इस्तेमाल कम करने की अपील की है। पीएम मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ियों का इस्तेमाल, वर्क फ्रॉम होम का ऑप्शन बनाने की सलाह दी है। उनके इस अपील की राहुल गांधी समेत पूरे विपक्ष ने आलोचना की है। अब मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मोर्चा खोला है। उन्होंने सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा कि खुद प्रधानमंत्री और उनके सभी साथी कारों के काफ़िले के साथ देश भर में जुलूस निकाल रहे हैं, खुद पर फूल बरसा रहे हैं? गलतियां आपकी क्यों हो रही हैं और देश के लोग इसका खामियाजा क्यों भुगत रहे हैं?

तेल की कीमतों पर उठाए सवाल

राज ठाकरे ने कहा कि अभी इंटरनेशनल मार्केट में मिनरल ऑयल की कीमत आम तौर पर 90 से 100 डॉलर प्रति बैरल है। 2008, 2011, 2013 और 2023 में तेल की कीमतों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि दुनिया ने यह कीमत पहले कभी नहीं देखी। ऐसे मौकों पर 3-4 बार प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और खुद नरेंद्र मोदी रहे, फिर भी ऐसी बचत की अपील नहीं की गई। असली वजह यह है कि प्रधानमंत्री देश और राज्यों की ध्वस्त इकॉनमी के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब एक बैरल की कीमत 60 से 65 डॉलर के आसपास थी, तब आप हमें ऊंचे दाम पर पेट्रोल और डीजल बेच रहे थे। लोगों से वसूला गया पैसा लाखों करोड़ रुपये रहा होगा, उसका क्या हुआ? मनसे चीफ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिस रेवड़ी कल्चर का मजाक उड़ाया, मगर 2024 में महाराष्ट्र, फिर बिहार, वेस्ट बंगाल में रेवड़ी बांटकर इलेक्शन जीते हैं। महाराष्ट्र में लड़की बहिन स्कीम ने स्टेट की इकॉनमी बर्बाद कर दी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से विदेशी निवेशक इंडियन स्टॉक मार्केट से पैसे निकाल रहे हैं। एक अंदाजा है

सोया चाप की आड़ में चल रहा था अवैध हथियार का धंधा, नाबालिग की मदद से तस्कर तक पहुंची पुलिस,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। सीएम फडणवीस ने राहुल गांधी को भारतीय राजनीति का 'सबसे रिजेक्टेड माल' करार दिया। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति के सबसे 'रिजेक्टेड माल' हैं। हर जगह से रिजेक्ट हुए, हर राज्य में रिजेक्ट हुए। देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है और लगातार उन्हें आशीर्वाद दे रहा है। दरअसल, यह बयान उस समय आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच देशवासियों से ईंधन की बचत, विदेशी यात्राएं कम करने, और गैर-जरूरी सोने की खरीद टालने की अपील की थी। प्रधानमंत्री ने लोगों से सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा इस्तेमाल करने, वर्क फ्रॉम होम अपनाने, और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी बात कही थी।

देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर क्या कहा

राहुल गांधी भारतीय राजनीति की सबसे ज़्यादा नकारी गई चीज़ हैं, जिन्हें हर किसी ने, हर एक राज्य में नकारा है। मुझे ऐसा लगता है कि वह बस एक ऐसी चीज़ हैं जिसे लोगों ने किनारे कर दिया है। लोकतंत्र में, सिर्फ़ वही लोग सचमुच मायने रखते हैं जिन्हें लोग स्वीकार करते हैं। तो, जब राहुल गांधी जैसी हस्ती की बात आती है, जिन्हें लगातार नकारा जाता रहा है, तो क्या आप सचमुच उन्हें कोई अहमियत देते हैं? देश मोदी जी के साथ खड़ा है, देश PM मोदी के पीछे खड़ा है, और बार-बार, देश PM मोदी पर अपना आशीर्वाद बरसाता है।

हैदराबाद में पीएम मोदी की क्या अपील

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में विदेशी मुद्रा बचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से एक साल तक सोना खरीदने और विदेश घूमने की योजनाएं टालने की अपील का हिस्सा बताया।

चलती ट्रेन बनी डिलीवरी रूम, RPF जवानों की तत्परता से महिला ने दिया बच्चे को जन्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। एक्सप्रेस में सफर कर रही गर्भवती महिला रुकसाना खातून को यात्रा के दौरान अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई. सूचना मिलते ही अहिल्यानगर पोस्ट के RPF जवान सोमनाथ पाठाडे और विश्वजीत काकडे मौके पर पहुंचे और 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत महिला की मदद की. उनकी तत्परता से महिला ने चलती ट्रेन में ही सुरक्षित रूप से एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया. भारतीय रेलवे के 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत एक बेहद मानवीय और भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है. पुणे से सुपौल जा रही ट्रेन संख्या 11401 पुणे-सुपौल एक्सप्रेस में सफर कर रही एक गर्भवती महिला ने रेलवे सुरक्षा बल जवानों की तत्परता और मदद से चलती ट्रेन में ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया. इस घटना ने रेलवे के संवेदनशील और सेवा भाव वाले चेहरे को उजागर कर दिया है. जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश की रहने वाली 28 वर्षीय रुकसाना खातून अपने पति जमील बेलावर के साथ पुणे से पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन की यात्रा कर रही थीं. दोनों गार्ड साइड जनरल कोच में सफर कर रहे थे. यात्रा के दौरान अचानक रुकसाना को तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई. महिला की हालत बिगड़ती देख कोच में मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. इसके बाद तत्काल रेलवे सुरक्षा बल को सूचना दी गई.

जवानों ने तत्परता दिखाते हुए कराई सुरक्षित डिलीवरी

सूचना मिलते ही अहिल्यानगर पोस्ट पर तैनात RPF कांस्टेबल सोमनाथ पाठाडे और हेड कांस्टेबल विश्वजीत काकडे तुरंत मौके पर पहुंचे. स्थिति बेहद संवेदनशील थी, क्योंकि ट्रेन चल रही थी और मेडिकल सुविधाएं सीमित थीं. इसके बावजूद दोनों जवानों ने धैर्य, समझदारी और फुर्ती का परिचय देते हुए महिला की सहायता शुरू की. रेलवे अधिकारियों के मुताबिक जवानों ने यात्रियों की मदद से कोच में सुरक्षित माहौल तैयार किया और महिला को प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई.

दिल्ली वालों को बड़ी सौगात, LG ने कर दिया बड़ा एलान, रोहिणी और नरेला के लिए भी घोषणा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। दरअसल, दिल्ली के तीन इलाकों के लिए एलजी तरणजीत सिंह संधू ने बड़ी घोषणा कर दी है। इन इलाकों को बड़े फाइनैंशल सेंटर के रूप में निर्माण करने की तैयारी है। एलजी ने डीडीए को यहां कई तरह के निर्देश दिए हैं। अगर काम जल्द पूरा हो जाता है तो यह दिल्ली का आईटी और फाइनेंशियल हब बन सकता है।

दिल्ली के एलजी तरणजीत सिंह संधू

नई दिल्लीः द्वारका को अब घरेलू और विदेशी निवेश का बड़ा सेंटर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। यहां आईटी, हेल्थकेयर, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल कंपनियों के ऑफिस बनाने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए DDA ने तैयारियां शुरू कर दी है। स्र टीएस संधु ने ने इस दिशा में तेजी से काम करने के निर्देश दिए है। द्वारका के साथ ही रोहिणी और नरेला को भी बड़े फाइनैंशल सेंटर के रूप में डिवेलप करने की योजना पर काम किया जा रहा है। हाल ही में ष्ठ अधिकारियों के साथ हुई बैठक में स्र ने इन तीनों इलाकों के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा की। अधिकारियों के मुताबिक, इन इलाकों में बेहतर सड़कें, मेट्रो नेटवर्क, एजुकेशन सेंटर और बड़े रिहायशी इलाके तेजी से डिवेलप हो रहे हैं। द्वारका में यशोभूमि और बनने वाला डिप्लोमैटिक हब भी इस इलाके को खास बना रहा है। अधिकारियों ने बताया कि स्र पिछले कुछ समय से इन इलाकों को बड़े फाइनैंशल सेंटर के रूप में डिवेलप करने की बात कह रहे हैं। उन्होंने हाल ही में द्वारका सब सिटी का दौरा भी किया था, जहां कई अहम प्रोजेक्ट्स का जायजा लिया। इसके बाद ष्ठ को यहां आईटी, हेल्थकेयर, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और ग्लोबल कंपनियों के ऑफिस बनाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए गए। डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर प्लांट बनाने की भी योजना अधिकारियों के अनुसार, यूईआर (अर्बन एक्सटेंशन रोड) शुरू होने, बड़े मेट्रो नेटवर्क, टीओडी पॉलिसी, नए एजुकेशन सेंटर और बड़े रिहायशी इलाकों के विकास की वजह से द्वारका, रोहिणी और नरेला तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। नई सड़क परियोजनाओं और एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी की वजह से यहां डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर प्लांट और वेयरहाउस बनाने की भी काफी संभावनाएं बताई जा रही है। LG ने अधिकारियों को सभी डिपार्टमेंट्स के साथ चर्चा कर जल्द योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उनका मानना है कि इससे दिल्ली में निवेश बढ़ेगा, रोजगार के नए मौके बनेंगे और राजधानी का विकास भी संतुलित तरीके से होगा।

नेहरू प्लेस इलाके में 2 लड़कियों से छेड़छाड़, 150 लोग वीडियो बनाते रहे; किसी ने मदद नहीं की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कालकाजी। नेहरू प्लेस इलाके में नॉर्थ ईस्ट और बिहार की दो महिलाओं से दुर्व्यवहार, छेड़छाड़, झगड़ा और अपशब्द कहने का मामला सामने आया है। रविवार को वारदात हुई। मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। डीसीपी साउथ ईस्ट हेमंत तिवारी ने पुष्टि करते हुए बताया कि उनकी पहचान मोहम्मद फहाद, सावेज, आरिफ, मो. फहीम के रूप में हुई है। फहाद प्राइवेट इंस्टिट्यूट में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में काम करता है। सावेज एक क्लब में बाउंसर के रूप में काम करता था और अब वह कॉन्ट्रैक्ट वर्कर का काम करने लगा है। जबकि आरिफ का नोएडा में मोबाइल स्टोर है। डीसीपी साउथ ईस्ट

डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना की पुलिस को रविवार सुबह इस वारदात के बारे में जानकारी मिली। मौके पर चाय की दुकान पर दो पीड़ित महिलाएं मिलीं। दोनों ने अपने साथ हुई छेड़छाड़, बदसलूकी और अपशब्द कहे जाने के बारे में पुलिस को जानकारी दी। पुलिस की कई टीमों के एक्शन के बाद पकड़े आरोपी दोनों को मेडिकल के लिए AIIMS ले जाया गया। FIR कर लिया गया। CCTV की जांच की गई। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की कई टीमों को लगाया गया। डीसीपी ने बताया कि जिन महिलाओं के साथ वारदात को अंजाम दिया गया उनमें से एक असम की और दूसरी पीड़ित महिला बिहार की रहने वाली हैं। सरेआम बदसलूकी, मदद को आगे नहीं आया कोई राहगीर नेहरू प्लेस इलाके में 2 लड़कियों के साथ छेड़छाड़, बदतमीजी, मारपीट और कपड़े फाड़ने का गंभीर मामला सामने आया है। लड़कियों ने कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि जब आरोपी छेड़छाड़ कर रहे थे, कपड़े फाड़ रहे थे, थप्पड़ मार रहे थे और बदसलूकी कर रहे थे, तब भी कोई उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया।

शर्मसार हुई इंसानियत

लड़कियों ने बताया कि आसपास 150 से अधिक लोग मौजूद थे और कई लोग मोबाइल से विडियो बना रहे थे, लेकिन किसी ने दखल नहीं दिया। उन्होंने पुलिस को कॉल किया, लेकिन तुरंत मदद नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने नॉर्थ ईस्ट सेल को कॉल किया। वहां एक महिला अधिकारी से बात हुई, जो मौके पर पहुंचीं। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता हैं।

मुठभेड़ में मारा गया नांदल गैंग का खतरनाक शूटर, पुलिस पर की थी 8-10 राउंड फायरिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुड़गांव। गैंगस्टर दीपक नांदल गैंग का एक शूटर सोमवार को पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। पिछले दिनों सेक्टर-45 में सिंगर राहुल फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गेनाइजर के घर पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने कुछ बदमाशों को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच आगे बढ़ी तो क्राइम ब्रांच की टीम हथियार बरामद करने आरोपियों को लेकर बंधवाड़ी के जंगल में पहुंची थी। बदमाशों ने पहले से छिपाकर रखे हथियारों से पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में नांदल का एक शूटर ढेर हो गया, जबकि उसका दूसरा साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। इस बीच गुड़गांव पुलिस के सिपाही नवीन भी गोली लगने से घायल हुए हैं।

सिपाही को लगी थी गोली

पुलिस के अनुसार, दो मई की रात सेक्टर-40 के कन्हई स्थित एक मकान के बाहर दो लोगों ने फायरिंग कर दी थी। ड्यूटी पर तैनात सिपाही को भी गोली लगी थी, जो इलाज के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं। क्राइम ब्रांच सेक्टर-40,

सेक्टर-39 और सेक्टर-17 की संयुक्त टीम ने 9 मई को पंजाब के तरनतारन से दो आरोपियों गुरशेर सिंह उर्फ शेरा (23) और जसपाल उर्फ बबल (28) को गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी कथित तौर पर फाजिलपुरिया के करीबी सौरभ की हत्या की नीयत से आए थे। 02 मई की रात सेक्टर-40 के कन्हई में एक मकान के बाहर दो लोगों ने फायरिंग की थी 09 मई को पंजाब के तरनतारन से दो बदमाशों को गिरफ्तार, जंगल में हथियार होने का पता चला 08 से 10 राउंड फायर किए थे बदमाशों ने पुलिस पर, जवाबी कार्रवाई में ढेर हो गया गैंगस्टर का शूटर

झाड़ियों में छिपाई थी तीन पिस्टल

क्राइम ब्रांच की टीमें सोमवार को गुरशेर सिंह उर्फ शेरा और जसपाल उर्फ बबल को हथियार बरामद करने के लिए बंधवाड़ी के पास लेकर गई थीं। वहां आरोपियों ने झाड़ियों में छिपाई हुई तीन ग्लॉक पिस्टल निकालीं और आठ से 10 राउंड फायर कर दिए। सिपाही नवीन को गोली लग गई। जवाबी कार्रवाई में गुरशेर उर्फ शेरा की मौत हो गई।

दीपक नांदल का नाम आया था सामने

प्रारंभिक जांच में सामने आया था कि सौरभ व नांदल पुराने जानकार थे, लेकिन रुपयों को लेकर दोनों में कोई विवाद था, जिस पर दीपक नांदल ने सौरभ को धमकी भी दी थी। गोली चलाने की वारदात को अंजाम दिलाए जाने का आरोप दीपक नांदल पर है। मृतक आरोपी शूटर व घायल दीपक नांदल गैंग के शूटर बताए जा रहे हैं।

दिल्ली में निर्माण स्थलों पर अब अनिवार्य होगी हाई-डेनसिटी जाली, 'डस्ट पोर्टल 2.0' से होगी मॉनिटरिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के नियम सख्त कर दिए हैं. अब सभी निर्माण स्थलों पर कम से कम 100 तस्रूमोटी हरी जालियां लगाना अनिवार्य होगा. 'डस्ट पोर्टल 2.0' के जरिए निर्माण स्थलों की डिजिटल निगरानी भी शुरू की जाएगी. दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने निर्माण और तोड़फोड़ वाली जगहों पर धूल नियंत्रण के नियमों को और सख्त कर दिया है. अब शहर के सभी कंस्ट्रक्शन साइट्स पर हाई-डेनसिटी वाली धूल रोकने वाली जालियां लगाना अनिवार्य होगा. सभी प्रोजेक्ट मालिकों को नए नियम का तुरंत प्रभाव से पालन करना होगा. DPCC ने MCD, DDA, दिल्ली मेट्रो और PWD जैसी सभी बड़ी एजेंसियों को भी धूल नियंत्रण को लेकर निर्देश भेज दिए हैं. दिल्ली में धूल प्रदूषण बढ़ाने में निर्माण कार्यों की बड़ी भूमिका होती है. इसी को

देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के दिशा-निर्देशों के आधार पर यह फैसला लिया गया है. दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) ने निर्देश जारी किए है

निर्माण स्थलों पर इस्तेमाल होने वाली हरी जाली की मोटाई कम से कम 100 GSM (ग्राम प्रति वर्ग मीटर) होनी चाहिए. इससे पहले जालियों के इस्तेमाल का नियम तो था, लेकिन उनकी मोटाई या गुणवत्ता को लेकर कोई पैमाना तय नहीं था.

100 GSM की जाली ही क्यों?

दरअसल सरकार का मानना है कि

100 GSM की जाली काफी घनी होती है. ये PMw.5 और PMv जैसे खतरनाक कणों को निर्माण स्थल से बाहर हवा में फैलने से रोकने में काफी कारगर साबित होगी. सिरसा ने बताया कि इस स्टैंडर्ड को तय करने से प्रदूषण नियंत्रण के उपाय अब ज्यादा प्रैक्टिकल और मापने के काबिल हो जाएंगे. दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'वायु प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की जंग पूरी गंभीरता और तेजी के साथ लड़ी जा रही है. हम वैज्ञानिक हस्तक्षेप, तकनीक और सख्त निगरानी के जरिए प्रदूषण के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा घेरा तैयार कर रहे हैं.'

डिजिटल निगरानी और 'डस्ट पोर्टल 2.0'

सरकार प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए टेक्नोलॉजी का भी सहारा ले रही है. दिल्ली के सभी कंस्ट्रक्शन साइट्स के लिए 'डस्ट पोर्टल' पर रजिस्ट्रेशन करना पहले ही जरूरी किया जा चुका है. अब सरकार 'डस्ट पोर्टल 2.0' ला रही है. ये एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होगा जिससे निर्माण स्थलों की निगरानी और नियमों के पालन की जांच करना आसान हो जाएगा. इससे पारदर्शिता आएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई करना आसाना होगा.

दिल्ली वालों की बल्ले-बल्ले, अब हर कॉलोनी में खिलेगी हरियाली; पार्कों का 100% खर्च उठाएगी सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पार्कों की स्थिति सुधारने के लिए दिल्ली सरकार आरडब्ल्यूए और सोसायटी को मिलने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पार्कों और हरित स्थलों के रखरखाव के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता में 49 पर्सेंट बढ़ोतरी के साथ पूरा 100 पसेंट खर्च खुद उठाने की तैयारी में है। सीएम का मानना है कि इससे दिल्ली का हरित क्षेत्र मजबूत होगा और आरडब्ल्यूए एनजीओ व पंजीकृत सोसायटियों की भागीदारी भी बढ़ेगी।

पार्कों के रखरखाव पर बढ़ेगा खर्च

सरकार प्रस्ताव ला रही है कि पार्कों के रखरखाव के लिए आरडब्ल्यूए और सोसायटी को मिलने वाली वार्षिक सहायता राशि को 2.55 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 3.8 लाख रुपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष कर दिया जाए। इसके साथ ही वित्तीय साझेदारी मॉडल में भी बदलाव किया जा रहा है। अभी तक पार्कों के रखरखाव और विकास में 90 पर्सेंट खर्च सरकार और 10 पर्सेंट खर्च संबंधित आरडब्ल्यूए या संस्था को उठाना पड़ता था। अब सरकार इस व्यवस्था को खत्म कर 100 पसेंट वित्तीय सहायता देने पर विचार कर रही है। सीएम रेखा गुप्ता हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए नए पार्कों के निर्माण और विकास को बढ़ावा देना चाहती है। इसके लिए दी जाने वाली एकमुश्त सहायता राशि को 1 लाख रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 2.9 लाख रुपये प्रति एकड़ करने का प्रस्ताव है। घनी आबादी वाले इलाकों में हरित क्षेत्रों का विस्तार जरूरीः रेखा गुप्ता सीएम रेखा गुप्ता का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच नई कॉलोनियों और घनी आबादी वाले इलाकों में हरित क्षेत्रों का विस्तार बेहद जरूरी है। इसके अलावा, सरकार आरडब्ल्यूए और सोसायटियों की मांग पर डिस्प्ले बोर्ड, डस्टबिन और सिंचाई के लिए पाइपलाइन जैसी सुविधाओं के लिए 2.5 लाख रुपये प्रति एकड़ की वित्तीय हैं।

निजी परिसर में जातिसूचक टिप्पणी अपराध नहीं, जब तक घटना 'पब्लिक व्यू' में न होः सुप्रीम कोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी (स्ष्ट/स्ञ्ज) एक्ट के दुरुपयोग को रोकने और कानून की व्याख्या को स्पष्ट करने के उद्देश्य से एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ किया है कि यदि जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किसी निजी घर के अंदर किया गया है, जहाँ आम जनता की मौजूदगी न हो, तो उसे इस विशेष अधिनियम के तहत अपराध नहीं माना जाएगा।

क्या था मामला? यह मामला एक आरोपी द्वारा दायर याचिका से जुड़ा था, जिस पर शिकायतकर्ता ने घर के भीतर जातिसूचक गालियाँ देने का आरोप लगाया था। आरोपी ने दलील दी कि कथित घटना किसी सार्वजनिक स्थान पर नहीं हुई थी, इसलिए इस पर एससी/एसटी एक्ट लागू नहीं होना चाहिए। निचली अदालतों की प्रक्रिया के बाद मामला देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुँचा।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी न्यायमूर्ति की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि एससी/एसटी एक्ट की धारा 3 1 के तहत मामला दर्ज करने के लिए केवल अपमानजनक शब्द कहना ही काफी नहीं है, बल्कि यह साबित होना अनिवार्य है कि अपमान 'सार्वजनिक दृष्टि' में हुआ हो।

अदालत के फैसले के मुख्य बिंदुः

1.पब्लिक व्यू की शर्त अनिवायः कानून के मुताबिक, अपमानजनक टिप्पणी ऐसी जगह होनी चाहिए जहाँ बाहरी लोग या समाज के अन्य सदस्य उसे देख या सुन सकें।

2.निजी विवाद बनाम सामाजिक अपराधः कोर्ट ने कहा कि कानून का मकसद समुदाय के लोगों को सार्वजनिक अपमान से बचाना है। निजी घर के अंदर हुई बात, जहाँ कोई गवाह न हो, इस कानून के दायरे में नहीं आती।

3.कार्यवाही रद्दः कोर्ट ने पाया कि इस मामले में घटना घर के भीतर हुई थी और वहां कोई बाहरी व्यक्ति मौजूद नहीं था। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।

कानूनी महत्व

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से उन मामलों में राहत मिलेगी जहाँ निजी रंजिश के चलते बंद कमरों में हुई बातचीत को आधार बनाकर केस दर्ज कराए जाते हैं। कोर्ट ने साफ कर दिया कि आपराधिक कानून के लिए आवश्यक तत्वों का होना जरूरी है, न कि केवल आरोपों का।

बेटी पैदा होते ही पति ने कहा 'तलाक, तलाक, तलाक', नागपुर में विवाहिता ने दर्ज कराया केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। में एक मुस्लिम विवाहिता ने पति और सास पर घरेलू हिंसा और तीन तलाक का मामला दर्ज कराया है. पीड़िता का आरोप है कि बेटी पैदा होने के बाद उसे प्रताड़ित किया गया और पति ने तीन बार तलाक बोलकर घर से निकाल दिया. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. महाराष्ट्र के नागपुर में घरेलू हिंसा और तीन तलाक का मामला सामने आया है. तहसील पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाली एक मुस्लिम विवाहिता ने अपने पति और सास के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. पीड़िता का आरोप है कि बेटी पैदा होने के बाद उसे लगातार प्रताड़ित किया गया और आखिर में पति ने तीन बार तलाक बोलकर उसे घर से निकाल दिया. पुलिस के अनुसार, मस्कासाथ इतवारी निवासी 32 वर्षीय रुखसार शेख ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है. रुखसार की शादी 31 मई 2024 को इमरान रशीद शेख से हुई थी. बताया जा रहा है कि इमरान की यह दूसरी शादी थी. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि शादी के शुरुआती दिनों में सबकुछ सामान्य था, लेकिन कुछ समय बाद उसकी सास सईदा बेगम रशीद शेख उसे परेशान करने लगी. आरोप है कि सास अपने बेटे को बहू के खिलाफ भड़काती थी, जिसके बाद घर में विवाद बढ़ने लगे. रुखसार ने 11 अगस्त 2025 को बेटी आयरा को जन्म दिया. पीड़िता का आरोप है कि बेटी पैदा होने के बाद पति और सास का व्यवहार पूरी तरह बदल गया. दोनों उसे बेटी पैदा होने को लेकर ताने देने लगे और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे. पीड़िता के मुताबिक, पति इमरान कई बार उसके साथ मारपीट भी करता था. लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर रुखसार ने आखिरकार पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने पति इमरान रशीद शेख और सास सईदा बेगम के खिलाफ घरेलू हिंसा, मारपीट, जान से मारने की धमकी और मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज किया है. जांच के दौरान यह भी सामने आया है

देश के 19 राज्यों में बिगड़ेगा मौसम का मिजाज, भूस्खलन का खतरा

आंधी–बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई के महीने में गर्मी के बीच मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पिछले कुछ दिनों से आसमान साफ रहने के बाद मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के कई हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। 12 मई को उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब और हरियाणा सहित कुल 19 राज्यों में खराब मौसम का अलर्ट है। विभाग ने आगाह किया है कि इस दौरान न केवल बारिश होगी, बल्कि कई स्थानों पर बिजली गिरने (वज्रपात) की भी संभावना है। विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि भारी बारिश के चलते भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में फिलहाल ऊंचाई वाले इलाकों की यात्रा टालना ही बेहतर होगा।

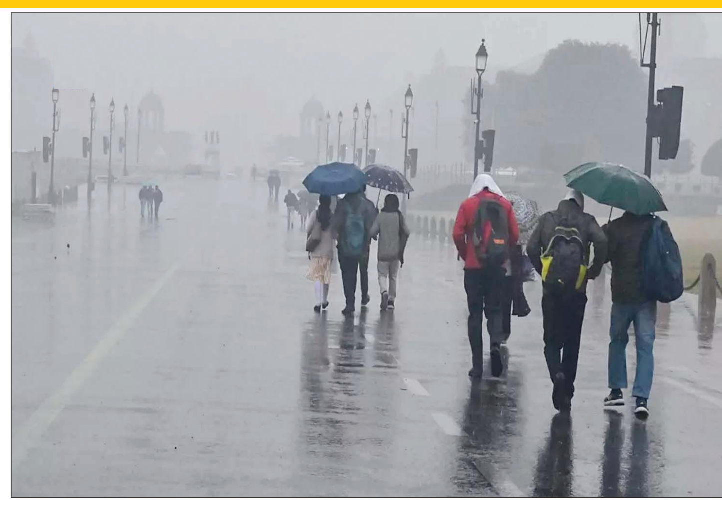

राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में भी मध्यम बारिश के साथ धूलभरी आंधी चलने की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण यह बदलाव देखने को मिल रहा है। हालांकि बारिश के आसार हैं, लेकिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। वहीं बिहार और झारखंड में मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। बिहार के चंपारण, गोपालगंज, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान है, जो किसानों की फसलों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। झारखंड के गिरडीह और बोकारो जैसे जिलों में भी आंधी-बारिश की संभावना जताई गई है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और पौड़ी गढ़वाल में तेज हवाओं के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में भी मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मैदानी इलाकों में पंजाब के अमृतसर, लुधियाना और बठिंडा जैसे शहरों में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके अलावा राजस्थान के बाड़मेर, जोधपुर और अलवर समेत मध्य प्रदेश के इंदौर, छतरपुर और सिंगरौली जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और पेड़ों या जर्जर इमारतों के नीचे शरण लेने से बचें।

पीएम पर अभद्र टिप्पणी मामले में सपा सांसद पर हुई एफआईआर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले से समाजवादी पार्टी के सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी की तहरीर पर शहर कोतवाली में की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 132, 189(2), 352 और 196(1) के तहत सांसद और उनके अज्ञात समर्थकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना बीते सोमवार की है, जब सपा सांसद अजेन्द्र सिंह लोधी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता बिजली कटौती, स्मार्ट मीटर और बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। राज्यपाल को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपने पहुंचे सांसद ने प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री के खर्चों में कटौती संबंधी अपील को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर प्रधानमंत्री के प्रति अभद्र और असंसदीय भाषा का प्रयोग किया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। भाजपा ने इसे लोकतांत्रिक मर्यादाओं का उल्लंघन बताते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। इस मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति एक सांसद द्वारा की गई असंसदीय टिप्पणी न केवल अशोभनीय और अक्षम्य है, बल्कि यह भारतीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर भी गंभीर आघात है। मुख्यमंत्री ने सपा सांसद के इस कृत्य को राजनीतिक कुसंस्कार और वैचारिक दिवालियापन का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी 145 करोड़ देशवासियों के जनादेश और विश्वास का अपमान है और देश की जनता ऐसे अमर्यादित आचरण का उत्तर समय आने पर अवश्य देगी।

पिनल सोजित्रा की पहली उपन्यास 'परमसिद्धा' का विमोचन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार की क्लास-1 अधिकारी और नवोदित लेखिका पिनल सोजित्रा की पहली उपन्यास 'परमसिद्धा' का विमोचन अहमदाबाद में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. अमीबेन उपाध्याय के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर अनेक साहित्य प्रेमी और विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। विमोचन समारोह नवजीवन ट्रस्ट के जीतेंद्र देसाई मेमोरियल हॉल में आयोजित किया गया था। डॉ. अमीबेन उपाध्याय ने उपन्यास की सराहना करते हुए कहा, ''यह उपन्यास समाज में व्याप्त पुत्र-प्रधानता की मानसिकता के बीच एक बेटी के संघर्ष और उसकी सफलता की प्रेरणादायक गाथा प्रस्तुत करता है।'' इस मौके पर प्रसिद्ध कवयित्री और समीक्षक उषाबेन उपाध्याय ने 'परमसिद्धा' में लेखिका द्वारा किए गए भाषा-कर्म पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृति की भाषा की विशेषताओं और लेखन शैली का विश्लेषण किया। गुजराती साहित्य अकादमी के महामंत्री डॉ. जयेंद्रसिंह जादव ने कहा कि पिनल सोजित्रा ने किस तरह एक क्षण को दूसरे क्षण से जोड़कर उत्कृष्ट उपन्यास का सृजन किया है, वह उल्लेखनीय है। एनआईएमसीजे के डायरेक्टर डॉ. शिरीष काशिकर और गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारी प्रदीपसिंह राठौड़ ने विश्व साहित्य के विभिन्न संदर्भों के साथ 'परमसिद्धा' का अनुबंध प्रस्तुत किया। उन्होंने इस कृति का पठन क्यों अनिवार्य है, इस पर रोचक विचार साझा किए। लेखिका पिनल सोजित्रा ने अपने प्रतिक्रिया में कहा, '''परमसिद्धा' एक सामान्य बालिका के असाधारण महिला बनने की जीवन यात्रा है; जो अस्वीकार से स्वीकार, परनिर्भरता से आत्मनिर्भरता और भग्नावस्था से पुनर्निर्माण तक की कथा को रेखांकित करती है।'पिनल सोजित्रा ने आगे कहा कि कृति की नायिका रिशिता इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक की 'जेन-ज़ेड' पीढ़ी का सटीक प्रतिनिधित्व करती है। इस विमोचन अवसर पर विभिन्न साहित्य प्रेमियों ने उपन्यास के विषय, भाषा और समकालीनता पर अपने विचार प्रस्तुत किए। ऐसी कृतियों के माध्यम से समाज में व्याप्त मानसिकताओं के खिलाफ नई दृष्टि और प्रेरणा मिलती है, ऐसा सहभागी अतिथियों का मत रहा। विमोचन समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नाबालिक से अश्लील हरकत आठवीं बटालियन में पदस्थ आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लालबाग। थाना लालबाग में दर्ज अपराध क्रमांक 198/2026 धारा 74, 75(1) बीएनएस एवं 7/8 पॉक्सो एक्ट के प्रकरण में पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के मार्गदर्शन में थाना लालबाग पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में प्रार्थिया द्वारा थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 11.05.2026 को जब उनकी नाबालिग लड़की जब टीवी रिचार्ज का रकम देने आरोपी श्रवण भारती के घर गई थी तो आरोपी द्वारा उसके घर में नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकत करते हुए उसके साथ जबरन गलत कार्य करने का प्रयास किया गया। घटना के दौरान पीड़िता की एक और अन्य नाबालिग पुत्री भी वहां मौजूद थी। रिपोर्ट पर थाना लालबाग में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों की समीक्षा की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में संचालित योजनाओं, निर्माण कार्यों, खाद्यान्न वितरण, राजस्व प्रकरणों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने जिले के सभी रिटेल पेट्रोल पंपों से औद्योगिक उपयोग के लिए पेट्रोल एवं डीजल विक्रय नहीं करने के संबंध में सूचना जारी करने जिला खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने पेट्रोल पंपों में लगे सीसीटीवी कैमरों की नियमित जांच एवं उन्हें दुरूस्त रखने कहा। सीसीटीवी फुटेज जांच के दौरान पेट्रोल एवं डीजल का औद्योगिक कार्यों एवं अवैध विक्रय पाए जाने पर संबंधित पेट्रोल पंप संचालकों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में प्राप्त मांग एवं शिकायतों के आवेदनों की विभाग प्रमुख स्वयं मॉनिटरिंग करें तथा गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें।

थलापति को राहत: एआईएडीएमके में टूट से टीवीके को मिला समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की सियासत में मंगलवार को एक ऐसा मोड़ आया जिसने राज्य के पूरे राजनीतिक समीकरण को बदलकर रख दिया है। अभिनेता से नेता बने थलापति विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के लिए यह दिन बड़ी खुशखबरी लेकर आया। विधानसभा में बहुमत के आंकड़े के लिए संघर्ष कर रही टीवीके को अब एआईएडीएमके में हुई बड़ी टूट का सीधा फायदा मिला है। पूर्व मंत्री सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके के एक बड़े गुट ने आधिकारिक तौर पर थलापति विजय को समर्थन देने का ऐलान कर दिया है, जिससे फ्लोर टेस्ट से पहले विजय की सरकार बेहद मजबूत स्थिति में आ गई है।

तमिलनाडु की प्रमुख विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके अब स्पष्ट रूप से दो धड़ों में बंट गई है। आंकड़ों की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री ई. पलानीस्वामी (ईपीएस) के पास अब केवल 22 विधायकों का समर्थन बचा है, जबकि सीवी शनमुगम के नेतृत्व वाले विद्रोही गुट के पास 24 विधायकों का साथ है। इस विद्रोही गुट ने थलापति विजय के पाले में जाने का फैसला कर राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। सीवी शनमुगम ने मंगलवार सुबह इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनकी पार्टी का जन्म ही डीएमके के विरोध में हुआ था और पिछले 53 वर्षों से उनकी राजनीति इसी विचारधारा पर टिकी है। शनमुगम ने खुलासा किया कि पार्टी के भीतर एक प्रस्ताव आया था कि डीएमके के सहयोग से सरकार बनाई जाए, जिसे उनके गुट ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि यदि वे डीएमके के साथ गठबंधन करते, तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता। अपने स्वाभिमान और विचारधारा को बचाने के लिए उन्होंने थलापति विजय की टीवीके को समर्थन देना बेहतर समझा। इस गुट ने एसपी वेलुमणि को अपना फ्लोर लीडर भी चुन लिया है।थलापति विजय के लिए यह समर्थन किसी संजीवनी से कम नहीं है। चुनाव परिणामों के बाद जहां वे बहुमत के लिए एक-एक विधायक के समर्थन की उम्मीद कर रहे थे, वहीं अब विधायकों का एक पूरा कुनबा उनके साथ खड़ा है। इस घटनाक्रम ने न केवल सत्ताधारी डीएमके को झटका दिया है, बल्कि तमिलनाडु की द्विदलीय राजनीति में एक तीसरे मजबूत विकल्प के उदय पर मुहर लगा दी है। अब सबकी निगाहें विधानसभा में होने वाले फ्लोर टेस्ट पर टिकी हैं, जहां विजय की शक्ति का वास्तविक परीक्षण होगा। यह राजनीतिक घटनाक्रम यह भी दर्शाता है कि तमिलनाडु की जनता और नेता अब पारंपरिक द्रविड़ राजनीति से इतर नए नेतृत्व की ओर देख रहे हैं।

नीट पेपर लीक पर केजरीवाल का हमला: अगर परीक्षा नहीं करा सकती कैसी सरकार?

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने नीट-यूजी 2026 परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 3 मई को आयोजित यह परीक्षा, इसके बाद रद्द किया गया, बड़े पैमाने पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का परिणाम है। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि अगर सरकार ठीक से परीक्षाएं नहीं करा सकती, तब वह किस काम की है और लाखों छात्रों का भविष्य क्यों दांव पर लगाया जा रहा है।

नई दिल्ली में एक प्रेसवार्ता को संबोधित कर केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहली बार नहीं है जब नीट का पेपर लीक हुआ है। उन्होंने याद दिलाया कि ऐसा 2017, 2021 और 2024 में भी हो चुका है। केजरीवाल ने सवाल उठाया, 2017 और 2021 में परीक्षा का पेपर लीक करने वालों को क्या सजा मिली? 2024 में पेपर लीक करने वाले सभी को जमानत मिली और वे अब बाहर हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा लगता है जैसे उन्हें अगले पेपर लीक की तैयारी करने को कहा गया था। इस पूरी तरह से मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण का मामला बताकर उन्होंने सरकार की अक्षमता पर सीधा प्रश्नचिह्न लगाया। केजरीवाल ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और त्याग को भी रेखांकित किया। अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा कर बताया कि कैसे उन्होंने आईआईटी और सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी की थी, और उन कठिनाइयों को समझा जिनके माध्यम से छात्र गुजरते हैं। उन्होंने उन गरीब परिवारों का उल्लेख किया जो अपने बच्चों को कोचिंग दिलाने के लिए अपनी ज़मीनें तक बेच देते हैं। इसतरह पेपर लीक से छात्रों की तपस्या और बलिदान व्यर्थ हो जाता है, जिससे देश के भविष्य पर गहरा असर पड़ता है।

केंद्र सरकार पर सैलजा का निशाना : आर्थिक कुप्रबंधन और पेपर लीक से जनता त्रस्त

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला कर कहा है कि देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रही है, लेकिन मोदी सरकार समाधान प्रस्तुत करने के बजाय लोगों से बार–बार त्याग और समझौते की अपील कर रही है। उन्होंने कहा कि कभी पेट्रोल और डीज़ल का कम उपयोग करने की सलाह दी जाती है, तब कभी घरेलू खर्च सीमित रखने की। सैलजा के अनुसार, यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार आर्थिक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में विफल रही है और आने वाले दिनों में जनता पर और आर्थिक बोझ पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का दायित्व जनता को राहत देना, स्थिर आर्थिक वातावरण तैयार करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है, न कि उन्हें और त्याग के लिए कहना। कांग्रेस पार्टी आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी।

वहीं नीट पेपर लीक के मुद्दे पर भी कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने एनईईटी पेपर लीक को देश के लाखों युवाओं के भविष्य और उनकी मेहनत पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस नेता सैलजा ने कहा कि जब परीक्षाएँ भ्रष्टाचार और पेपर लीक की भेंट चढ़ने लगें, तब सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मध्यम वर्ग के उन छात्रों का होता है जो वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं। उन्होंने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने 22 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों का भरोसा तोड़ा है। उन्होंने मांग की कि सरकार युवाओं को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था दे। कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकार और उनके भविष्य की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी।

पटना में बजेंगे सायरन होगा ब्लैक आउट, हवाई हमले से बचने होगी मॉकड्रिल

–प्रशासन ने कहा– लोगों को घबराने या पैनिक होने की जरुरत नहीं

पटना (एजेंसी)। पटना में 14 मई शाम 7~15 बजे अचानक सायरन बजें, ब्लैक आउट हो जाए तो घबराना नहीं। ऐसा सिविल डिफेंस ब्लैकआउट यानी मॉकड्रिल के तहत किया जाएगा। दरअसल हवाई हमले से बचाव के लिए नागरिक सुरक्षा अभ्यास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि यह केवल एक मॉकड्रिल है, इसलिए लोगों को घबराने या पैनिक होने की जरुरत नहीं है।

प्रशासन ने पटना के शहरी क्षेत्रों के लोगों, दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से अपील की है कि वे 14 मई को तय 15 मिनट के लिए अपने घरों और दुकानों की लाइटें बंद रखें। इस दौरान हवाई हमले की चेतावनी का सायरन बजाया जाएगा, जो 2 मिनट तक गूंजेगा। सायरन बजते ही पूरे शहर में ब्लैकआउट की स्थिति हो जाएगी। डीएम ने लोगों से अपील है कि वे किसी भी प्रकार के अफवाह पर ध्यान न दें। केवल आधिकारिक सूचना पर ही विश्वास करें।

रिपोर्ट के मुताबिक हवाई हमले की चेतावनी के लिए मॉकड्रिल और ब्लैकआउट निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के मुताबिक की जाएगी। इसमें राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तंत्र की क्रियाशीलता की जांच की जाएगी। मॉकड्रिल से लोगों के लिए जरुरी सेवाओं की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। अस्पतालों में काम सुचारू रूप से चलता रहेगा। इसके लिए खिड़कियों पर विशेष प्राइवेसी कर्टेन या काले पर्दों का उपयोग किया जाएगा ताकि बाहर रोशनी न फैले।

डीएम ने कहा कि नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से तय मापदंडों के अनुरूप पटना शहरी क्षेत्रों और पटना नगर निगम, नगर परिषदों, दानापुर निजामत, खगौल तथा फुलवारीशरीफ में मॉकड्रिल की जाएगी। मॉकड्रिल पटना में कहां कहां आयोजित की जाए? इसके लिए जगहों का चयन कर लिया गया है। जिला प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक चार जगहों पर मॉकड्रिल की जाएगा। जिनमें पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बांकीपुर बस स्टैण्ड, आईजीआईएमएस। बता दें पटना समेत राज्य के 6 जिलों में हवाई हमला मॉकड्रिल और ब्लैकआउट का आयोजन किया जाना है।

सीमा पर फेसिंग के लिए सुवेंदु ने दिए जमीन सौंपने के आदेश

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार के गठन के साथ ही सीमा सुरक्षा को लेकर एक कड़ा रुख देखने को मिला है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के कार्य में तेजी लाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। सरकार ने आदेश दिया है कि सीमा के जिन हिस्सों में अभी तक बाड़ (फेंसिंग) नहीं लगी है, वहां कांटेदार तार लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल को 45 दिनों के भीतर जमीन सौंप दी जाए। इस फैसले ने न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पड़ोसी देश बांग्लादेश में भी हलचल पैदा कर दी है।

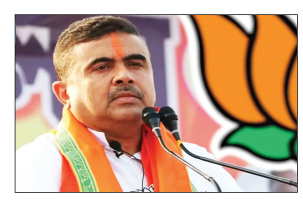

सुवेंदु सरकार के इस प्रशासनिक कदम पर बांग्लादेश की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूँ कबीर ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बांग्लादेश को कांटेदार तारों से डराया नहीं जा सकता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि चुनावी भाषण देना और वास्तविक शासन चलाना दो अलग बातें हैं। ढाका अब यह देख रहा है कि बंगाल की नई सरकार अपने चुनावी वादों को प्रशासनिक फैसलों में किस हद तक बदलती है। कबीर ने यह भी स्पष्ट किया कि बांग्लादेश का प्राथमिक कूटनीतिक संवाद भारत की केंद्र सरकार के साथ होता है, न कि किसी विशेष राज्य सरकार के साथ।

सीमा पर तनाव की स्थिति को देखते हुए बांग्लादेशी सुरक्षा बल भी अलर्ट मोड पर आ गए हैं। बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने बयान दिया है कि बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश को सीमा पर हाई अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी प्रकार की घुसपैठ या पुश-बैक की स्थिति को रोका जा सके। बांग्लादेश ने चेतावनी दी है कि यदि सीमा पर हिंसा या जबरन धकेलने की घटनाएं होती हैं, तो वह चुप नहीं बैठेगा। दरअसल, चुनाव से पहले भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में बंगाल-बांग्लादेश सीमा को पूरी तरह सुरक्षित करने का वादा किया था।

शाह ने कहा था- सीमा पर पुख्ता इंतजाम होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रचार के दौरान घोषणा की थी कि पहली कैबिनेट बैठक में ही सीमा सुरक्षा पर निर्णायक कदम उठाए जाएंगे। सोमवार का फैसला उसी चुनावी वादे की पूर्ति के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में अवैध घुसपैठ और सीमा सुरक्षा का यह मुद्दा भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों के बीच एक नया मोड़ ला सकता है। जहाँ भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अनिवार्य मान रही है, वहीं बांग्लादेश इसे मानवीय और कूटनीतिक दृष्टिकोण से जोड़कर देख रहा है।

विधानसभा चुनाव में लगातार जीत बीजेपी के लिए मरहम, राष्ट्रपति चुनाव में मिलेगा फायदा

–लोकसभा में भले ही बहुमत न मिला हो, दो साल बाद अब मजबूत स्थिति में पार्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए को मिली कम सीटों के दर्द पर विधानसभा चुनाव में लगातार मिल रही जीत मरहम का काम कर रही है। राज्यसभा में लगातार उसकी संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में बीजेपी को फायदा मिलता नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार जैसे बड़े राज्यों की विधानसभाओं पर अपने सहयोगियों के साथ उसका जबरदस्त दबदबा लोकसभा में हुए नुकसान की भरपाई करने में असरदार साबित होगा। यूपी के बाद ये तीनों राज्य राष्ट्रपति चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में बड़ी जगह रखते हैं। लोकसभा में 2024 में उसकी सीटों की संख्या 303 से घटकर 240 रह गई थी। संसद और विधानसभाओं के सभी चुने हुए सदस्य मिलकर निर्वाचक मंडल बनाते हैं।

संसद और विधानसभाओं का वोटिंग में बराबर हिस्सा होता है, लेकिन जहां हर सांसद के वोट का मूल्य एक जैसा होता है, वहीं एक विधायक के वोट का वजन उस विधानसभा द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली आबादी के आकार के आधार पर अलग-अलग होता है। 2022 में यूपी के एक विधायक के वोट का मूल्य 208 था, जो सिक्किम के एक विधायक के वोट के मूल्य से करीब 30 गुना ज्यादा था। अगले साल भी यह आंकड़ा लगभग वैसा ही रहने की संभावना है, क्योंकि जनगणना के आंकड़े स्थिर रहते हैं और विधानसभा की सदस्य संख्या भी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का अस्तित्व भी एक अहम कारक होगा, हालांकि इसका असर मामूली ही होगा।

बता दें लोकसभा में सीटों की संख्या में गिरावट के कारण निर्वाचक मंडल में बीजेपी के वोटों में 44,100 की कमी आई। 2022 में निर्वाचक मंडल की कुल सदस्य संख्या 10,86,431 थी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को भले ही बहुमत न मिला हो लेकिन दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद वह अब काफी मजबूत स्थिति में है। राष्ट्रपति चुनावों में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अहम है, जहां विधायकों के वोटों का कुल भार 83,800 से ज्यादा है। लोकसभा चुनावों के बाद जब बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा पार करने के लिए बीजेपी को टीडीपी और जेडीयू पर निर्भर रहना पड़ा तो विपक्ष ने तुरंत इन दोनों क्षेत्रीय पार्टियों को बीजेपी के अस्तित्व के लिए बैसाखी करार दिया।

इसके अलावा, 288 सदस्यों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में एनडीए की ताकत पिछले राष्ट्रपति चुनावों के समय के 150 से बढ़कर 237 तक पहुंच गई है और 243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा में यह 125 से बढ़कर 202 हो गई है। अब पश्चिम बंगाल में उसके पास 77 के मुकाबले 207 विधायक हैं। अगले साल जुलाई में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों से पहले सबसे ज्यादा अहमियत यूपी की है, क्योंकि निर्वाचक मंडल में उसके वोटों का वजन 83,800 से भी ज्यादा है।

डाकघर की एमआईएस, पति-पत्नी मिलकर पाएं हर महीने 9,250 की निश्चित आय

सुरक्षित सरकारी स्कीम, 7.4 फीसदी वार्षिक ब्याज और 5 साल में पूरा मूलधन वापस

नई दिल्ली ।

डाकघर मासिक आय योजना (एमआईएस) केंद्र सरकार द्वारा समर्थित एक विश्वसनीय बचत योजना है, जो निवेशकों को एकमुश्त जमा पर हर महीने तय आय प्रदान करती है। यह योजना विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नियमित मासिक आय चाहते हैं, जैसे सेवानिवृत्त व्यक्ति, गृहिणियां या सुरक्षित निवेश की तलाश कर रहे परिवार। इसमें निवेश की गई पूरी रकम मैच्योरिटी पर वापस मिल जाती है। फिलहाल, इस स्कीम पर 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज दिया जा रहा है, जिसकी राशि हर महीने सीधे आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में जमा हो जाती है। यह योजना कम जोखिम के साथ एक स्थिर आय का स्रोत प्रदान करती है। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। अधिकतम निवेश सीमा सिंगल अकाउंट के लिए 9 लाख रुपए और जॉइंट अकाउंट के लिए 15 लाख रुपए तय की गई है। पति-पत्नी मिलकर जॉइंट अकाउंट खोलकर इस योजना का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं। उदाहरण के लिए, यदि पति-पत्नी मिलकर जॉइंट अकाउंट में अधिकतम 15 लाख रुपए जमा करते हैं, तो मौजूदा 7.4 फीसदी ब्याज दर के हिसाब से उन्हें हर महीने लगभग 9,250 रुपए की निश्चित आय प्राप्त होगी। इस तरह निवेशक को हर महीने बिना किसी जोखिम के तय इनकम मिलती रहेगी। पोस्ट ऑफिस एमआईएस स्कीम की मैच्योरिटी अवधि 5 साल होती है, जिसके बाद निवेश की गई पूरी रकम वापस मिल जाती है। इस योजना में निवेश के लिए पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट का होना अनिवार्य है।

भारत वैश्विक पहचान के लिए मेड इन इंडिया ब्रांडिंग योजना लॉन्च करेगा

स्टील सेक्टर में सफल पायलट के बाद व्यापक योजना तैयार

नई दिल्ली ।

भारतीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर सशक्त पहचान दिलाने के लिए सरकार जल्द ही एक व्यापक 'मेड इन इंडिया' ब्रांडिंग योजना शुरू करने जा रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के एक अे धिकारी बताया कि स्टील क्षेत्र में प्रायोगिक परियोजना की सफलता के बाद यह पहल की जा रही है, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक सम्मेलन में भाटिया ने कहा कि यह योजना लंबे समय से लंबित थी और अब इसे आखिरकार लॉन्च किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात क्षेत्र में चलाई गई प्रायोगिक परियोजना के परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं। सरकार अब उद्योग के साथ उन क्षेत्रों पर चर्चा करेगी जहां इसे लागू किया जा सकता है, लेकिन इसका ढांचा तैयार है। इसी कार्यक्रम में एक अलग सत्र में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने भारत की औद्योगिक नीति को व्यापार नीति का पूरक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक ऐसी औद्योगिक नीति की आवश्यकता है जो कुछ आयातों को घरेलू उत्पादों से प्रतिस्थापित करे और देश में आर्थिक विकास को गति दे। यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागरिकों से आयातित वस्तुओं की खपत कम करने के आग्रह के एक दिन बाद आई है, जिसका उद्देश्य पश्चिम एशिया युद्ध के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बीच विदेशी मुद्रा की मांग को कम करना है।

हुंडई मोटर इंडिया का शेयर 3 फीसदी बढ़कर 1,907 पर पहुंचा

30 फीसदी तक अपसाइड के साथ कई नई एसयूवी-ईवीएस पाइपलाइन में

नई दिल्ली ।

हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) का शेयर करीब 3 फीसदी उछलकर 1,907 पर पहुंच गया। कंपनी के मजबूत एसयूवी पोर्टफोलियो और आगामी मॉडल लॉन्च योजनाओं को देखते हुए ब्रोकरेज हाउसेज ने इसमें जोरदार तेजी की उम्मीद जताई है। मार्च तिमाही में एचएमआईएल की आय 5 फीसदी बढ़कर 189.2 रुपए अरब रही, जिसमें घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों में करीब 9 फीसदी की वृद्धि हुई। कच्चे माल व नए प्लांट की शुरुआती लागत से मार्जिन दबाव में रहा, लेकिन अन्य आय ने मुनाफे को अनुमान से बेहतर बनाए रखा। कंपनी अगले कुछ सालों में एक नई मिड-साइज एसयूवी और कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी समेत कई मॉडल लॉन्च करेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,456, निफ्टी 436 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,456.04 अंक गिरकर 74,559.24 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आ रही तेजी से आई है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से भी बाजार टूटा है। आज सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाइटन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरे जबकि केवल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में ही तेजी रही। जानकारों के अनुसार पश्चिम एशिया में संघर्ष के बढ़ने और तेल एवं गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं से बाजार धारणा प्रभावित हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को खारिज किये जाने से भी बाजार में अनिश्चितता आई है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला । सुबह के कारोबार में निफ्टी 0.45 फीसदी की गिरावट के साथ 23,716.25 पर पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स 0.53 फीसदी टूटकर 75,614.93 के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का एसएसई कम्पोजिट गिरावट में जबकि जापान का निक्की 225 और हांगकांग का हैंग बढ़त में रहे।

रुपया डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर

मुंबई ।

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 35 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.63 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव एवं समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.57 पर खुला और फिर टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 95.63 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 35 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 79 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 95.28 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.14 पर रहा।

एलपीजी का उत्पादन 54,000 टन प्रतिदिन तक बढ़ाया गया- पुरी

प्रधानमंत्री ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए सावधानी बरतने की सलाह दी

नई दिल्ली।

तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के बावजूद देश में ईंधन की कोई कमी न होने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि सरकार ने एलपीजी उत्पादन को 35,000-36,000 टन प्रतिदिन से बढ़ाकर 54,000 टन प्रतिदिन कर दिया है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से मितव्ययिता बरतने और आर्थिक दबाव कम करने के लिए सावधानी बरतने की अपील की है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन में पुरी ने कहा कि देश के पास 69 दिन का कच्चे तेल एवं एलएनजी तथा 45 दिन का एलपीजी भंडार मौजूद है। उन्होंने प्रधानमंत्री की मितव्ययिता की अपील को पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न राजकोषीय दबाव को कम करने के उपायों पर विचार करने का संकेत बताया। रविवार को प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से पश्चिम एशिया संकट के प्रतिकूल प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए मितव्ययिता बरतने का आग्रह किया था। उन्होंने पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की वकालत की। इसके अतिरिक्त, विदेशी मुद्रा बचाने के लिए एक वर्ष के लिए सोने की खरीद और विदेश यात्राओं को टालने की सलाह भी दी गई।

भारत 2030 तक 1500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखे अमिताभ कांत

ऊर्जा स्वतंत्रता और वैश्विक हरित केंद्र के लिए आह्वान

नई दिल्ली ।

पूर्व जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने भारत को स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करने का आह्वान किया है। उन्होंने सुझाव दिया कि देश को वर्ष 2030 तक अपनी स्वच्छ ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 500 गीगावाट से बढ़ाकर 1,500 गीगावाट करना चाहिए। कांत ने इस कदम को भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और उसे वैश्विक हरित ऊर्जा का एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए आवश्यक बताया। कांत ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक परिचर्चा सत्र में कहा कि भारत का ऊर्जा बदलाव अब केवल जलवायु उद्देश्य नहीं रहा, बल्कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और आपूर्ति व्यवधानों के बीच एक रणनीतिक और भू-राजनीतिक अनिवार्यता बन गया है। उन्होंने देश की 85 फीसदी जीवाश्म ईंधन और लगभग 50 फीसदी गैस मांग के लिए आयात पर निर्भरता पर प्रकाश डालते हुए मौजूदा लक्ष्यों को महत्त्वाकांक्षा की कमी वाला बताया। कांत ने देश को पेट्रोल राज्य से एक इलेक्ट्रिक राज्य में बदलने का आह्वान करते हुए पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए आक्रामक समय-सीमा का प्रस्ताव रखा। इसके तहत 2027 के बाद दोपहिया व तिपहिया वाहनों, 2030 के बाद बसों व ट्रकों और 2032 के बाद चारपहिया वाहनों के पंजीकरण को

बंद करने का सुझाव दिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अपर्याप्त पारेषण बुनियादी ढांचा ऊर्जा परिवर्तन में बड़ी बाधा है, जिससे लगभग 31 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता ठप पड़ी है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग बढ़ने से पहले वितरण कंपनियों के साथ मिलकर पारेषण लाइनें, ग्रिड और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने का आग्रह किया

निजी अस्पतालों में इलाज करवाना हुआ 10 गुना महंगा रिपोर्ट

सरकारी अस्पतालों में भी तीन गुना बढ़ा खर्च, ग्रामीण मरीजों पर भारी पड़ा इलाज का बोझ

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसएसओ) की स्वास्थ्य पर घरेलू सामाजिक खपत पर आधारित एक ताजा सर्वेक्षण रिपोर्ट ने चिंताजनक आंकड़े पेश किए हैं। बीते तीन दशकों में देश के निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लगभग दस गुना तक बढ़ गया है, जो 1995-96 में 4,822 रुपये से बढ़कर 2025 तक 50,508 रुपये हो गया है। यह भारी वृद्धि न केवल निजी बल्कि सरकारी अस्पतालों में भी देखी गई है, जहां इलाज का खर्च 2,138 रुपये से बढ़कर 6,631 रुपये हो गया है, जो तीन गुना इजाफे को दर्शाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, निजी और सरकारी अस्पतालों के बीच इलाज के खर्च का अंतर अब काफी बढ़ गया है; जो पहले दोगुना था, अब मरीजों को निजी अस्पतालों में सरकारी के मुकाबले सात गुना से अधिक पैसा अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है। सर्वेक्षण में एक और महत्वपूर्ण बदलाव की ओर इशारा किया गया है। इन तीन दशकों में पहली बार सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले ग्रामीण मरीजों का अपनी जेब से होने वाला खर्च शहरी मरीजों से अधिक पाया गया है। विशेषकर, ग्रामीण परिवारों में सबसे निचले 20 प्रतिशत आय वर्ग में अस्पताल में भर्ती होने की लागत शहरी समकक्षों से ज्यादा है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि राज्यों में यह खर्च अलग-अलग हो रहा है, जहां

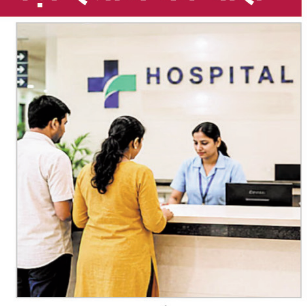

सबसे अधिक और सबसे कम खर्च वाले राज्यों के बीच लगभग तीन गुना का अंतर दर्ज किया गया है।

फैक्टल एनालिटिक्स का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 116 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

कृत्रिम मेधा (एआई) कंपनी फ्रैक्टल एनालिटिक्स का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मुनाफा दोगुना से अधिक होकर 116 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 55.5 करोड़ रुपये था।फ्रैक्टल एनालिटिक्स के एक अे धिकारी ने कहा कि इस वृद्धि का नेतृत्व स्वास्थ्य देखभाल और जीवन विज्ञान खंड ने किया, जिसमें चौथी तिमाही में 82 प्रतिशत और समूचे वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। इसके बाद बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा खंड में पूरे वर्ष में 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 17 प्रतिशत बढ़कर 886 करोड़ रुपये हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 757.5 करोड़ रुपये थी। अमेरिका क्षेत्र का कंपनी के कुल राजस्व में 68 प्रतिशत योगदान है। इस तिमाही के दौरान इसमें सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यूरोप का योगदान कंपनी के कुल राजस्व में 18 प्रतिशत रहा और जनवरी-मार्च तिमाही में इसमें सालाना आधार पर 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मूडीज ने घटाया भारत की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान, 2026-27 के लिए 6 फीसदी पर स्थिर

निजी खपत और औद्योगिक सुस्ती, उच्च ऊर्जा लागत बनी मुख्य वजह

नई दिल्ली ।

मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में कटौती की घोषणा की है। एजेंसी ने 2026 और 2027 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर को 6 प्रतिशत पर संशोधित किया है, जिसका मुख्य कारण निजी खपत और औद्योगिक गतिविधियों में कमी के साथ-साथ बढ़ती ऊर्जा लागत है। वैश्विक साख निर्धारण एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने अपनी ग्लोबल मैक्रो आउटलुक के मई संस्करण में 2026 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 0.8 प्रतिशत अंक घटाकर छह प्रतिशत कर दिया है। इसके अतिरिक्त, कैलेंडर वर्ष 2027 के लिए भी जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में 0.5 प्रतिशत अंक की कटौती करते हुए इसे छह प्रतिशत पर ला दिया गया है।मूडीज ने इस संशोधन के पीछे निजी खपत में सुस्ती, औद्योगिक गतिविधियों में नरमी और लगातार ऊंची बनी हुई ऊर्जा लागत को प्रमुख कारण बताया है। एजेंसी ने यह भी चेताया कि अगले छह महीनों में ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी तथा ईंधन एवं उर्वरक की कमी का असर विभिन्न देशों पर उनकी निर्भरता और लचीलेपन के आधार पर अलग-अलग होगा। एजेंसी के अनुसार वैश्विक परिदृश्य अत्यधिक अनिश्चित बना हुआ है। मूडीज ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि भारत ऊंची तेल कीमतों

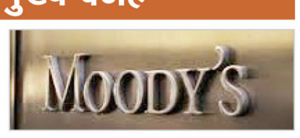

के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 90 प्रतिशत आयात करता है। हालांकि, एजेंसी ने यह भी उम्मीद जताई है कि ऊर्जा आपूर्ति में सुधार और शिपिंग प्रवाह के सामान्य होने के साथ ये दबाव धीरे-धीरे कम होंगे, जिससे आर्थिक गतिविधियों में सुधार आएगा।

नासिक में प्याज किसान आक्रोशित, नंदगांव मंडी समिति भंग करने की मांग

ट्रैक्टर भर प्याज फेंककर जताया विरोध, समिति पर निष्क्रियता का आरोप

नासिक ।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में प्याज की कीमतों में भारी गिरावट के चलते किसानों का गुस्सा भड़क उठा है। मंगलवार को किसानों के एक संगठन ने नंदगांव कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) को तत्काल भंग करने की मांग की, आरोप लगाया कि यह समिति प्याज की नीलामी कराने में बुरी तरह विफल रही है। उत्पादकों का कहना है कि उन्हें लागत और परिवहन खर्च भी नहीं मिल पा रहा है। इसी विरोध के तहत, सोमवार को किसानों ने नंदगांव एपीएमसी परिसर के बाहर ट्रैक्टर-भर प्याज फेंककर प्रशासन और व्यापारियों के खिलाफ नारेबाजी की थी। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने आरोप लगाया कि बाजार समिति निष्क्रिय हो चुकी है और संचालन पर कोई प्रशासनिक नियंत्रण नहीं है। औसत प्याज 800-1,000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा है, जबकि कुछ किस्मों की कीमत 1 से 4 रुपये प्रति किलोग्राम तक गिर गई है। संघ ने कहा, यदि समिति किसानों की उपज की नीलामी नहीं कर सकती, तो उसे भंग कर प्रशासक नियुक्त किया जाए और लापरवाह अधिकारियों को निलंबित किया जाए।

किसानों का कहना है कि नीलामी प्रक्रिया में बाधा से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। संघ ने जल्द राहत न मिलने पर आंदोलन तेज करने की धमकी दी है।

गोवा सरकार का श्रमिक कल्याण पैकेज उद्योग और संगठन ने सराहा

मुख्यमंत्री सावंत की घोषणाएं; मृत व घायल श्रमिकों को सहायता, बच्चों की शिक्षा

पणजी ।

गोवा सरकार द्वारा श्रमिक वर्ग के लिए घोषित व्यापक कल्याणकारी योजनाओं का राज्य के श्रमिक संगठनों, उद्योग प्रतिनिधियों और स्वयं श्रमिकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया है। इन पहलों को कार्यबल को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने 1 मई को गोवा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले श्रमिक वर्ग के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री सावंत द्वारा घोषित योजनाओं में मृत श्रमिकों के परिवारों को 50,000 रुपये और कार्यस्थल पर घायल श्रमिकों को 25,000 रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण, बुजुर्ग माता-पिता के लिए चिकित्सकीय सहायता, बच्चों की प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग और ट्यूशन फीस प्रतिपूर्ति जैसे कदम भी उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दुर्घटना बीमा भी सुनिश्चित किया गया है। राज्य ने 20 श्रमिकों को श्रम गौरव श्रमिक मित्र पुरस्कार से सम्मानित भी किया। दीर्घकालिक सेवा को प्रोत्साहित करते हुए, 20

वर्ष से अधिक की सेवा वाले श्रमिक 15,000 रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिससे अब तक 1.4 लाख से अधिक श्रमिक लाभान्वित हुए हैं। एक उद्योग प्रतिनिधि ने इन पहलों को सरकार की श्रमिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि डिजिटल कौशल आज की दुनिया में आवश्यक हैं और प्रशिक्षण शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति से श्रमिकों की रोजगार क्षमता बढ़ेगी। श्रमिक नेताओं ने भी इन कदमों का स्वागत करते हुए विशेष रूप से 15,000 रुपये के प्रोत्साहन, गंभीर बीमारी के दौरान वित्तीय सहायता और एमबीबीएस-इंजीनियरिंग जैसे पेशेवर पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे बच्चों के लिए शैक्षिक सहायता जैसे लाभों को सराहा। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं श्रमिकों का चिकित्सा खर्च के लिए भविष्य निधि ऋण पर निर्भरता कम करेंगी। विभिन्न क्षेत्रों के श्रमिकों ने भी इन उपायों पर खुशी व्यक्त की है।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था के मापन पर जोर, मोस्पी लाएगा नया इंडेक्स

डिजिटल और रचनात्मक क्षेत्र बन रहे विकास के नए इंजन

नई दिल्ली ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (मोस्पी) के एक अे धिकारी ने भारत की तेजी से बढ़ती रचनात्मक अर्थव्यवस्था के भविष्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए इसके मापन और औपचारीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल और रचनात्मक क्षेत्र अब कृषि और विनिर्माण के बराबर आर्थिक वृद्धि के केंद्र में आ गए हैं।

उन्होंने रचनात्मक अर्थव्यवस्था को सेवा क्षेत्र का अभिन्न अंग बताया, जिसके लिए समर्पित मापन प्रणाली जरूरी है। इस बढ़ते महत्व को देखते हुए, मंत्रालय इस महत्वपूर्ण खंड को मापने के लिए एक इंडेक्स ऑफ सर्विस प्रोडक्शन बनाने की कवायद कर रहा है।

गर्ग ने स्पष्ट कहा, हमें जो हम करते हैं, उसके मापन की जरूरत है।

उन्होंने रचनात्मकता को 2025 में नॉलेज इकॉनमी पर गठित विशेषज्ञों के समूह से जोड़ा, जहां अनुसंधान, विकास,

सॉफ्टवेयर और कलात्मक/मनोरंजन जैसे बौद्धिक संपदा (आईपी) महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूपीओ) का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि अमूर्त वृद्धि के मामले में भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 6.6 प्रतिशत की सबसे तेज गति से बढ़ रहा है।

ग्लोबल इनोवेशन रैंकिंग में भी भारत 2015 के 81वें स्थान से 2025 में 38वें स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन इसके बावजूद आईपी फाइलिंग में अभी भी पीछे है।

गर्ग ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान आंकड़े हमारी अर्थव्यवस्था के वास्तविक पैमाने से काफी कम हैं।

सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन

रोग की जड़ तक पहुंचाने का पेशा

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन को ही सोनोग्राफर कहा जाता है। पैरामेडिकल क्षेत्र के ये पेशेवर कुछ विशेष उपकरणों की मदद से मरीजों के रोगग्रस्त अंगों की तस्वीरें लेते हैं। सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स (उच्च फ्रिक्वेंसी वाली ध्वनि तरंगें) उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

इसी तरह इस प्रक्रिया को संपन्न करने वाले पेशेवरों को सोनोग्राफर कहा जाता है। जिन सोनोग्राफरों के पास इमेजिंग और रक्त शिराओं का टेस्ट करने में विशेषज्ञता होती है, उन्हें वस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कहा जाता है। सोनोग्राफी की जरूरत रोगी के शरीर (खासकर रोगप्रभावित अंग) को अंदर से देखने की यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें शरीर के साथ किसी भी तरह की चीर-फाड़ करने की जरूरत नहीं होती। सोनोग्राफी की इस खासियत के कारण इसका इस्तेमाल शरीर के कई अंगों मसलन पेट, स्तन, हृदय, रक्त नलिकाओं, प्रजनन संबंधी अंगों और पौरुष ग्रंथि आदि की जांच के लिए किया जाता है।

हृदय रोगों, हृदयाघात और नाड़ी संबंधी रोगों की पहचान और उनके उपचार में सोनोग्राफी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। यही नहीं कैंसर की जांच के लिए होने वाले बायोप्सी टेस्ट में भी सोनोग्राफी मददगार साबित हो रही है। कैंसर की आशंका वाले अंग में बीमारी का पता लगाने के लिए एक बारीक सुई की सहायता से संबंधित अंग से कोशिकाओं (सेल) का थोड़ा-सा नमूना लिया जाता है, जिसकी बाद में प्रयोगशाला में जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान जब सुई को शरीर में प्रवेश कराया जाता है, तब सोनोग्राफी के माध्यम से ही देखा जाता है कि सुई तय स्थान पर पहुंच रही है या नहीं। स्पेशलाइजेशन के क्षेत्र (सोनोग्राफी में) ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिक सोनोग्राफी एब्डोमिनल सोनोग्राफी (लीवर, किडनी, गालब्लैडर और पैनक्रियाज) न्यूरोसोनोग्राफी (मस्तिष्क) ब्रेस्ट सोनोग्राफी वस्कुलर सोनोग्राफी (ब्लड वेसल्स) कार्डियक सोनोग्राफी (हर्ट) सोनोग्राफर का काम अस्पताओं, नर्सिंग होम और तमाम छोटे-बड़े चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफर को नियुक्त किया जाता है। वहां वह अपने नियोक्ता संस्थान की जरूरत के अनुसार डायग्नोस्टिक इमेजिंग डिपार्टमेंट, ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू (इंटेंसिव केअर यूनिट) आदि में डॉक्टरों और नर्सो के साथ काम करना होता है। उनके काम का मुख्य हिस्सा होता है,

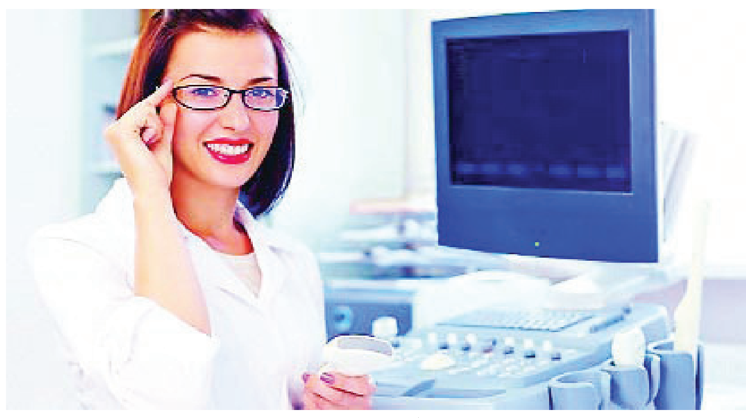

सोनोग्राफी के लिए उपकरणों को व्यवस्थित करना और मरीजों को सही पोजिशन में आने के लिए निर्देशित करना, ताकि बेहतर जांच रिपोर्ट मिल सके। इसके अलावा वह सोनोग्राफी के दौरान स्क्रीन पर यह भी देखते हैं कि रोगी के जिस अंग का चित्र (इमेज) लिया गया है, उससे रोग की पहचान संभव होगी या नहीं। वह लिए गए कई चित्रों में से उन्हीं चित्रों को अंतिम रूप से चुनते हैं, जिनके आधार पर डॉक्टर मरीज में रोग के होने या न होने के निष्कर्ष तक पहुंच सकें। सोनोग्राफर को अपने मूल कार्यो के अलावा कुछ अतिरिक्त कार्य भी करने होते हैं। इनमें रोगियों के रिकॉर्ड को रखना, उपकरणों का रख-रखाव और मरीजों को जांच के लिए समय देना आदि शामिल होता है। कई बार उन्हें पूरे डायग्नोस्टिक इमेजिंग विभाग के प्रबंधन संबंधी कार्यो को भी देखना होता है।

योग्यता

देश के कई शिक्षण संस्थानों में सोनोग्राफी के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। यहां से सर्टिफिकेट से लेकर बैचलर डिग्री तक हासिल की जा सकती है। सोनोग्राफर बनने के लिए संबंधित विषय क्षेत्र में कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स पास होना जरूरी है।

जरूरी गुण

» निरीक्षण करने की बेहतर दृष्टि
» अच्छा संवाद कौशल
» मरीजों के प्रति नरम रवैया
» लंबे समय तक काम करने की शारीरिक क्षमता
» अपने क्षेत्र की नई तकनीकों की जानकारी धैर्य और सहनशीलता
» रोगियों का विश्वास जीतने का हुनर

चुनौतीपूर्ण पेशा है मसाज थेरेपिस्ट

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए खुलकर सांस ले पाना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ती स्पर्धा के कारण कम या ज्यादा तनाव का रहना भी रोजमर्रा की बात हो गई है। दैनिक जीवन से जुड़ी इन थका देने वाली समस्याओं से पार पाने के लिए लोग नए उपायों को तलाश रहे हैं। मसाज ऐसा ही एक उपाय है, जो व्यक्ति को आराम पहुंचाकर उसे फिर से ऊर्जा से भर देता है। अगर आप उपचार की वैकल्पिक पद्धतियों में विश्वास करते हैं और अपने हाथों से काम करने में खुशी महसूस करते हैं, तो आप मसाज थेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं।

मसाज की शुरुआत

उपचार की एक विधा के रूप में मसाज के प्रयोग का आरंभ जिन परंपराओं और तकनीकों से हुआ, उनके प्रमाण प्राचीन इतिहास में मिलते हैं। भारत में मसाज थेरेपी की शुरुआत करीब तीन हजार ईसा पूर्व में हुई थी। आधुनिक समय में मसाज के लाभकारी प्रभावों को नए सिरे से तलाशा जा रहा है। मसाज थेरेपी की उपयोगिता के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस वजह से वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित उद्योग क्षेत्र (वेल्नेस इंडस्ट्री) के दायरे में भी वृद्धि हुई है। नतीजा पेशेवर मसाज थेरेपिस्टों की मांग भी पैदा हो रही है।

पेशे के रूप में मसाज थेरेपिस्ट के काम को देखें, तो यह एक ऐसा कार्य है, जो अच्छी कमाई के साथ-साथ क्लाइंट (मसाज कराने वाले) से दुआएं और शुभकामनाएं पाने का मौका देता है। लोग किसी मसाज थेरेपिस्ट के पास इसलिए जाते हैं, ताकि वह तनाव और चिंता से मुक्त होकर शारीरिक और मानसिक सुकून हासिल कर सकें। उम्मीद के मुताबिक मसाज थेरेपिस्ट की सेवा का लाभ मिलने पर क्लाइंट खुद को इतना आनंदित महसूस करते हैं कि संबंधित थेरेपिस्ट के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करने लगते हैं।

मसाज थेरेपिस्ट का कार्य

मसाज के दौरान उंगुलियों, हथेलियों और कोहनी का इस्तेमाल करके क्लाइंट के शरीर की मालिश की जाती है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, तंत्रिकाओं की सक्रियता बढ़ती है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। इन लाभों की वजह से ही मसाज थेरेपी का प्रयोग तनाव, थकान, पुरानी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण शरीर को पहुंची चोटों के ईलाज में किया जाता है। मसाज थेरेपिस्ट अपना काम शुरू करने से पहले मसाज के लिए आने वाले मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री, खानपान और जीवनशैली से जुड़ी आदतों का अध्ययन करते हैं। फिर अपने निष्कर्षो के आधार पर थेरेपिस्ट संबंधित क्लाइंट के लिए उपचार की एक योजना (ट्रीटमेंट प्लान) तैयार करते हैं। क्लाइंट के शारीरिक लक्षणों और उपचार के प्रभाव को देखते हुए वह उपचार योजना में बदलाव भी करते हैं। मसाज के लिए थेरेपिस्ट कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कभी वह क्लाइंट के तनाव को कम करने के लिए मसाज के दौरान शरीर के कुछ भागों पर अतिरिक्त दबाव देते हैं, तो कभी खास औषधीय गुण वाले तेलों का प्रयोग करते हैं। रोग की प्रकृति के अनुसार मसाज थेरेपी की अवधि भी अलग-अलग होती है। यह कुछ महीने से लेकर सालभर तक हो सकती है। उपचार के बाद थेरेपिस्ट अपने क्लाइंट को बेहतर दिनचर्या और स्वास्थ्य के लिए जरूरी सलाह भी देते हैं। वह क्लाइंट के स्वास्थ्य और उपचार से संबंधित विस्तृत रिकॉर्ड भी रखते हैं, जो जरूरत के समय क्लाइंट के डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट के लिए मददगार साबित होते हैं। यह पेशा काम के लंबे घंटों की मांग करता है। क्लाइंट की आवश्यकता और उनकी संख्या के अनुसार लगातार घंटों तक काम करना पड़ सकता है। कई बार साप्ताहिक अवकाश और शाम के समय भी काम करना पड़ जाता है। आमतौर पर किसी एक क्लाइंट के मसाज पर 45 मिनट से दो घंटे तक का वक्त देना पड़ता है। समय की यह अवधि क्लाइंट की चिकित्सकीय जरूरत पर निर्भर करती है।

रोजगार के अवसर

मसाज थेरेपिस्ट को स्पा, ब्यूटी सलून, हॉलिस्टिक हेल्थ क्लिनिक, फिटनेस सेंटर में नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा उन्हें खिलाड़ियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए खेल टीमों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी रखा जाता है। नौकरी करने का मन न होने पर मसाज थेरेपिस्ट स्वतंत्र रूप से भी काम कर सकते हैं। अपनी इस भूमिका में वह क्लाइंट के घर जाकर या उसके कार्यस्थल पर पहुंचकर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

मसाज के हैं कई प्रकार

» अरोमाथेरेपी मसाज » थाई मसाज » हॉट स्टोन मसाज
» आयुर्वेदिक मसाज » रिफ्लेक्सोलॉजी शिअत्सु

आसान नहीं चॉकलेट-टेस्टर का जॉब

सोचिए, अगर हर दिन आपको चॉकलेट टेस्ट करने को मिले और इसके लिए आपको पैसा भी मिले, तो कितना मजा आए! चॉकलेट टेस्टर ऐसे ही प्रोफेशनल होते हैं, जिनका काम अलग-अलग फ्लेवर के चॉकलेट्स को चखना होता है। खाने की कोई चीज टेस्ट करना स्वाद के शौकीनों के लिए हमेशा से आकर्षक होता है। ऐसे में, जिन्हें चॉकलेट से लगाव है, वे चॉकलेट टेस्टर के रूप में करियर संवार सकते हैं।

हालांकि चॉकलेट टेस्टर सिर्फ चॉकलेट का स्वाद ही नहीं जांचता, वह विभिन्न कैंडीज की जांच भी करता है कि उनमें चॉकलेट की कोटिंग की चमक-दमक सही है या उसमें किसी तरह की दरार तो नहीं है। साथ ही, वह चॉकलेट की महक को भी चेक करता है। टेस्टर चॉकलेट की बाइट लेकर कुछ सेकंड के लिए मुंह में रखता है और घुलने के देकर उसका पूरा फ्लेवर लेता है। वह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि घुलने के बाद चॉकलेट पूरे मुंह में फैल जाती हो, सिर्फ एक तरफ न रहती हो। मगर यह इतना टेस्टी मामला भी नहीं होता। चॉकलेट टेस्टर को कई बार खराब चॉकलेट भी टेस्ट करना पड़ जाता है!

कई बार टेस्टर दिन भर किसी छोटे-से कमरे में बंद रहता है और वहां लाल लाइट जलती रहती है, ताकि उसे चॉकलेट की पहचान न हो पाए और वह सही मूल्यांकन कर सके। एख टेस्टर को दिन भर में 25 से 30 तरह के चॉकलेट टेस्ट करने पड़ सकते हैं। सोचिए, जीभ की क्या हालत होती होगी! चॉकलेट टेस्टिंग वास्तव में एक कला है, जो नियमित अभ्यास मांगती है। इसके बाद ही कोई इसमें कुशलता हासिल कर सकता है। चॉकलेट एक ऐसा उत्पाद है, जिसका बाजार कभी खत्म नहीं हो सकता। चॉकलेट टेस्टिंग अब एक बेहतर प्रोफेशन का रूप ले चुका है। अगर आप चॉकलेट टेस्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कुछ स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग हासिल करनी होगी। किसी संस्थान से कोर्स करने के बाद आप किसी एक्सपर्ट चॉकलेटियर के साथ ट्रेनी के रूप में जुड़ सकते हैं, ताकि इस फील्ड में और अनुभव हासिल हो। इसके बाद आप किसी चॉकलेट प्रोडक्शन कंपनी में जॉब कर सकते हैं।

स्किल – उम्मीदवार को चॉकलेट के फ्लेवर, टेक्सचर, वह कैसे मेल्ट, मोल्ड और टैम्पर होती है, इसकी जानकारी होनी चाहिए। उसके पास बेसिक कुकिंग स्किल तथा धैर्य होना चाहिए। साथ ही उसे खुले दिमाग का होना चाहिए। उसे बारीकी पर ध्यान देना आना चाहिए। अपने काम के प्रति पैशन होना बहुत जरूरी है।

कोर्स – भारत में चॉकलेट टेस्टर के लिए स्पेशलाइज्ड कोर्स चलाने वाले कुछ ही संस्थान हैं। इन कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है। वैसे अब ग्रेजुएशन के बाद किए जाने वाले कई कोर्स भी उपलब्ध हैं। 12वीं के बाद आप न्यूट्रिशन एंड फूड टेक्नोलॉजी या अप्लाइड साइंस इन फूड टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकते हैं, जिसके तहत चॉकलेट के सिलेक्शन, प्रिजर्वेशन, प्रोसेसिंग, पैकेट डिस्ट्रिब्यूशन, न्यूट्रिशन आदि की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज के तहत विद्यार्थी को योरप, अमेरिका आदि की चॉकलेट्स की विभिन्न वैरायटी, चॉकलेट का इतिहास, कोको बीन्स, टेस्टिंग, चॉकलेट के एडेड फ्लेवर्स, डिपिंग, टेम्परिंग, मोल्डिंग, डेकोरेटिंग आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी – शुरूआती दौर में चॉकलेट टेस्टर को 20,000 रुपए महीने की सैलरी मिल सकती है। उसके बाद अनुभव एवं काम के आधार पर यह बढ़ती जाती है। अगर विदेश जाते हैं, तो और भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और केकेआर का मुकाबला

रायपुर (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवारा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा।

आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। अंक तालिका में आरसीबी 14 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। वहीं केकेआर 9 अंक लेकर काफी पीछे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इस मैच में अगर केकेआर हारी तो प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। दोनो ही टीमों की तुलना करें तो आरसीबी का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं केकेआर के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान रजत पाटीदार के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वन कुमार, जैस हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड हैं। टीम के पास क्रुणाल पांड्या जैसा ऑलराउंडर है। क्रुणाल ने इस सत्र में गेंद और बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, सुनील नरेन के अलावा , कैमरन ग्रीन जैसा ऑलराउंडर है। उसकी गेंदबाजी की कमान स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कार्तिक त्यागी के पास रहेगी। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुनील नरेन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 36 मुकाबले हुए हैं। इसमें से केकेआर ने 20 जबकि आरसीबी ने 15 जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू: विराट कोहली, जैकब बैथल/फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, रसिख सलाम डार।, इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, इम्पैक्ट प्लेयर- फिन एलन

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। क्रुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था। अब तक उन्होंने 5 एकदिवसीय और 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 5 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 65 के प्रभावशाली औसत और 101.56 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 58 रन हैथा। वहीं घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 98 मैचों में 3001 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 38.47 और स्ट्राइक रेट 88.03 रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाये हैं। एक ऑलराउंडर के रूप में, उन्होंने 118 विकेट भी लिए हैं। इन आंकड़ों और आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, क्रुणाल चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है । उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेऑफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी200 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आंकलन चाहिए। लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ खेलेंगे?

चेन्नई सुपर किंग्स के अगले मैच से पहले मिला बड़ा संकेत

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी के बाकी टीम के साथ लखनऊ जाने की उम्मीद है। हालांकि वह इस मैच का हिस्सा होंगे या नहीं यह बात सामने नहीं आई है। लेकिन इससे CSK फैंस में धोनी को एक बार फिर मैदान में खेलते देखने की उम्मीद जरूर जगी है। CSK इंडियन प्रीमियर लीग (CSK) 2026 के अपने अगले मैच में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) टीम का सामना करेगी जो शुक्रवार 15 मई को एकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली CSK इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना चाहेगी।

धोनी अपनी पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। शुरुआती मैचों में तो वे पूरी तरह से टीम से बाहर थे, लेकिन सीजन के बीच में उन्होंने मुंबई इंडियंस (MI) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) जैसी टीमों के खिलाफ खेले गए 'अवे' (बाहरी) मैचों के लिए टीम के साथ सफर करना शुरू कर दिया था। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि वापसी की कोशिश करते समय उनकी चोट और बढ़ गई थी, जबकि कुछ का मानना था कि वे टीम के मौजूदा तालमेल को बिगाड़ना नहीं चाहते, क्योंकि इस तालमेल ने टीम को अच्छे नतीजे दिए हैं। इसी वजह से वे ष्टस्य के हालिया अरुण जेटली स्टेडियम दौरे का हिस्सा नहीं थे, जहाँ टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी।

रेवस्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी लखनऊ जाने वाली टीम का हिस्सा होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी के कल लखनऊ जाने की संभावना है।' अगर CSK लखनऊ को हराने में कामयाब हो जाती है, तो उसके पास टॉप चार टीमों में जगह बनाने का मौका होगा। स्स्न्र पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। ष्टस्य का इस सीजन में अब सिर्फ एक घरेलू मैच बचा है, जो सोमवार 18 मई को शानदार प्रदर्शन कर रही सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027-28 में शुरु होगी

ऑकलैंड ।भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है ।न्यूजीलैड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027-28 की गर्मियों में शुरू होगा ।बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई ।बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं ।जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है । ।लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर भी है ।जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था ।यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है ।बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो ।हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं ।अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे ।वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंतत : प्रशंसकों को ही लाभ होगा ।उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं ।हमारा लक्ष्य एक ऐसा टूर्नामेंट बनाना है जो शुरुआत से ही यादगार हो ।बोर्ड इसके सफल आयोजन के लिए पूरा प्रयास कर रहा है ।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए अक्षर पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला ।दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत का जश्न मना भी नहीं पायी कि टीम के कप्तान अक्षर पटेल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लग गया है ।आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान जारी कर अक्षर पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है ।इस बयान में कहा गया, 'यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, जो आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत आता है और न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है ।इसलिए अक्षर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है ।'

इस मैच में दिल्ली ने 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज थी ।दिल्ली ने 19वें ओवर में तीन विकेट से जीत हासिल की ।यह इस सत्र में उनकी पांचवीं जीत है ।इसके साथ ही टीम के 12 मैचों में 10 अंक हो गए हैं ।इस जीत से कैपिटल्स अंक तालिका में एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गई है ।अक्षर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया ।कैपिटल्स से पहले भी इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए कई टीमों के कप्तानों पर जुर्माना लगा है ।

पंड्या की जगह पर बुमराह को कप्तान बनाये मुम्बई : मांजरेकर

मुम्बई ।मुम्बई इंडियंस के आईपीएल के 19 सत्र से बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं ।प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए हार्दिक को कप्तानी से हटाने की मांगे की है ।इस सत्र में मुम्बई इंडियंस केवल तीन ही मैच जीती है ।पूर्व क्रिकेटर ओर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने किा है कि हार्दिक की जगह पर जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाया जाना चाहिये । मांजरेकर ने कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने नेतृत्व पर पुनर्विचार करते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज बुमराह को टीम की कप्तानी संभालने का अवसर देना चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि मैं बुमराह को भारत की कप्तानी करते देखना चाहता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि कोई भी खेल को उनके जितना बेहतर समझता है, उनकी गेंदबाजी में केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि पूर्वानुमान, बल्लेबाज को पढ़ना, स्थिति को समझना और पिच को जानना भी शामिल है ।उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी तो नहीं मिली पर आईपीएल में जरुर मिलनी चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि जब मुम्बई ने हार्दिक को शामिल किया था, तभी उन्हें कोच आशीष नेहरा को भी ले लेना चाहिये था ।हार्दिक और नेहरा ने गुजरात टाइटंस में एक सफल साझेदारी बनाई थी। मांजरेकर के अनुसार उन्हें हार्दिक पांड्या के अलावा किसी और विकल्प पर भी विचार करना होगा क्योंकि उनकी कप्तानी सफल नहीं रही है। मांजरेकर के अनुसार टेस्ट कप्तान की तुलना में आईपीएल में कप्तानी करना बुमराह के लिए अपेक्षाकृत आसान होगा ।इसका कारण है कि इसमें अधिक दबाव नहीं रहता है ।

बंगलादेश ने पाकिस्तान को 104 रन से हराया, नाहिद राणा ने झटके 5 विकेट

ढाका (एजेंसी)। तेज गेंदबाज नाहिद राणा के पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने मंगलवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन 104 रन से जीत हासिल की। बांग्लादेश के 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर सिमट गया जिसमें नाहिद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट चटकाए। चाय के बाद उन्होंने अपने तीन ओवर में पांच रन देकर सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को आउट किया। तेज गेंदबाज तास्किन अहमद ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 40 रन पर दो विकेट चटकाए।

बांग्लादेश को पहली सफलता तास्किन ने दिलाई जब उन्होंने इमाम उल हक (02) को विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराया। पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज अजान अवैस (15) और अब्दुल्ला फजल (66) ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (47 रन पर एक विकेट) ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले अवैस को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा।

नाहिद ने कप्तान शान मसूद (02) को विकेट के पीछे कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 68 रन किया। फजल ने सलमान आगा (26) के साथ पारी को संभाला लेकिन चाय के ब्रेक के बाद बांग्लादेश ने जल्दी-जल्दी दो विकेट लेकर वापसी की। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम (22 रन पर दो विकेट) ने फजल को पगबाधा करके सलमान के साथ उनकी 51 रन की साझेदारी तोड़ी। तास्किन ने सलमान आउट करके पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन किया। शकील (15) और रिजवान (15) ने पाकिस्तान की उम्मीद जगाई लेकिन नाहिद ने तीन ओवर में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

नाहिद ने शाहीन शाह अफरीदी (00) को महमूदुल हसन जॉय के हाथों कैच कराके बांग्लादेश को जीत दिलाई और अपने करियर में दूसरी बार पारी में पांच विकेट भी पूरे किए।

इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के 87 रन की मदद से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 152 रन से करने के बाद दूसरी पारी नौ विकेट पर 240 रन घोषित की। मेजबान टीम ने मुश्किल लक्ष्य देने के लिए आक्रामक रवैया दिखाया जिसमें शंटो ने शानदार प्रदर्शन किया।

हसन अली ने मुशफिकुर रहीम को आउट करके पाकिस्तान को शुरुआती सफलता दिलाई। शंटो ने इसके बाद मोर्चो संभाला और अपनी पारी में सात चौके लगाए। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली (76 रन पर तीन विकेट) ने पगबाधा किया। मेहदी हसन ने 24 रन बनाकर बढ़त को 250 रन के पार पहुंचाया। हसन अली (52 रन पर तीन विकेट) ने तास्किन को इमाम के हाथों कैच कराया जिसके बाद बांग्लादेश ने 76 ओवर बाकी रहते पारी घोषित कर दी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और फिर पाकिस्तान को 386 रन पर आउट करके 27 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिल्टे में शुरू होगा।

विनेश को ट्रायल की अनुमति दिलाने साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से सहायता मांगी

नई दिल्ली ।ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से अपील करते हुए कहा है कि विनेश फोगाट को ट्रायल की अनुमति दिलाने के लिए वे हस्तक्षेप करें ।साक्षी ने कहा कि विनेश को देश के लिए पदक जीतने और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनने का अवसर मिलना चाहिए ।साक्षी ने कहा कि विनेश को कुश्ती महासंघ वापसी के अवसर नहीं दे रहा है ।महासंघ ने विनेश को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है ।साक्षी ने स्वीकार किया कि वह कुछ दिनों से इस पर विचार कर रही थीं, क्योंकि विनेश एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ी विधायक हैं जबकि उनका स्वयं किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है ।अपने वीडियो में साक्षी ने अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के उदाहरण दिए, जो महिला एथलीटों, विशेषकर मां बनने के बाद वापसी करने वाली खिलाड़ियों के लिए नियमों को लचीला बनाते हैं, जिससे वे खेल में बने रहें और अपने देश के लिए पदक जीत सकें ।इसके विपरीत, साक्षी ने भारतीय कुश्ती महासंघ की आलोचना करते हुए कहा कि फेडरेशन ने दो दिन पहले ऐसे नियम लागू कर दिए हैं जो विनेश की वापसी को कठिन बनाते दिख रहे हैं ।उन्होंने प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और कुश्ती महासंघ से विनम्र निवेदन किया कि विनेश का ट्रायल लिया जाए ।साक्षी का मानना है कि इससे विनेश न केवल देश का नाम रोशन करेंगी, बल्कि एक ऐसा प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश करेंगी कि भारतीय महिलाएं मां बनने के बाद भी खेल के मैदान में लौटकर देश के लिए पदक जीत सकती हैं । गौरतलब है कि शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था ।डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर अनुशासनहीनता और कथित तौर पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिसके लिए उनसे चार आरोपों पर जवाब मांगे गए हैं ।महासंघ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि विनेश 26 जून 2026 तक किसी भी घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी ।

शाहीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के नौवें गेंदबाज बने

मीरपुर ।पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में एक विकेट लेने के साथ ही अपने 400 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे कर लिये हैं ।शाहीन ये उपलब्धि अपने नाम करने वाले पाक के नौवें गेंदबाज बन गये हैं ।एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है ।इस मुकाबले के चौथे दिन शाहीन ने बांग्लादेशी बल्लेबाज मोमिनुल हक को आउट करते ही अपने 400 विकेट पूरे किये। वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 100 विकेट पूरे करने वाले पहले पाकिस्तानी गेंदबाज बन गए हैं। अब उनके नाम डब्ल्यूटीसी में कुल 103 विकेट दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में पाक की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज बनाता है ।इस सूची में नोमान अली 89 विकेट के साथ दूसरे और साजिद खान 63 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं ।गौरतलब है कि शाहीन से पहले पाक के लिए आठ दिग्गज गेंदबाजों ने 400 या उससे अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं ।इस विशिष्ट क्लब में शामिल होकर शाहीन ने अपनी जगह महानतम खिलाड़ियों की पंक्ति में बना ली है ।पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम 916 विकेट के साथ नंबर एक पर हैं, उनके बाद वकार यूनिस 789, इमरान खान 544, शाहिद अफरीदी 538, सकलैन मुश्ताक 496, सईद अजमल 447, शोएब अख्तर 438 और उमर गुल 427 विकेट के साथ मौजूद हैं ।शाहीन में 400 विकेट के साथ नौवें स्थान पर हैं। शाहीन ने अब तक 74 एकदिवसीय मैचों में 139 विकेट लिए हैं, जबकि 103 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी उन्होंने 136 विकेट हासिल किए हैं ।इस गेंदबाज ने केवल 211 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 400 विकेट पूरे किए हैं ।

नीरज चोपड़ा की वापसी में देरी, सचिन यादव रोम में डायमंड लीग में करेंगे डेब्यू

रोम(एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव 4 जून को प्रतिष्ठित एथलेटिक्स सीरीज़ के रोम चरण में डायमंड लीग में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि इस मीट की एंट्री लिस्ट में ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का नाम शामिल नहीं है। नीरज चोपड़ा, जो इस समय तुर्की में ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने का इलाज) कर रहे हैं, उन्होंने अभी तक अपना 2026 एथलेटिक्स सीजन शुरू नहीं किया है। उन्हें आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में हुई विश्व चैंपियनशिप में एक्शन में देखा गया था, जहां उन्होंने पीठ की चोट के बावजूद मुकाबला किया था और निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे थे।

नीरज की गैरमौजूदगी में, रोम में सभी की नज़रें सचिन यादव पर होंगी, जिन्हें पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए आठ प्रतिस्पर्धियों में शामिल किया गया है। 26 वर्षीय सचिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लेंगे। वह फाइनल में 86.27मी के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और पदक जीतने से बाल-बाल चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।

रोम 2026 डायमंड लीग में सचिन का मुकाबला कई दिग्गज खिलाड़ियों से होगा, जिनमें ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर, रियो 2016 के चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेकिया के याकूब वाडलेज शामिल हैं। अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, पोलैंड के डेविड वेगनर और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे - जो इस समय दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं - भी इस मुकाबले में शामिल होंगे।

सचिन यादव ने अप्रैल में नई दिल्ली में हुई इंडियन एथलेटिक्स सीरीज मीट के साथ घरेलू सर्किट पर अपना 2026 सीज़न पहले ही शुरू कर दिया है, जहां वह 81.95मी के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि पुरुषों का भाला फेंक इवेंट भी 31 मई को मोरक्को में होने वाली रबात डायमंड लीग का हिस्सा होगा, लेकिन मोरक्को में होने वाली इस मीट के लिए एंट्री लिस्ट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

दूसरी ओर, भारत की पारुल चौधरी, जिनके नाम महिलाओं की 3000मी, 5000मी और 3000मी स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं, 16 मई को शंघाई डायमंड लीग 2026 में स्टीपलचेज दौड़ में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह भारतीय एथलीट अपनी तीसरी डायमंड लीग मीट में हिस्सा लेंगी। पारुल, जो मौजूदा एशियाई खेलों की 5000मी चैंपियन हैं, 2024 में यूजीन में 16वें स्थान पर रही थीं और पिछले साल दोहा में छठे स्थान पर आई थीं। शंघाई में उनका मुकाबला केन्या की मौजूदा विश्व चैंपियन फेथ चेरोटिछ, कज़ाकिस्तान की पूर्व विश्व चैंपियन नोराह जेरुतो और युगांडा की पूर्व ओलंपिक चैंपियन पेरुथ चेमुताई से होगा।

शंघाई मीट के साथ ही 2026 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत भी हो जाएगी, क्योंकि दोहा लेग-जिसे मूल रूप से ओपनर के तौर पर रखा गया था-को 8 मई से बदलकर 19 जून कर दिया गया है। सचिन और पारुल दोनों ही आने वाली डायमंड लीग मीट और दुनिया भर के शीर्ष एथलीटों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाकर, आगे आने वाले व्यस्त सीजन के लिए अपनी लय बनाने की कोशिश करेंगे; इस सीजन में 2026 के एशियाई खेल भी शामिल हैं।

पूजा हेगड़े ने शेयर किए फिल्म 'रेट्रो' के सेट से जुड़े किस्से

अभिनेत्री पूजा हेगड़े की तमिल रोमांटिक-एक्शन फिल्म 'रेट्रो' ने रिलीज के एक साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री फिल्म की यादों में खोती नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपनी फिल्म से जुड़ी कुछ अनसुनी और रोमांचक यादें प्रशंसकों के साथ शेयर कीं। पूजा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ बीटीएस तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि फिल्म बनाना किसी साहसिक सफर से कम नहीं था। अभिनेत्री ने लिखा, 'फिल्म रेट्रो के रिलीज को एक साल पूरा। शूटिंग के दौरान हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया। शूटिंग के समय कई बार तूफान आए, काम करते वक्त मेरा लिगामेंट भी फट गया था, जिससे मुझे काफी चोटें आईं। हर तरफ कीचड़ और फिसलन थी, लेकिन इस दौरान हमारी टीम का जज्बा कम नहीं हुआ। अभिनेत्री ने आगे एक हैरान कर देने वाली घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि एक बार शूटिंग के दौरान उनकी नाव में आग लग गई थी। पूजा ने लिखा, 'हमारी नाव में आग लग गई (सुहास, आप हमेशा हीरो रहेंगे) और शूटिंग के वक्त एक ऐसा द्वीप था जहां चारों तरफ सांपों का डेरा था।' अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि तकनीकी रूप से ये सारी चीजें बहुत तनावपूर्ण और मुश्किल होनी चाहिए थीं, लेकिन असलियत में ऐसा नहीं था। उन्होंने लिखा, 'वहां बहुत शांति और अच्छा माहौल था। हम सबस खूब हंसी-मजाक करते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि हम कुछ ऐसा बना रहे थे, जो पूरी तरह से दिल से और सिनेमा के प्रति प्यार के लिए था, जब आप सही लोगों के साथ काम करते हैं, तो सबसे कठिन दिन भी आसान लगने लगते हैं।'

कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित तमिल रोमांटिक एक्शन फिल्म 'रेट्रो' में पूजा के साथ सूर्या मुख्य भूमिकाओं में थे। 'लव-लाफ्टर-वॉर' उपशीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण स्टोन बेंच क्रिएशंस और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया। इसमें सूर्या (परी) एक अपराधी पिता द्वारा पाले गए व्यक्ति की भूमिका में हैं, जो अपनी प्रेमिका, रुक्मिणी (पूजा हेगड़े) के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए हिंसक अतीत को छोड़ना चाहता है, लेकिन उसका हिंसक अतीत उसे नहीं छोड़ता।

अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं सयानी गुप्ता

एक्ट्रेस सयानी गुप्ता को बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्हें कहानी कहने के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हार्वर्ड साउथ एशियन एसोसिएशन ने 'पर्सन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से नवाजा है। अभिनेत्री का ग्लोबल लेवल पर सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ा है। यह सम्मान अलग-अलग क्षेत्रों में साउथ एशियन लोगों की बड़ी उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। यह सम्मान उन लोगों को पहचान देता है जिनके काम ने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई हो। एसोसिएशन ने एक ऑफिशियल बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, 'हम हर साल ऐसे किसी व्यक्ति को सम्मानित करते हैं, जिसके काम ने सार्वजनिक जीवन में साउथ एशियन पहचान को व्यक्त करने के तरीके को आकार दिया हो।'उनके काम की तारीफ करते हुए एसोसिएशन ने कहा, 'सयानी की एक्टिंग ने लगातार पुरानी सोच को चुनौती दी है। वह आज के दौर की कहानियों में गहराई, बेबाकी और सच्चाई लाई हैं। वह सबको साथ लेकर चलने वाली कहानियों को आकार देने में एक दमदार आवाज बन गई हैं।'

निर्देशक बनेंगी सयानी

एक्टिंग के अलावा, सयानी अब अपने करियर में एक नए क्रिएटिव दौर की शुरुआत कर रही हैं। अब वह लेखक और निर्देशक की भूमिका निभाएंगी।

इन फिल्मों में नजर आईं सयानी

बता दें कि सयानी ने अपनी एक्टिंग के दम पर अपने लिए एक मजबूत जगह बनाई है। वह गहराई और लीक से हटकर चुने गए किरदारों के लिए जानी जाती हैं। सयानी 'फोर मोर शॉट्स प्लीज!', 'एक्सोन', 'आर्टिकल 15', 'इनसाइड एज' और 'दिल्ली क्राइम' जैसे प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए काफी मशहूर हैं।

अनीस बज्मी की फिल्म की शूटिंग के बीच अक्षय कुमार ने लिया ब्रेक!

अभिनेता अक्षय कुमार अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। प्रियदर्शन के साथ उनकी यह फिल्म हिट हो गई है। अब उन्होंने फिल्ममेकर अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस बीच खबर आ रही है कि बहुत मसरूफ होने के बावजूद उन्होंने एक जरूरी काम के लिए वक्त निकाल लिया है। अक्षय कुमार ने अपनी आंखों की सर्जरी करवाई है। यह नजर ठीक करने के लिए थी। अक्षय अब थोड़ा ब्रेक लेंगे और आराम करेंगे। उन्होंने अनीस बज्मी के साथ अपनी अगली फिल्म का केरल शेड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें विद्या बालन और राशि खन्ना भी नजर आएंगी।' हाल ही में अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ अपनी एक अपकमिंग फिल्म को लेकर पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में अक्षय ने अपकमिंग फिल्म के बारे में अहम जानकारी दी है। अक्षय कुमार ने पोस्ट में लिखा कि अच्छी जगह पर खूबसूरत लोगों के साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने निर्देशक अनीस बज्मी की तारीफ की और पूरी टीम को 'अद्भुत' बताया। इस तस्वीर के साथ अक्षय ने बताया कि उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग का केरल का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है।

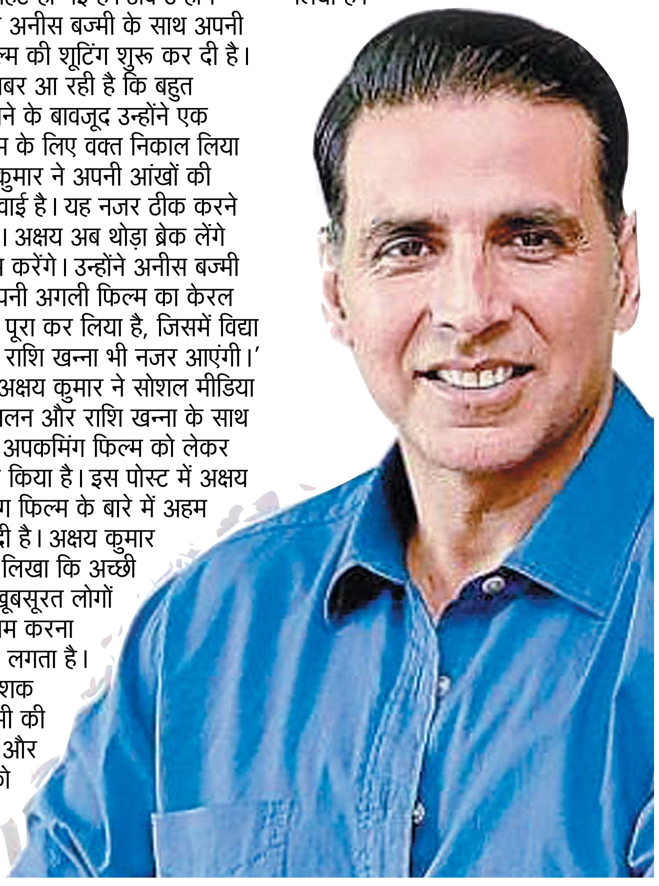

रसिका दुग्गल संग पहली बार जमेगी सैफ अली खान की जोड़ी

अभिनेता सैफ अली खान की क्राइम थ्रिलर 'कर्तव्य' ओटीटी पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है। फिल्म में सैफ एक ऐसा किरदार निभाते नजर आएंगे, जो अपने पेशेवर 'कर्तव्य' और 'परिवार' के बीच बुरी तरह फंसा हुआ है। फिल्म में अभिनेता पहली बार रसिका दुग्गल के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। अभिनेत्री रसिका अपनी बेहतरीन अदाकारी और संजीदा किरदारों के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फिल्म में सैफ अली खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को 'शानदार' बताया। उन्होंने सैफ की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना बेहद सहज और मजेदार रहा। उन्होंने सैफ के व्यक्तित्व पर रोशनी डालते हुए कहा, 'सेट पर एक ऐसा सह-कलाकार मिलना वाकई सुखद होता है, जिसका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का हो। सैफ के साथ काम करना मनोरंजन से भरपूर था। वह न केवल एक बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं।' रसिका ने फिल्म जगत में सैफ अली खान के लंबे और सफल करियर की भी सराहना की। सैफ ने समय के साथ खुद को लगातार बदला है और हर बार एक नए अंदाज में दर्शकों के सामने आए हैं। यही कारण है कि वह आज भी इंडस्ट्री के सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं में गिने जाते हैं।

कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी 'सिस्टम'

आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं। फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, '''सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।'' फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'सिस्टम' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी।

गौरव खन्ना ने रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की

अभिनेता गौरव खन्ना इन दिनों स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' को लेकर सुर्खियों में हैं। खास बातचीत में गौरव ने अपनी जिंदगी के संघर्षों, मुंबई आने के सफर और बिना गॉडफादर के मुकाम हासिल करने पर खुलकर बात की। उन्होंने नए शो को लेकर परिवार के रिएक्शन, रोहित शेट्टी के साथ काम करने के अनुभव और जिंदगी में जोखिम लेने की अपनी आदत पर भी चर्चा की।

'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने जा रहे हैं, फैंस को आपसे काफी उम्मीदें हैं?

बड़ा अच्छा लगता है जब दर्शक इतना भरोसा दिखाते हैं। पिछले रियलिटी शो (बिग बॉस) में लोगों ने मुझे मेरे असली रूप में देखा। अभी तक वे मुझे सिर्फ किरदारों से जानते थे, लेकिन अब वे असली गौरव (जीके) को जानते हैं। मेरी यही कोशिश रहेगी कि मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरूं और उन्हें एंटरटेन करता रहूं।

इस शो में जीके (गौरव खन्ना) क्या खास करने वाले हैं?

जीके इस शो में स्टंट करेगा। जीके जिस भी शो में जाता है, वहां जो भी रिक्वायरमेंट होती है, वो जरूर पूरी करता है।

शो के लिए आपकी क्या तैयारी है?

मैं कभी कुछ सोचकर नहीं जाता। मैं खुद को उस परिस्थिति में डालता हूं और रिक्वायरमेंट के हिसाब से परफॉर्म करने की कोशिश करता हूं। मुझे स्टंट्स का कोई एक्सपीरियंस नहीं है, मैं पहली बार यह सब कर रहा हूं।

शो का ऑफर आने पर घर वालों का कैसा रिएक्शन था?

मेरे माता-पिता कानपुर में रहते हैं और बहुत साधारण लोग हैं। जब मेरी मां को पता चला तो वे चिंतित हो गईं। उन्होंने कहा- 'तुम क्यों जा रहे हो? तुम्हें क्या जरूरत है, करियर तो अच्छा खासा चल रहा है।' उन्होंने ऐसा ही मास्टरशेफ और बिग बॉस के टाइम भी कहा था। मैंने उन्हें इस बार भी नहीं बताया था। सच कहूं तो शो का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने वाला मैं सबसे आखिरी इंसान था।

आपने शो करने का फैसला कैसे लिया?

मेरे पिता ने मेरा हौसला बढ़ाया और कहा कि तुम्हें यह करना चाहिए। मुझे लगा कि एक-दो शो जीतने के बाद हम अक्सर अपने कंफर्ट जोन में चले जाते हैं। लेकिन मजा तो इसी में है कि खुद को परखा जाए। मैं कॉर्पोरेट लाइन से एक्टर बना और फिर रियलिटी शोज में आया। जब तक कुछ नया करने का जज्बा है, लाइफ में ग्रोथ होती रहेगी। पत्नी आकांक्षा का रिएक्शन भी बिंदास था, उसने तुरंत कहा- 'करो!'

लाइफ में आपने अब तक का सबसे बड़ा जोखिम क्या लिया है?

अपने कंफर्ट जोन को छोड़ना। सबसे पहले अपने घर को छोड़कर इतने बड़े शहर (मुंबई) में आना, वह भी बिना किसी प्लान के। मुझे कोई इल्म नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगा। ना किसी को जानता था, ना कोई परिवार था, ना ही कोई गाइडेंस या गॉडफादर था। आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि लाइफ में काफी रिस्क लिए हैं।

उस गौरव को क्या कहेंगे जो सालों पहले बिना किसी जुगाड़ के मुंबई आया था?

मैं उसे बस यही कहूंगा कि 'खुद पर विश्वास रख।' आज भी मुझे वही चीज काम आती है जो 20 साल पहले आई थी। अगर मैं उस समय अपने विश्वास से डगमगा जाता, तो शायद मैं इस लाइन में कभी नहीं आता और कॉर्पोरेट में ही रह जाता। मुझे लाइफ में रिग्रेट नहीं करना है, बस कुछ आउट ऑफ द बॉक्स करना है।

रोहित शेट्टी के साथ काम करने को लेकर क्या सोच रहे हैं?

मैं उनसे बिग बॉस के एक वीकेंड का वार में मिला था। उनकी वाइब एक बड़े भाई जैसी है, जो मजाक-मजाक में बड़ी बातें समझा देते हैं। उनकी गाइडेंस में स्टंट सीखना इस शो को करने की एक बड़ी वजह है। वाट तो लगेगी, ऐसा नहीं है कि मैं पत्थर का बना हूं और मुझे डर नहीं लगता। डर सबको लगता है, बस उसे ही ओवरकम करना है।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता अमेरिकी सैनिक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

मोरक्को , एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए अमेरिकी सेना के अधिकारी फर्स्ट लेफ्टिनेंट केंड्रिक लेमोंट की तलाश का दुखद अंत हुआ है। उनका शव अटलांटिक महासागर के किनारे मिला। बताया जा रहा है कि केंड्रिक और उनके एक अन्य साथी छुट्टी के दौरान पहाड़ियों पर घूमने गए थे, जहां पैर फिसलने के कारण वे समुद्र में गिर गए थे। मोरक्को और अमेरिका की टीमें अभी भी लापता दूसरे सैनिक की तलाश में जुटी हैं। इस बड़े बचाव अभियान में 600 से अधिक जवान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगाए गए हैं। हालांकि अफ्रीकन लायन सैन्य अभ्यास खत्म हो चुका है, लेकिन अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी अभी भी मोरक्को में तैनात है ताकि दूसरे सैनिक का पता लगाया जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की केन्या यात्रा, नए संबंधों की शुरुआत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी केन्या यात्रा शुरू कर दी है, जहां वह अफ्रीका फॉरवर्ड समिट में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन के जरिए फ्रांस अफ्रीका के साथ अपने पुराने औपनिवेशिक संबंधों को पीछे छोड़कर एक बराबरी की दोस्ती का संदेश देना चाहता है। पहली बार यह सम्मेलन किसी अंग्रेजी भाषी देश में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान फ्रांस और केन्या ने परमाणु ऊर्जा, परिवहन और कृषि जैसे क्षेत्रों में 11 बड़े निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी ओर, केन्या के विपक्षी नेताओं ने इस आयोजन की आलोचना की है। उनका कहना है कि केन्या में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की स्थिति खराब है और यह सम्मेलन केवल एक दिखावा है।

भारतीय मूल के क्यू मणिवन्नन स्कॉटिश संसद सदस्य निर्वाचित

एडिनबर्ग , एजेंसी। स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव में भारत में जन्मे मानवविज्ञानी क्यू मणिवन्नन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। खुद को नॉन–बाइनरी (लैंगिक पहचान में भ्रम) बताने वाले मणिवन्नन ने स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर एडिनबर्ग और लोथियन ईस्ट से जीत हासिल की। तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन एक छात्र हैं। स्कॉटलैंड ने कम अवधि के वीजा वाले विदेशियों को भी चुनाव लड़ने की अनुमति दी है।

हथियार तस्करी में पाकिस्तानी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका से कनाडा में 89 हथियार तस्करी करने के आरोप में एक पाकिस्तानी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद हथियारों में से 17 हथियार चोरी के हैं। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध जवाब मिलने पर संदिग्धों की तलाशी ली, जिसमें हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान फैजान (पाकिस्तान), मलिक ब्रोमफील्ड (कनाडा) और कमल (जॉर्डन) के रूप में हुई है। फैजान के पास एक अन्य व्यक्ति का अवधि समाप्त ड्राइविंग परमिट भी मिला।

सिंगापुर के सांस्कृतिक उत्सव में भारतीय आमों की धमक

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में आयोजित थ्रेड्स ऑफ इंडियन ट्रेडिशन उत्सव में भारतीय आमों के जरिये अनूठी ब्रांडिंग की गई। कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले गायकों और नर्तकों को पुरस्कार के रूप में भारतीय आमों के डिब्बे भेंट किए गए। भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने कहा कि उच्चायोग की ओर से इस महीने का यह दूसरा मैंगो प्रमोशन इवेंट है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट में आयोजित उत्सव में 6,000 से अधिक लोगों ने भारतीय आमों की 10 किस्मों का स्वाद चखा था।

जेल से अस्पताल पहुंचीं नोबेल विजेता नरगिस

तेहरान, एजेंसी। जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तेहरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल में बेहोश होकर गिरने के बाद उनके परिवार ने लगातार उन्हें बेहतर इलाज दिलाने की मांग की थी, जिसके बाद प्रशासन ने जमानत पर उनकी सजा को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है। मोहम्मदी के फाउंडेशन का कहना है कि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए केवल सजा का निलंबन काफी नहीं है, बल्कि उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख की जरूरत है। फाउंडेशन ने मांग की है कि उनकी 18 साल की बाकी सजा और सभी आरोपों को पूरी तरह से खत्म किया जाए ताकि उन्हें दोबारा जेल न लौटना पड़े।

त्रिनिदाद में बोले जयशंकर: गिरमिटिया को मिलेगा भारत का साथ

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों के साथ भारत के गहरे होते संबंधों को रेखांकित किया। जयशंकर ने कहा कि ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) योजना के प्रति विदेश में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है और भारतीय उच्चायोग को बड़ी संख्या में आवेदन मिल रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, उनकी मदद के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ ऐतिहासिक नेल्सन द्वीप का दौरा किया, जहां कभी गिरमिटिया भारतीय पहली बार पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने 180 वर्ष पहले त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे पहले भारतीय मजदूरों को याद किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में नया जीवन बसाने वाले भारतीय प्रवासियों की दृढ़ता, संकल्प और साहस को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भारतीय प्रवासी समुदाय की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड देने की घोषणा ने दोनों देशों के सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्तों को नई मजबूती दी है। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत की सहायता से नेल्सन द्वीप पर शुरू की गई क्विक इम्पैक्ट

प्रोजेक्ट साझा विरासत और ऐतिहासिक यात्रा को संरक्षित करने में मदद करेगी। जयशंकर 2 मई से 10 मई तक तीन देशों की यात्रा पर थे। दौरे के अंतिम दिन उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की।

गिरमिटिया समुदाय की विरासत संरक्षित करने का लगातार किया जा रहा प्रयास : जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुआ अभिलेखीय सहयोग समझौता भारतीय मूल के लोगों को अपनी पैतृक जड़ों की पहचान करने और भारत में अपने परिवारों से दोबारा जुड़ने में मदद करेगा। भारत सरकार गिरमिटिया समुदाय की विरासत को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विदेश मंत्री ने कहा, ये प्रवासी अपने साथ भारतीय परंपराएं, आस्था और जीवन शैली लेकर आए थे, इसलिए इस इतिहास को विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया जाना महत्वपूर्ण है। समझौते से भारतीय मूल के लोगों को अपने पूर्वजों और भारत स्थित रिश्तेदारों की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

भारत की मदद से हुई कई परियोजनाओं की शुरुआत : जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान कृषि प्रसंस्करण केंद्र की शुरुआत की और स्थायी कृत्रिम अंग केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ दक्षिण त्रिनिदाद में भारत की सीड्स पहल से संचालित एग्रो-प्रोसेसिंग सुविधा का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। जयशंकर ने कहा कि यह परियोजना लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूती देगी और कृषि क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगी।

जुलाई, 2025 में पीएम मोदी ने की थी यात्रा : पिछले साल जुलाई में पीएम मोदी ने त्रिनिदाद व टोबैगो की यात्रा के दौरान वहां के भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड की घोषणा की थी। इसे भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें कि 1845 से 1917 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप से करीब 1.43 लाख मजदूर त्रिनिदाद पहुंचे थे, जिनमें अधिकांश उत्तर भारत व बिहार से थे। आज उनकी पांचवीं व छठी पीढ़ी देश की कुल आबादी का लगभग 40-45 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत-त्रिनिदाद के बीच 8 समझौते : जयशंकर के दौरे पर भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने पर्यटन, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और आयुर्वेद समेत विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौतों में पर्यटन सहयोग, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के विदेश व कैरिकॉम मामलों के मंत्रालय भवन का सौर ऊर्जा से संचालन, वेक्टर नियंत्रण, नेल्सन द्वीप के बुनियादी ढांचे के उन्नयन व यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्ट इंडीज में आयुर्वेद पर भारतीय चेयर स्थापित करना शामिल है। जयशंकर ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर की मौजूदगी में स्कूली बच्चों को 2,000 लैपटॉप की पहली खेप सौंपी।

ब्रह्मांड की एक और गुत्थी सुलझी: ब्लैक होल की टक्करों से हो रहा पिंडों का जन्म, सितारों की टक्कर से बने जोड़

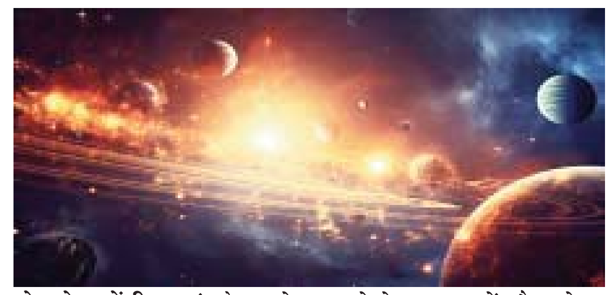

टोक्यो, एजेंसी। ब्रह्मांड के सबसे विशालकाय ब्लैक होल के निर्माण की एक बड़ी गुत्थी को सुलझा लिया गया है। हालिया एक शोध में वैज्ञानिकों का दावा है कि कॉस्मिक जायंट्स यानी विशालकाय खगोल पिंड घने तारा समूहों में होने वाली हिंसक टक्करों के परिणामस्वरूप बन रहे हैं। नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि गुरुत्वाकर्षण तरंगों ने इन ब्लैक होल के पिंडों के निर्माण के रहस्य से पर्दा उठाया है। कार्डिफ यूनिवर्सिटी के फैबियो एंटोनिनी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एलआईजीओ, केएजीआरए और वर्गो डिटेक्टरों की मदद से दर्ज किए गए 153 ब्लैक होल विलय का विश्लेषण किया। ये तरंगें, जिन्हें पहली बार 1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन ने जनरल रिलेटिविटी के सिद्धांत के तहत प्रस्तावित किया था। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि क्या भारी ब्लैक होल सीधे बड़े सितारों के ढहने से बनते हैं या छोटे ब्लैक होल के बार-बार आपस में जुड़ने से। अध्ययन में ब्लैक होल्स की दो स्पष्ट श्रेणियां देखी गईं इसमें पहली कम द्रव्यमान वाले ब्लैक होल और दूसरी वो जो सुपरनोवा विस्फोट के बाद सितारों के कोर के ढहने से बने थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि भारी ब्लैक होल की स्पिन तेज और विभिन्न दिशाओं में थी। टीम की सदस्य इसाबेल रोमेरो-शॉ के अनुसार, यह तेज और घूमने उल्टी-पुल्टी दिशा बताती है कि ये ब्लैक होल घने तारा समूहों के भीतर बार-बार हुई टक्करों से पैदा हुए हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, सूर्य के द्रव्यमान से 45 गुना बड़े सितारे मरने पर ब्लैक होल बनने के बजाय पूरी तरह से फट जाते हैं, 45 ब्लैक होल पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने। वैज्ञानिकों के मुताबिक, 45 सौर द्रव्यमान से बड़े ब्लैक होल का अस्तित्व केवल तभी संभव है जब वे पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने हों। यह खोज न केवल ब्लैक होल के बढ़ने की प्रक्रिया को स्पष्ट करती है।

ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान गर्मजोशी की संभावना नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की अपनी यात्रा से कुछ सप्ताह पहले से ही सोशल मीडिया पर यह भविष्यवाणी कर रहे थे कि उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग वहां पहुंचने पर मुझे गले लगाएंगे। हालांकि,माना जा रहा है कि ईरान के साथ चीन के प्रगाढ़ आर्थिक संबंध, साथ ही ट्रंप के पहले कार्यकाल से चले आ रहे टैरिफ की धमकियों को लेकर व्यापारिक तनाव, इस सप्ताह ट्रंप की बीजिंग यात्रा के दौरान माहौल को धूमिल कर सकते हैं। इस्राइल से दो विदेशी नागरिक निर्वासित इस्राइल ने रविवार को दो विदेशी कार्यकर्ताओं सैफ अबू केशेक (स्पेन) और थियागो अविला (ब्राजील) को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में गाजा जा रहे एक जहाजी बेड़े में गिरफ्तार करने के बाद निर्वासित कर दिया। ये 12 अप्रैल को स्पेन से शुरू दूसरे ग्लोबल सुमुद बेड़े का हिस्सा थे। इसका उद्देश्य गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाकर इस्राइल द्वारा गाजा की नाकाबंदी को तोड़ना था। इन्हें 29 अप्रैल को इस्राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। गाजा पर इस्राइल के हमले में तीन की मौत इस्राइल की तरफ से गाजा पर किए गए हमले में तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें हमास के पुलिस बल प्रमुख समेत दो लोग शामिल हैं। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि रविवार को हवाई हमले में मगाजी शरणार्थी शिविर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। गाजा के हमास-नियंत्रित आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, एक अन्य हमले में खान यूनिस में पुलिस बल के प्रमुख वेसम अब्देल-हादी और उनके सहयोगी की मौत हो गई। गाजा में युद्धविराम उल्लंघन का यह ताजा मामला है।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ–कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा:संविधान में नया प्रावधान जोड़ा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के

दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

क्यों बदली गई उत्तर कोरिया की परमाणु नीति : डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया। लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ऐसी नीति पहले अनौपचारिक रूप से मौजूद रही हो, लेकिन अब इसे संविधान का हिस्सा बना दिया गया है।

उत्तर कोरिया में हमला करना मुश्किल : एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान के मुकाबले उत्तर कोरिया में ऐसा हमला करना कहीं ज्यादा मुश्किल होगा। उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे बंद देशों में से एक है। वहां विदेशी डिप्लोमैट्स, सहायता कर्मियों और कारोबारियों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, जिससे खुफिया जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। लोकल ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली खुफिया एजेंसियों ने ईरानी नेताओं पर नजर रखने के लिए हैक किए गए ट्रैफिक कैमरों और डिजिटल सर्विलांस सिस्टम का इस्तेमाल किया था। हालांकि प्योंगयांग में ऐसा करना बहुत कठिन होगा।

भारतीय दवाओं पर अड़ंगे से नेपाल में गंभीर संकट, जीवन रक्षक औषधियों की घोर कमी का खतरा

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल सरकार की नीतियों में बदलाव व शुल्क बाधाओं से देश में जीवन रक्षक दवाओं का संकट पैदा होने लगा है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ ने चेताया है कि मूल्य समायोजन में दिखाई गई उदासीनता के कारण निकट भविष्य में इन दवाओं का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। नेपाल अपनी जरूरत की 70% दवा आयात करता है। इसमें 90% दवाएं भारत से आती हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष व आर्थिक दबाव के कारण दवाओं के कच्चे माल व उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है। भारत व अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दवाओं की कीमतें बढ़ चुकी हैं, लेकिन नेपाल ने 117 प्रकार की मूल्य

नियंत्रित दवाओं के संबंध में अब तक कोई निर्णय नहीं किया है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ के अध्यक्ष पवन आचार्य के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस अनुपात में कीमतें बढ़ी हैं, नेपाल में भी उसी के अनुसार समायोजन होना चाहिए। यदि कीमतें समायोजित नहीं की गईं, तो आयात करना संभव नहीं होगा। बाजार में इन दवाओं का भारी अभाव हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिपार्टमेंट ऑफ ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक जानकारी दी जा चुकी है।

भारतीय उत्पादकों की घटती रुचि, सुरक्षा चिंताजनक : नेपाल की ओर से 93 प्रकार की दवाओं के आयात पर रोक और आयात संबंधी बाधाएं खड़ी करने की नीति से भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों की रूचि घटने लगी है। आचार्य के अनुसार, यदि भारत से नेपाल होने वाला निर्यात घटता गया, तो उनका हित भी कम हो जाएगा।

सीमा शुल्क व नीतिगत बाधाएं : आयातकों ने सीमा शुल्क विभाग से पैदा की जा रही परेशानियों की भी शिकायत की है। आचार्य के अनुसार, प्रावधान 5% सीमा शुल्क का है, पर बिलों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाकर 28% तक जुर्माना वसूला जा रहा है। सिटी स्कैन व एमआरआई में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन पर भी अतिरिक्त कर वसूला जा रहा है।

श्रीलंका में नाबालिग से रेप के आरोप में 71 वर्षीय बौद्ध भिक्षु गिरफ्तार; युवती की मां भी हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु पल्लेगामा हेमारथाना थेरो को नाबालिग लड़की से कथित रेप और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 71 साल के भिक्षु को कोलंबो के एक निजी अस्पताल से हिरासत में लिया गया।

हेमारथाना थेरो श्रीलंका के आठ पवित्र बौद्ध स्थलों के प्रमुख संरक्षक हैं। वे अनुराधापुरा के मुख्य पुजारी भी हैं। अनुराधापुरा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वे उस पवित्र वृक्ष के भी संरक्षक हैं, जिसे बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति वाले बोधि वृक्ष की शाखा से उगा माना जाता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक पीड़िता अब 15 साल की है। मार्च में नाबालिग के कथित अपहरण और अवैध हिरासत से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान पुलिस को लंबे समय तक यौन शोषण की जानकारी मिली। इसके बाद लड़की को सरकारी संरक्षण केंद्र में रखा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की की मां को भी गिरफ्तार किया गया है। उस पर शोषण में मदद करने और मामला छिपाने का आरोप है। भिक्षु पर आरोप है कि 2022 में अनुराधापुरा के एक मंदिर में लड़की के साथ कई बार रेप और यौन उत्पीड़न किया गया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फिलहाल उन्हें कोलंबो जेल अस्पताल में मेडिकल निगरानी में रखा गया है। बाल संरक्षण अधिकारियों ने पहले पुलिस की आलोचना की थी कि आरोपी का नाम सामने आने के बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं किया गया। बाद में अनुराधापुरा के मुख्य मजिस्ट्रेट ने जांच पूरी होने तक भिक्षु को हिरासत

में रखने का आदेश दिया।

2 महीने पहले शिकायत दर्ज हुई थी : इस मामले की शिकायत मार्च में दर्ज कराई गई थी. शुरुआत में मामला नाबालिग लड़की के अपहरण और उसे जबरन रोककर रखने का था. लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को यौन शोषण की जानकारी मिली. पुलिस के मुताबिक, हेमरत्ना को राजधानी कोलंबो के एक निजी अस्पताल से पकड़ा गया. वह वहां इलाज करा रहे थे. कोलंबो, अनुराधापुरा से करीब 200 किमी दूर है. हेमरत्ना, अटामास्थान नाम के पवित्र बौद्ध स्थलों के मुख्य भिक्षु हैं. ये जगह श्रीलंका के सबसे अहम धार्मिक स्थलों में गिनी जाती है और यहां हर साल हजारों श्रद्धालु आते हैं. इससे पहले श्रीलंका में बौद्ध भिक्षुओं से जुड़ा एक और बड़ा मामला सामने आया था. 28 अप्रैल 2026 को कोलंबो एयरपोर्ट पर 22 बौद्ध भिक्षुओं को 110 किलो से ज्यादा गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. पुलिस के मुताबिक, ये सभी भिक्षु थाईलैंड से लौट रहे थे. उनके सूटकेस में खास तरीके से नकली तली बनाकर गांजा छिपाया गया था. हर बैग में 5 किलो से ज्यादा गांजा मिला था. अधिकारियों का कहना था कि यह एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी में से एक है. जब्त गांजे की कीमत करीब 34.5 लाख डॉलर यानी लगभग 110 करोड़ रुपये बताई गई है।

ईरान ने अमेरिका को फिर भेजा शांति प्रस्ताव, डोनाल्ड ट्रंप ने देखते ही किया खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने की तमाम कोशिशें नाकाम ही होती नजर आ रही हैं। उधर होर्मुज बंद होने और अमेरिका की नाकेबंदी की वजह से दुनियाभर में तेल और गैस का संकट गहराता हीचला जा रहा है। ईरान ने अमेरिका को एक और शांति का प्रस्ताव भेजा था लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने उसे स्वीकार करने से सीधे तौर पर इनकार करद या। रविवार को ईरान ने अमेरिका के सामने एक नया प्रस्ताव रखा था। इसके मुताबिक हर मोर्चे पर युद्धविराम करने की मांग की गई थी। खास तौर पर लेबनान में संघर्ष रोका जाना और होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित आवाजाही पर जोर दिया गया था।

क्या थीं ईरान की शर्तें : ईरान का कहना था कि युद्ध में जो उसे नुकसान हुआ है उसकी अमेरिका भरपाई करे और मुआवजा दे। इसके अलावा ईरान की शर्त थी कि अमेरिका अपने प्रतिबंध हटा ले और ईरान के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की पूरी छूट दी जाए। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि होर्मुज पर ईरान की संप्रभुता को स्वीकार किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को तत्काल खारिज कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ही साफ कर दिया है कि यह डील उनके लिए अस्वीकार्य है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने का मूल मकसद देश के अधिकारों को सुरक्षित करना और राष्ट्रीय हितों की मजबूती से रक्षा करना है। इसका अर्थ किसी के आगे आत्मसमर्पण करते हुए पीछे हटना नहीं है। गौरतलब है कि ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पेजेश्कियन ने कहा कि ईरानी राष्ट्र 'दुश्मन के सामने कभी नहीं झुकेगा।

अमेरिका ने भी दिया था शांति प्रस्ताव : वाशिंगटन और तेहरान के बीच जारी वार्ता में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है। मौजूदा तनाव के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले

जहाजरानी तंत्र में व्यवधान उत्पन्न हुआ है और वैश्विक ऊर्जा बाजार हिल गए हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के पिछले संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरीफ ने रविवार को कहा: 'फिलहाल, फील्ड मार्शल (आसिम मुनीर) ने मुझे सूचित किया है कि हमें ईरान का जवाब मिल गया है। मैं इससे अधिक विवरण नहीं दे सकता।' इससे पहले, ईरानी मीडिया ने बताया था कि तेहरान ने अमेरिकी प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान को सौंप दी थी, जिसे बाद में वाशिंगटन को भेज दिया गया था। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप युद्ध शुरू हुआ था। फिलहाल आठ अप्रैल से युद्धविराम जारी है। ईरान ने रेसलिंग हाउस पर अमेरिका-इजराइल का हमले का वीडियो शेयर किया भारत में ईरान के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंटने एक सीसीटीवी वीडियो शेयर किया है। पोस्ट में दावा किया गया है कि यह वीडियो जंग के दौरान मार्टर मोस्तफा सदरजादेह रेसलिंग हाउस पर हुए अमेरिका-इजराइल हमले का है। पोस्ट किए गए वीडियो में कथित तौर पर एक इमारत के अंदर धमाके और अफरा-तफरी जैसा नजारा दिख रहा है। अमेरिकी रक्षामंत्री ने हथियार कम पड़ने के दावे को खारिज किया अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक तेजी से कम होने के दावों को खारिज कर दिया है। दरअसरल अमेरिकी नेवी के रिटायर्ड कैप्टन और डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली ने छ्क्कस को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पेंटागन ने उन्हें बताया है कि अमेरिका ने बहुत बड़ी मात्रा में हथियार खर्च कर दिए हैं। पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मार्क केली के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। हेगसेथ ने कहा कि केली टीवी पर पेंटागन की क्लासिफाइड ब्रीफिंग से जुड़ी गलत जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केली गलत और बेवकूफी भरी बातें कर रहे हैं। केली ने चेतावनी दी थी कि अगर भविष्य में चीन या किसी दूसरे मोर्चे पर बड़ा संघर्ष होता है, तो अमेरिका कम सुरक्षित स्थिति में होगा। केली ने दावा किया कि मौजूदा हथियार भंडार को फिर से तैयार करने में कई साल लग सकते हैं।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.